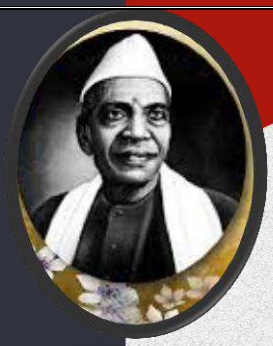

१० वीं क्षा त्रृतीय भाषा हिंदी – स्कोरिंग पैकेज

हिंदी वल्लरी - २०२०

२०१९-२०

सपनों के सोपान

चिक्कमगलूरु जिला प्रौढ़शाला हिंदी भाषा शिक्षक संघ

-: स्कोरिंग पैकेज रचना समिति :-

श्री रामास्वामिनायक

अध्यक्ष

चिक्कमगलूरू जिला प्रौढ़ शाला हिंदी भाषा शिक्षक संघ

मोबाइल :7019616020

-: प्रधान संपादन :-

श्री अशोक कुमार. बी.जी

हिंदी भाषा शिक्षक

श्री एम्.एस.डि. कर्नाटक पब्लिक शाला कोप्पा.

मोबाइल : 9743424003

-: संसादक एवं संपादन :-

श्रीमति आशा बी.एन

हिंदी भाषा शिक्षिका

स.प.पू कॉलेज अज्जंपुर

मोबाइल :9900630573

श्रीमति राधाबाई

हिंदी भाषा शिक्षिका

सरकारी प्रौढ़ शाला सिद्दरमठ

मोबाइल :9008983243

श्री कुमारस्वामि. हेच

हिंदी भाषा शिक्षक

सरकारी प्रौढ़ शाला लोकनाथपुर

मोबाइल : 8277146872

-: सहयोग एवं मार्गदर्शन :-

01) नवीदा जान

सरकारी प्रौढ़ शाला गर्गेश्वार

मोबाइल :9481654001

02) श्रीमति सालेह बेगम

ए.एम्.आर.स.बालिका प्रौढ़ शाला बीरूरू

मोबाइल : 8105443903

03) श्रीमति शरादम्मा

स.प.पू.कॉलेज शृंगेरी

मोबाइल :935312113

-: हिंदी वल्लरी :-

10वीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी

स्कोरिंग पैकेज - 2019-20

-: अनुक्रमाणिका :-

क्र.सं	विषय	पृष्ठ संख्या
01	कवि/लेखकपरिचय	03
02	मातृभूमि	04
03	कश्मीरी सेब	06
04	गिल्लू	09
05	अभिनव मनुष्य	13
06	मेरा बचपन	15
07	बसंत की सच्चाई	17
08	तुलसी के दोहे	20
09	इंटरनेट क्रांति	22
10	ईमानदारों के सम्मलेन में	25
11	दुनिया में सबसे पहला मकान	27
12	समय की पहचान	29
13	रोबोट	31
14	महिला की साहस गाथा	33
15	सूर - श्याम	36
16	कर्नाटक संपदा	38
17	बाल - शक्ति	41
18	कोशिश करनेवालों की - हार नहीं होती	43
19	शनि : सबसे सुन्दर ग्रह	45
20	सत्य की महिमा	46
21	नागरिक के कर्तव्य	48
22	कन्नड़ में अनुवाद करो	50
23	अनुरूपता	50

"आपका सबसे अच्छा शिक्षक

आपकी आखिरी गलती है |"

-: अनुक्रमाणिका :-

क्र. सं	विषय	पृष्ठ संख्या
24	व्याकरण	
	01. लिंग	52
	02. वचन	53
	03. प्रथम प्रेरणार्थक	54
	04. विलोम शब्द	55
	05. संधि	56
	06. समास	57
	07. कारक	60
	08. विराम चिन्ह पहचान	61
	09. मुहावरे	61
	10. पर्यायवाची शब्द	62
	11. कि और की का प्रयोग	63
25	**12 एकल शब्द(अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए)**	63
रचना भाग		
26	निबंध लेखन	
	01. इंटरनेट	64
	02. बेटी बचाओ, बेटी पढाओ	65
	03. स्वच्छ भारत अभियान	66
	04. पर्यावरण प्रदूषण	66
	05. जनसँख्या की समस्या	67
	06. नागरिक के कर्तव्य	68
	07. महिला सशक्तीकरण / सबलीकरण	69
	08. स्वछता का महत्व	70
27	**पत्र लेखन**	71
28	अपठित गद्य	74
29	प्रतिदर्श प्रश्न पत्रिका	75

"यश त्याग से मिलती है,
धोखादाड़ी से नही ।"
-मुंशी प्रेमचंद

-: कवि/लेखक परिचय :-

क्र. सं.	पाठकानाम विधा	कवि/लेखकका नाम	काल - स्थान	शिक्षा	प्रमुखकृतियाँ	प्राप्तपुरस्कार
1	मातृभूमि (कविता)	भगवतीचरणवर्मा	1903-1981 शफीपुर(उ.प्र.)	बी.ए. एल.एल.बी.	भूलेंबिसरेंचित्र(उपन्यास) संपूर्णकहानियाँ(कहानीसंग्रह)वसीयत(नाटक)	साहित्यअकादमीपुरस्कार
2	कश्मीरीसेंब (कहानी)	प्रेमचंद	1880-1936 वाराणसीकेपा सलमही	मेंट्रिक	गोदान,निर्मला(उपन्यास) पंचपरमेश्वर,पूसकीरात(कहा नियाँ)	----------
3	गिल्लू (रेंखाचित्र)	महादेंवीवर्मा	1907-1987 फरूखाबाद	एम.ए. (संस्कृत)	यामा, दीपशिखा,स्मृतिकीरेंखाएँ	ज्ञानपीठ,सेंक्सरिया,मंगलप्र साद, द्विवेंदीपदक.
4	अभिनवमनुष्य (कविता)	रामधारीसिंह 'दिनकर'	1908-1974 मुंगेंर(बिहार)		कुरुक्षेंत्र,	ज्ञानपीठ,पद्मभूषण,साहित्य अकादमीपुरस्कार,
5	मेंराबचपन (आत्मकथा)	डा.ए.पी.जे.अब्दुलक लाम	1931-2015 रामेंश्वरम	एरोंस्पेंस इंजिनीरिंग	विंग्सआफफायर, इग्नेंटेडमैंड्स.	भारतरत्न,पद्मभूषण,पद्मविभू षण
6	बसंतकीसच्चाई(ए कांकी)	विष्णुप्रभाकर	1912-2009 मीरापुर(उ.प्र.)		आवारामसीहा, तटकेंबंधन.	साहित्यअकादमीपुरस्कार, पद्मभूषण
7	तुलसीकेंदोंहे (दोंहा)	गोंस्वामी तुलसीदास	1532-1623 राजापुर(उ.प्र.)		रामचरितमानस, विनय-पत्रिका,दोंहावली,गीतावली	
8	इंटरनेंटक्रांति (निबंध)	संकलित				
9	ईमानदारोंकें सम्मेंलनमें (व्यंग्यरचना)	हरिशंकरपरसाई	1924-1995 जमानी(म.प्र)	एम.ए. (हिंदी)	हँसतेंहैंरोंतेंहैं, भूतकेंपाँवपीछेंं,	साहित्यअकादमीपुरस्कार
10	दुनियामेंपहला मकान(लेंख)	डा.विजयागुप्ता	1946-	एम.ए. पी.एच.डी.	हमारेंबहादुरबच्चेंं, बालकहानीसंग्रह	
11	समयकीपहचान(क विता)	सियारामशरणगुप्त	1895-1963 झाँसी(म.प्र.)		सौंर्यविजय, अनाथ, मृण्मयी, बापू,	
12	रोंबोंट (कहानी)	डा.प्रदीपमुखोंपाध्या यआलोंक				
13	महिलाकीसाहसगा था(व्यक्तिपरिचय)	संकलित				
14	सूरश्याम (पद)	सूरदास	1540-1642 रुनकता(म.प्र)		सूरसागर, सूरसारावली, साहित्यलहरी	
15	कर्नाटकसंपदा (निबंध)	संकलित				
16	बाल-शक्ति (लघुनाटिका)	जगतरामआर्य	1910-1993 ऊना(हि.प्र.)			
17	कोंशिशकरनेंवालोंकी हारनहींहोंती (कविता)	सोंहनलालद्विवेंदी	1906-1988	एम.ए. एल.एल.बी.	भैरवी, वासवदत्ता, कुणाल, पूजागीत	

पाठ 01 - मातृभूमि (कविता) भगवतीचरण वर्मा

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1 कवि किसे प्रणाम कर रहे हैं?

उत्तर:- कवि मातृभूमि को प्रणाम कर रहे हैं।

2 भारत माता के हाथों में क्या हैं?

उत्तर:- भारत माता के एक हाथ में न्याय पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है।

3 आज माँ के साथ कौन हैं?

उत्तर:- आज माँ के साथ कोटि-कोटि लोग हैं।

4 सभी ओर क्या गूँज उठा है?

उत्तर:- सभी ओर जय हिन्द का नाद गूँज रहा है।

5 भारत माता के खेत कैसे हैं?

उत्तर:- भारत माता के खेत हरे भरे और सुहाने हैं।

6 भारत भूमि के अंदर क्या क्या भरा हुआ है?

उत्तर:- भारत भूमि के अंदर खनिज संपदा भरी हुई है।

7 सुख संपत्ति धन धाम को माँ कैसे बाँट रही है?

उत्तर:- सुख संपत्ति धन-धाम को माँ मुक्त हाथ से बाँट रही है।

8 जग के रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते हैं?

उत्तर:- जग के रूप को बदलने के लिए कवि भारत के असंख्य लोगों से निवेदन करते हैं।

9 जय हिन्द का नाद कहाँ-कहाँ गूँजना चाहिए?

उत्तर:- जय हिन्द का नाद सकल नगर और गाँव में गूँजना चाहिए।

10 मातृभूमि कविता में कवि की क्या झलक दिखायी देती है?

उत्तर:- मातृभूमि कविता में कवि की देशप्रेम की झलक दिखायी देती है।

11 भारत माता अपने उर में कौन-कौन सी विभूतियों को जन्म दिया है?

उत्तर:- भारत माता अपने उर में गाँधी,बुद्ध और राम जैसे महान विभूतियों को जन्म दिया है।

12 चित्रलेखा उपन्यास के उपन्यासकार का नाम क्या है?

उत्तर:- चित्रलेखा उपन्यास के उपन्यासकार श्री भगवतीचरण वर्मा है।

13 'भूले बिसरे चित्र' उपन्यास को कौन-सा पुरस्कार मिला है?

उत्तर:- 'भूले बिसरे चित्र' उपन्यास को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है।

14 श्री भगवतीचरण वर्मा इलाहाबाद विश्वविध्यालय से कौन-सी डिग्री(उपाधि) प्राप्त की?

उत्तर:-श्री भगवतीचरण वर्मा इलाहाबाद विश्वविध्यालय से बी.ए.एल.एल.बी की उपाधि प्राप्त की।

15 मातृभूमि कविता के कवि कौन है?

उत्तर:- मातृभूमि कविता के कवि भगावतीचरण वर्मा है।

16 कवि किसे शत-शत बार प्रणाम करना चाहते है?

उत्तर:- कवि भारतमाता को शत-शत बार प्रणाम करना चाहते है।

17 भारत माता किनकी जननी है ?

उत्तर:- भारत माता अमरों की जननी है ।

18 मातृभूमि के उर मे कौन-कौन शायित है?

उत्तर:- मातृभूमि के उर मे गांधी बुद्ध शायित है।

19 भारत के खेत कैसे है?

उत्तर:- भारत के खेत हरे -भरे है

20 भारत के वन - उपवन किनसे युत है?

उत्तर:- भारत के वन-उपवन फल-फूमों से युत है?

21 भारत माता के अंदर क्या है?

उत्तर:- भारत माता के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है?

22) भारत माता मुक्त हस्त से क्या बाँट रही है?

उत्तर:- भारतमाता मुक्त हस्त से सुख संपत्ति धन -धाम को बाँट रही है।

23 भारतमाता के हाथों के क्या है?

उत्तर:- भरतमाता के एक हाथ मे न्याय पताका है दूसरे हाथ मे ज्ञान का दीप है।

24) कवि किसका रूप बदलने के लिए भरतमाता से कहते है?

उत्तर:- कवि जग का रूप बदलने के लिए कहते है।

25 भारतमाता के साथ मे कौन-कौन है?

उत्तर:- भारतमाता के साथ मे कोटी कोटी भरतवासी है।

26 सकल नगर ग्राम मे क्या गूँज उठना चाहिए?

उत्तर:- सकल नगर ग्राम मे जय हंद का नाद गूँज उठना चाहिए?

27 जग का रूप बदलने के लिए कवि किससे कहते है?

उत्तर:- जग का रूप बदलने के लिए कवि भारत माता से कहते है।

28 मातृभूमि कविता मे कवि किसका वर्णन कर रहे है?

उत्तर:- मातृभूमि कविता मे कवि भारतमाता की वर्णन कर रहे है।

29 कवि मातृभूमि कविता के द्वारा कौनसा भाव जगाना चाहते है?

उत्तर:- कवि मातृभूमि कविता के द्वारा देश प्रेम का भाव जगाना चाहते है।

30 वर्माजी के किस उपन्यास पर दो बार फिल्म बना है?

उत्तर:- वर्माजी के चित्रलेखा उपन्यास पर दो बार फिल्म बना है।

31 वर्माजी ने किन पत्रिकाओं का संपादन किया?

उत्तर:- वर्माजी ने विचार और नवजीवम नामक पत्रिकाओं का संपादन किया।

32 वर्माजी के किस उपन्यास साहित्य अकाडमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है?

उत्तर:- वर्माजी के 'भूले-बिसरे चित्र' उपन्यास को साहिस्त्य अकाडेमी पुरस्कार प्राप्त है।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 भारत माँ का प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उत्तर:- कवि भगवतीचरण वर्मा जी अपनी कविता 'मातृभूमि' में भारतदेश की प्राकृतिक सौंदर्य , विशेषता और खूबी को दर्शाया है । वे लिखते हैं कि मात्रुभूमि सालभर हरियाली से लहराती है । यहाँ की सारी नदियाँ साल भर बहने के कारण हर ऋतु में फल–फूल उगते हैं । भरत भूमि सिर्फ़ सुंदर ही नहीं उसके अंदर खनिजों का अपार भंडार भरा हुआ है, और हम सबको मुक्त – हस्त से बाँट रही है । इस तरह कवि प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन किए हैं ।

2 मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?

उत्तर:- कवि भगवतीचरण वर्मा जी अपनी कविता 'मातृभूमि' में भारतमाता की अखण्डता को दर्शाते हुए लिखते हैं कि भारत माँ सारे जग का रूप को बदलने के लिए न्याय रूपी पताका और ज्ञान रूपी दीप लिए खड़ी हैं, जय हिन्द का नाद सकल नगर और ग्राम में गूँज रही है | इस प्रकार मातृभूमि का स्वरूप सुशोभित होगा ।

****

पाठ - 2 कश्मीरी सेब (कहानी) : मुंशी प्रेमचंद

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

01 पहले हलवा कौन खाते थे?

उत्तर :– पहले हलवा अमीर लोग ही खाते थे।

02 गाजर को मेजों पर स्थान क्यों मिला है?

उत्तर :– गाजर मे बहुत विटामिन हैं; इसलिए मेजों पर स्थान मिला है।

03 रोज़ एक सेब खाने से किनकी ज़रूरत नहीं रहेगी?

उत्तर :– रोज़ एक सेब खाने से डाक्टरों की ज़रूरत नही रहेगी ।

04 डाक्टर से बचने के लिए हम क्या करने के लिए तैयार रहते हैं?

उत्तर :– डाक्टर से बचने के लिए हम निमकौड़ी तक खाने के लिए तैयार रहते हैं।

05 स्वाद में सेब किससे बढ़कर नहीं है?

उत्तर :– स्वाद मे सेब आम से बढ़कर नहीं है।

06 फल खाने का समय कब है?

उत्तर :– फल खाने का समय प्रातःकाल है।

07 आदमी कब बेईमानी करता है?

उत्तर :– जब उसे अवसर मिलता है तब आदमी बेईमानी करता है।

08 किस नाम से सेब बेचे जाते हैं?

उत्तर :– कश्मीरी के नाम से सेब बेचे जाते हैं।

09 लेखक से खारीदे गये सेब कैसे थे?

उत्तर :– लेखक से खरीदे गये सेब सडे हुए थे।

10 लौंडा कितने सेब लाया?

उत्तर :– लौंडा चार सेब लाया।

11 पहला सेब कैसा था?

उत्तर :– पहला सेब सड़ा हुआ था। एक रूपए के आकार का छिलका गल गया थ।

12 दूसरा सेब कैसा था?

उत्तर :– दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था।

13 तीसरा सेब कैसा था?

उत्तर :– तीसरा सेब एक तरफ दबकर पिचक गया था।

14 चौथा सेब कैसा था?

उत्तर :– चौथा सेब बेदाग था। उसमें एक काला सुराख था।

15 कश्मीरी सेब पाठ के लेखक का नाम क्या है?

उत्तर :– कश्मीरी सेब पाठ के लेखक का नाम प्रेमचंद है।

16 प्रेमचंदजी का वास्तविक नाम क्या है?

उत्तर :– प्रेमचंदजी का वास्तविक नाम धनपतराय है।

17 प्रेमचंदजी का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उत्तर :– प्रेमचंदजी का जन्म सन ३१ जुलाई १८८० में वारणासी के लमही में हुआ।

18 प्रेमचंदजी के कहानियों का संग्रह किस नाम से संकलित है?

उत्तर :– प्रेमचंदजी के कहानियों का संग्रह " मानसरोवर " नाम से संकलित है।

19 बचपन में प्रेमचन्द जी का जीवन किससे वंचित रहा?

उत्तर :– बचपन में प्रेमचन्द जी का जीवन मातृप्रेम से वंचित रहा।

20 आदमी बेईमान कब बनता है?

उत्तर :– आदमी बेईमानी तभी करता है जब उसे अवसर मिलता है।

21 मुहर्रम के मेले में प्रेमचन्दजी ने क्या खरीदी?

उत्तर :– मुहर्रम के मेले में प्रेमचन्दजी ने रेवडियाँ खरीदी।

22 दुकानदार ने किससे क्षमा माँगी?

उत्तर :– दुकानदार ने प्रेमचन्द से क्षमा माँगी।

23 आजकल लोग किन पर विश्वास नहीं करते?

उत्तर :– आजकल लोग पढ़े-लिखे बाबुओं और कर्मचारियों पर कोई विश्वास नहीं करते।

24 प्रेमचन्द को चौक में किन मेवाफरोशों की दुकानें दिखाई दी?

उत्तर :– प्रेमचन्द को चौक में पंजाबी मेवाफरोशों की दुकानें दिखाई दी।

दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

01 आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है?

उत्तर:–आजकल शिक्षित समाज में विटामिन और प्रोटीन शब्दों के बारे में विचार किया जाता है।

02 दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा?

उत्तर :– दुकानदार ने अपने नौकर से कहा कि "सुनो आधा सेर कश्मीरी सेब निकाल ला,चुनकर लाना।"

03 दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?

उत्तर :– दुकानदार ने लेखक से कहा कि बाबूजी बडे मजेदार सेब आये हैं, खास कश्मीर से, आप ले जाइए खाकर तबीयत खुश हो जाएगी।

04 सेब की हालत के बारे में लिखिए।

उत्तर :– पहला सेब सड़कर एक रुपए के आकार का छिलका गला हुआ था। दूसरा सेब आधा सडा हुआ था। तीसरा सेब एक तरफ दबकर पिचक गया था और चौथा सेब में काला सुराख था, जैसे बेरों में होता है।

05 दुकानदार को रुमाल देते हुए लेखक ने क्या कहा?

उत्तर :– दुकानदार को रुमाल देते हुए लेखक ने कहा कि सेब को चुन चुनकर रखना।

06 कश्मीरी सेब पाठ में प्रेमचन्द जी का संदेश क्या है?

उत्तर :– कश्मीरी सेब पाठ में पाठकों के लिए संदेश है कि खरीदारी करते समय सावधानी बरतें, नहीं तो धोखा खाने की संभावना होती है।

07 कश्मीरी सेब पाठ से आपको क्या सीख मिलती है?

उत्तर :– दुकानदार से सामान खरीदते समय हमें सावधानी रखनी चाहिए। हमारी उपेक्षा से धोखा होने की संभावना रहती है।

तीन-चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

01 सेब की हालत देखकर लेखक ने दुकानदार के बारे में क्या सोचने लगे ?

उत्तर :– लेखक ने जब लिफाफे से सेब निकाला तो वह सडा हुआ निकला। लेखक ने सोचा शायद दुकानदार ने देखा न होगा। दूसरा सेब निकाला वह भी सडा हुआ था। तीसरा और चौथा सेब भी वैसा ही निकला। लेखक को लगा कि चार आने पैसों का इतना गम न हुआ, जितना समाज के चारित्रिक पतन का।

02 मुहर्रम के मेले में लेखक का क्या अनुभव था ?

उत्तर :– एक बार लेखक मुहर्रम के मेले में एक पैसे की रेवडियाँ खरीदी, पैसे के बदले अठन्नी दे आये थे। घर आकर उन्हें अपनी भूल मालूम हुई तो वह दुकानदार के पास दौड आये। दुकानदार ने प्रसन्नचित्त से अठन्नी लौटा दी और उल्टे लेखक से क्षमा माँगी।

03 लेखक को दुकानदार ने किस तरह से धोखेबाजी की ?

उत्तर :– लेखक ने दुकानदार की बातें सुनकर उसके हाथ में रुमाल रख दिया मानो उसे धोखा देने की प्रेरणा थी। उसने भाँप लिया कि यह महाशय अपनी आँखों से काम लेनेवाले जीव नहीं है और न इतने चौकस है कि घर से लौट आएँ। आदमी तभी बेईमानी करता है जब उसे अवसर मिलता है।

04 प्रेमचन्द को कैसे पता चला कि दुकानदार ने जानबूझकर उनको धोखा दिया है ?

उत्तर :– लेखक सोचने लगे कि एक सेब सडा हुआ होता तो दुकानदार को क्षमा के योग्य समझते। सोचते उसकी निगाह न पड़ी होगी। मगर चारों के चारों खराब निकल जाएँ यह तो साफ धोखा है। वह समझ गये कि दुकानदार ने जानबूझकर उनको धोखा दिया है।

05 सेब की हालत के बारे में लिखिए ।

उत्तर :– लेखक मेवाफरोशों की दूकान में रंगदार सेबों से आकर्षित होकर आध सेर सेब खरीदकर घर लौटते हैं । जब प्रातः काल खाने के लिए सेब निकालते हैं तब पहला तो सड़ा हुआ था । एक रुपये के आकार का छिलका गल गया था । दूकानदार ने अनजाने में दिया समझकर दूसरा निकालते हैं । दूसरा निकाला तो वह आधा सड़ा हुआ था । दूकानदार पर संदेह करते हुए . . . . , तीसरा सेब निकालते हैं तो वह सड़ा तो नहीं था पर एक तरफ दबकर बिलकुल पिचक गया था । चौथा सेब तो बेदाग था ; मगर उसमें एक काला सुराख था जैसे अक्सर बेरों में होता है । चारों के चारों खाने लायक नहीं थे ।

06 लेखक जी को रेवड़ी की दूकान में हुए अनुभव के बारे में लिखिए ।

उत्तर :– रेवड़ियों दूकान में लेखक जी का अनुभव अच्छा था । जब लेखक जी मुहर्रम के मेले में एक दूकानदार से एक पैसे की रेवड़ियाँ ली थीं और एक पैसे की जगह आठन्नी दे आये थे । भूल मालूम होते ही दूकानदार के पास आए, आशा नहीं थी कि वह अठन्नी लौटाएगा, पर उसने प्रसन्नचित्त से अठन्नी लौटा दी और उल्टे लेखक से क्षमा माँगी ।

लेखक जी कहते हैं कि "पहले तो व्यापारियों की साख बनी हुई थी । यों तौल में चाहे छटाँक–आध छटाँक कस लें; लेकिन आप उन्हें पाँच की जगह भूल से दस के नोट दे आते, तो आपको घबराने की कोई ज़रूरत न थी । आपके रुपए सुरक्षित थे ।"

****

पाठ - 3. गिल्लू (रेखाचित्र) : महादेवी वर्मा

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :–

01 लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है ?

उत्तर :– लेखिका ने कौए को विचित्र पक्षी कहा है, क्योंकि वे एक साथ समादरित, अनादरित, अति सम्मानित, अति अवमानित होता है।

02 गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था ?

उत्तर :– गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार के बीच पड़ा था।

03 लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?

उत्तर :– लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

04 वर्माजी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थी ?

उत्तर :– वर्माजी गिलहरी को गिल्लू के नाम से पुकरती थी।

05 गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद था ?

उत्तर :– गिलहरी का लघु गात लिफाफे के अंदर बंद रहता था।

06 गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था ?

उत्तर :– गिलहरी का प्रिय खाद्य काजू था।

07 लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा ?

उत्तर :– लेखिका को अस्पताल में एक मोटर दुर्घटना में आहत होने के कारण रहना पड़ा।

08 गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?

उत्तर :– गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

09 गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है ?

उत्तर :– गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष की होती है।

10 गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?

उत्तर :– गिलहरी की समाधि सोनजुही लता के नीचे बनायी गयी है।

11 महादेवी वर्माजी को क्या कहा जाता था ?

उत्तर :– महादेवी वर्माजी को आधुनिक मीरा कहा जाता था।

12 महादेवी वर्माजी को कौन–कौन से पुरस्कार प्राप्त हुए हैं ?

उत्तर :– महादेवी वर्माजी को सक्सेरिया, मागल प्रसाद द्विवेदी पदक और ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

13 लेखिका ने गिल्लू के लिए घोंसला किसका बनाया? और कहाँ रखा ?

उत्तर :– लेखिका ने गिल्लू के लिए घोंसला एक फूल रखनेवाली हल्की डलिया से बनाया और उसमें रुई बिछाकर तार से खिड़की पर लटका दिया।

14 भूख लगने पर गिल्लू लेखिका को कैसे सूचना देता था ?

उत्तर :– भूख लगने पर गिल्लू लेखिका को चिक चिक करके सूचना देता था।

15 लेखिका की अस्वस्थता के समय गिल्लू कहाँ बैठा रहता था ?

उत्तर :– लेखिका की अस्वस्थता कवर्मा जी के सिर और बालों को हौले हौले सहलाता रहता

16 गिल्लू पाठ के लेखिका कौन है ?

उत्तर :– गिल्लू पाठ के लेखिका महादेवी वर्माजी है।

17 महादेवी वर्माजी को क्या कहा जाता है ?

उत्तर :– महादेवी वर्माजी को आधुनिक मीरा कहा जाता् है ।

18 काक पुराण मे किस पक्षी को गुरू के रूप मे स्वीकार करते है ?

उत्तर :– काक पुराण मे कौए को गुरू मे रूप मे स्वीकार करते है।

19 महादेवी वर्मा के किस रचना के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

उत्तर :– महादेवी वर्मा के यामा रचना के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है।

20 गिल्लू किस प्रकार की रचना है ?

उत्तर :– गिल्लू एक रेखाचित्र रचना है।

21 गिल्लू पाठ से क्या सीख मिलती है ?

उत्तर :– गिल्लू पाठ से प्राणी दया की सीख मिलती है।

22 लेखिका ने किसे विचित्र पक्षी कहा है ?

उत्तर :– लेखिका ने कौए को विचित्र पक्षी कहा है।

23 कौए कौन-सा खेल खेल रहे थे ?

उत्तर :– कौए छुआ–छुऔवल का खेल खेल रहे थे।

24 लेखिका गिलहरी को किस नाम से बुलाती थी ?

उत्तर :– लेखिका गिलहरी को गिल्लू नाम से बुलाती थी।

25 गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था ?

उत्तर :– गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में पड़ा था।

26 लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?

उत्तर :– लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

27 कितने महीने में गिल्लू सबको विस्मित करने लगा ?

उत्तर :– तीन–चार महीनों में गिल्लू सबको विस्मित करने लगा।

28 गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है ?

उत्तर :– उत्तर: गिलहरी की जीवनावधि सामान्यतया दो वर्ष होती है।

29 गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था ?

उत्तर :– गिलहरी का लघु गात लिफ़ाफ़े के भीतर बंद रहता था।

30 गिल्लू लेखिका के क्रियाकलाप को कैसे देखा करता था ?

उत्तर :– गिल्लू लेखिका के क्रिया कलाप को चमकीली आँखों से देखा करता था।

31 लेखिका ने गिल्लू को कष्ट से क्या सिखाया ?

उत्तर :– लेखिका ने बडे कष्ट से गिल्लू को थाली के पास बैठना सिखाया।

32 गिल्लू का प्रिय खाद्य क्या था ?

उत्तर :– गिल्लू का प्रिय खाद्य काजू था।

33 लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा ?

उत्तर :– मोटर-दुर्घटना के कारण लेखिका को अस्पताल में रहना पड़ा।

34 गिलहरी गर्मी के दिन कहाँ लेट जाता था ?

उत्तर :– गिलहरी गर्मी के दिन सुराही पर लेट जाता था।

35 गिल्लू की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?

उत्तर :– सोनजुही लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनायी गयी है।

36 सोनजुही का रंग कौन-सा है ?

उत्तर :– सोनजुही का रंग पीला है।

37 गिल्लू सबको कैसे विस्मित करने लगा ?

उत्तर :– गिल्लू अपने झब्बेदार पूँछ और चंचल चमकीली आँखों से सबको विस्मित करने लगा।

दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:-

01 लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी ?

उत्तर :– लेखिका को गिलहरी कौओं की चोंच से घायल निश्चेष्ट, अस्वस्थ, दीवार और गमले के बीच में पड़ा दिखायी पड़ी।

02 लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?

उत्तर :– लेखिका ने घायल गिल्लू को धीरे से उठाकर अपने कमरे में लायी फिर रुई से रक्त पोंचकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया। इस तरह लेखिका ने गिल्लू के प्राण बचाये।

03 लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

उत्तर :– लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैरों के पास आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता था और उसी तेजी से नीचे उतर जाता था।

04 वर्मा जी को चौंकाने के लिए गिल्लू कहाँ-कहाँ छिप जाता था ?

उत्तर :– महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कभी फूलदान के फूलों में, परदे की चुन्नट में और सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

05 गिल्लू लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बितायें ?

उत्तर :– लेखिका को मोटर दुर्घटना में कुछ दिनों तक अस्पताल में रहना पड़ा। उन दिनों जब कोई लेखिका का कमरा खोलता था, तब गिल्लू अपने झूले से उतरकर दौड़ता। अनजान
व्यक्ति को देखकर तुरंत अपने घोंसले में जा बैठता था।

06 लेखिका ने गिल्लू को मुक्त करना आवश्यक समझा।क्यों ?

उत्तर :– गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया। बाहर की गिलहरियाँ खिड़की के पास आकर चिक-चिक करती थीं। गिल्लू जाली के पास बैठा बाहर देखता रहता था। इसलिए लेखिका ने गिल्लू को मुक्त करना आवश्यक समझा। उन्होंने कीलें निकालकर जाली का कोना खोल दिया और गिल्लू बाहर जाने पर मुक्ति की साँस ली।

07 महादेवी वर्माजी को क्या संतोष देता था ?

उत्तर :– सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि थी। उसे वह लता बहुत अधिक प्रिय थी। उस छोटे शरीर को किसी वासंती दिन जूही के पीले फूल के रूप में खिलने के विश्वास से महादेवी वर्माजी को संतोष देता था।

08 काकभुशुण्डि के बारे में महादेवी वर्माजी का क्या कथन था ? अथवा
काकभुशुण्डि के बारे में आप क्या जानते हैं ? अथवा
काकभुशुण्डि किस पक्षी को कहा जाता है ? पुराण कथा में उसे कैसे स्वीकार किया है ?

उत्तर :– पुराण कथाओं में कौए को पक्षियों के गुरु के रूप में स्वीकार किया गया है। काकभुशुण्डि को कौए के नाम से जानते हैं। काकभूशुण्डि सभी जगह एक साथ रहते हुए समान रूप से समादरित, अनादरित, अति सम्मानित, अति अवमानित होते हैं। हमारे पुरखे पितृपक्ष में कुछ पाने के लिए काक के रूप में अवतरित होते हैं। किसीके आने की सूचना भी अपने कर्कश स्वर में देते हैं।

पाँच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

01 गिल्लू के क्रिया कलाप के बारे में लिखिए।

उत्तर :– गिल्लू अपने घर में झूलता रहता था। लेखिका जब भी कुछ लिखने बैठती उन्हें आकर्षित करने के लिए उनके पैरों के पास आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता था। उन्हें चौंकाने के लिए फूलदान के फूलों में, सोनजुही की पत्तियों में, परदे की चुन्नट में छिप जाता था।

02 लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया ?

उत्तर :– लेखिका जैसे ही खाने के कमरे में खाना खाने जाती, गिलहरी खिड़की से निकलकर आँगन की दीवार, बरामदा पार करते हुए मेज़ पर पहुँच जाता था। वह उनकी थाली में बैठ जाना चाहता था। लेखिका ने उसे थाली के पास बैठना सिखाया। थाली में से एक-एक चावल उठाकर खाना भी सिखाया।

03 गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए।

उत्तर :– गिलहरियों की जीवन अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती। अतः गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया। उस दिन गिल्लू सुबह से न कुछ खाया न बाहर गया। उसके पंजे ठंडे हो गए। लेखिका ने उसे गरम रखने का प्रयत्न किया। प्रभात की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया।

04 गिल्लू के प्रति महादेवी वर्माजी की ममता/वात्सल्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर :– लेखिका को पशु-पक्षियों से अत्यंत प्रेम था। गिल्लू की जान बचाकर लेखिका ने उसे पाला था। उसके प्रति विशेष लगाव था। अन्य गिलहरियों के साथ मिलजुलकर रहने का अवसर दिया। उसकी देखभाल दो वर्ष तक की थी। उसे थाली के पास बिठाकर खाना सिखाया। इस तरह गिल्लू के प्रति ममता/वात्सल्य/लगाव देख सकते हैं।

05 गिल्लू के कार्य–कलाप के बारे में लिखिए ।

उत्तर :– गिल्लू घर में सबका दुलारा था । उसके हर कार्य के प्रति घर के सब लोग आनंदित होते थे । खास कर लेखिका महादेवी वर्मा जी। लेखिका जब लिखने बैठती तो गिल्लू उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिक उसे पकड़ने के लिए न उठती । लेखिका के सामने एक लंबे लिफ़ाफ़े में अपना सिर और पंजों को बाहर कर घंटों तक बैठता। कभी–क्भी लेखिका को चौंकाने के लिए फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में । ऐसे घर में हमेशा कुछ न कुछ करता रहता था ।

06 गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :– गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती, अतः गिल्लू की जीवन–यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न वह बाहर गया । पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उष्णता देने का प्रयत्न किया । परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया ।

07 गिल्लू पाठ का आशय क्या है ?

उत्तर :– कौन कह सकता है कि पशु–पक्षी भावहीन प्राणी हैं ? वे भी हमारी तरह कभी–कभी हमसे भी अधिक भावानुकूल, विचारवान और सहृदय व्यवहार करते हैं । महादेवी वर्मा ने एक छोटा–सा जीव, गिलहरी के बच्चे का रेखांकन कर प्राणी–जगत की मानव–सहज जीवन शैली का प्रभावशाली चित्रण किया है। आज के संदर्भ में जहाँ मानव के स्वार्थ के कारण पशु–पक्षी की जातियाँ लुप्त होती जा रही हैं, वहाँ महादेवी वर्मा जी का यह 'संस्मरण' उनकी रक्षा करने और उनके प्रति प्रेमभाव जगाने की दिशा में एक सार्थक प्रयत्न सिद्ध होता है ।

****

पाठ - 4 अभिनव मनुष्य (कविता) : रामधारीसिंह 'दिनकर'

01 अभिनव मनुष्य कविता के कवि कौन है ?

उत्तर:- अभिनव मनुष्य कविता के कवि रामदारी सिंह दिनकर जी है।

02 आज की दुनिया कैसी है?

उत्तर:- आज की दुनिया विचित्र और नवीन है।

06 मनुषय ने किस पर विजय पायी है?

उत्तर:- मनुषय ने प्रकृति पर विजय पायी है।

04 मनुष्य के करों में कौन बंधे है?

उत्तर:- मनुषय के करों में वारी, विध्युत और भाप बंधे है।

05 मनुष्य के हुक्म पर कौन उतरता- चढता है?

उत्तर:- मनुष्य के हुक्म पर पवन का ताप उतरता- चढता है।

06 मनुषय एक समान किस-किस को लाँघ सकता है?

उत्तर:- मनुष्य सरिता गिरि और सिंधु को एक समान लाँघ सकता है।

07 मनुज का यान कहाँ जा रहा है?

उत्तर:- मनुज का यान गगन मे जा रहा है।

08 परमाणु किसे देखकर काँपते है?

उत्तर:- परमाणु मनुज के करों को देखकर काँपते है।

09 सृष्टि का श्रृंगार कौन है?

उत्तर:- सृष्टि का श्रृंगार मानव ।

10 मनुष्य किन -किन का आगर है?

उत्तर:- मनुषय ज्ञान विज्ञान और आलोक का आगर है।

11 आधुनिक मानव को किस किस का ज्ञेय है?

उत्तर:- आधुनिक मानाव को व्योम से पाताल तक का ज्ञेय है।

12 आधुनिक मनुषय ने किसे नही पहचाना है?

उत्तर:- आधुनिक मनुज ने स्वयं को नही पहचाना है।

13 मानव की सिद्धि क्या थै?

उत्तर:- मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धी है।

14 मनुषय आपसी दूरी को कैसे मिटा सकता है?

उत्तर:- मानव मानव के बीच का रिश्ता जोडकर आपसी दूरी को मिटा सकता है।

15. अभिनव मनुषय कविता को किससे लिया गया है?

उत्तर:- अभिनव मनुष्य कवित को कुरूक्षेत्र के षष्ठ सर्ग से लिया गया है।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

01 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन'– इस पंक्ति का आशय समझाइए।

उत्तर:- 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन'– इस पंक्ति का आशय है कि मानव भूमि पर रहकर ही पानी विद्युत, हवा आदि को अपने हाथों में रख लिया है। जैसा चाहता है वैसा उसका उपयोग कर सकता है। वैज्ञानिकता में उन्नति के कारण उसकी कल्पना आसमान की ऊँचाई तक पहुँची है।

02 दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है?

उत्तर:- दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय यह है कि मानव- मानव के बीच स्नेह,दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपसी दूरी को मिठाता है वही मानव कहलाने का अधिकारी है | यही मानव का सही परिचय है |

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए तीन - चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :

01 अभिनव मनुष्य कविता का आशय क्या है ? अथवा अभिनव मनुष्य कविता में कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

उत्तर:- कवि श्री रामधारीसिंह 'दिनकर' जी अपनी कविता 'अभिनव मनुष्य' में आधुनिक मानव के बारे में सबकी सोच बदल दी हैं ।

इस पद्यभाग में वैज्ञानिक युग और आधुनिक मानव का विश्लेषण हुआ है । कवि दिनकर जी इस कविता के द्वारा यह संदेश देना चाहते हैं कि आज के मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्रप्त कर ली है । परंतु कैसी विड़ंबना है कि उसने स्वयं को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नहीं समझा । प्रकृति पर विजय प्राप्त करना मनुष्य की साधना है, मानव–मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधना मानव की सिद्धि है । जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए, वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा ।

02 प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' – इस पंक्ति का आशय समझाइए ।

उत्तर:- कवि रामधारीसिंह दिनकर जी अपनी कविता 'अभिनव मनुष्य' में मानव के हर साधाना का प्रशंसा की है । आज का मानव हवा से भी तेज़, परमाणू से भी शक्तिशाली बन गया है । इसकी हर एक योजना आश्चर्य चकित करने वाली है । मानव के हुक्म पर ही पंच भूत (पानी, वायु, भूमि, आकाश और तेज़ (सूर्य)) नाचते हैं ।

आधुनिक मानव इतनी तेज़ बन गया है कि क्षण भर में गिरि–पर्वतों को, सागर–समुंदरों पार कर सकता है । इसकी सोच प्रकाश से भी तेज़ है पाताल से लेकर गगन तक यान करने में सक्षम बन गया है । अब मनुष्य हर ज्ञान, विज्ञान का, आलोक का आगार बन गया है । इसी लिए कवि आधुनिक मानव को सृष्टि का श्रृंगार कहा है । इस तरह मानव सारे प्रकृति में छा गया है ।

03 दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्या है ?

उत्तर:- कवि रामधारीसिंह दिनकर जी अपनी कविता 'अभिनव मनुष्य' में आधुनिक मानव की पहचान के बारे में आलोचना की है । वे लिखते हैं कि आज का मानव ज्ञान,विज्ञान का आगार है । प्रकृति के हर तत्व पर विजय हासिल किया है, लेकिन आपसी प्रेम को भूल गया है |

जो स्वयं को पहचानकर भाईचारे की भावना से एक दूसरे को देखता हो, मानव–मानव के बीच स्नेह, प्यार का बाँध बाँधता है, जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाता है तथा सबको अपनाते हुए सहकारिता के साथ जीवन बिताएँ वही मानव कहलाने का अधिकारी है । यही मानव का सही परिचय है ।

****

पाठ - 5 मेरा बचपन (आत्मकथा) : डा.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

01 अब्दुल कलाम जी का जन्म कहाँ हुआ?

उत्तर :– अब्दुल कलाम जी का जन्म मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के रामेश्वरम् में हुआ।

02 अब्दुल कलाम के माता–पिता कौन थे?

उत्तर :– अब्दुल कलाम के पिता जैनुलाबदीन और माता आशियम्मा थे |

03 अब्दुल कलाम दिखने में कैसे थे?

उत्तर :– अब्दुल कलाम छोटी कद-काठी का, साधारण-से दिखनेवाले थे |

04 अब्दुल कलाम के पिता कैसे थे?

उत्तर :– अब्दुल कलाम के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे।

05 अब्दुल कलाम का बचपन कैसे बीता?

उत्तर :– अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी से बीता।

06 रामेश्वरम में किसका मंदिर है?

उत्तर :– रामेश्वरम में शिव का मंदिर है।

07 कलाम के पिता के अभिन्न मित्र कौन थे?

उत्तर :– कलाम के पिता के अभिन्न मित्र पक्षी लक्ष्मण शास्त्री थे।

08 जैनुलाबदीन कौन-सा काम करते थे?

उत्तर :– जैनुलाबदीन नौकाएँ बनाने का काम करते थे।

09 कलाम जी की पहली बहन का नाम क्या है?

उत्तर :– कलाम जी की पहली बहन का नाम जोहरा है।

10 जोहरा का विवाह किनसे हुआ?

उत्तर :– जोहरा का विवाह जलालुद्दीन के साथ हुआ।

11 कलाम के अंतरंग मित्र कौन थे?

उत्तर :– कलाम के अंतरंग मित्र जलालुद्दीन थे।

12 कलाम और जलालुद्दीन किस विषय पर बातें करते थे?

उत्तर :– कलाम और जलालुद्दीन आध्यात्मिक विषय पर बातें करते थे ।

13 कलाम के बचपन मे दुर्लभ वस्तु क्या थी?

उत्तर :– कलाम के बचपन मे दुर्लभ वस्तु पुस्तकें थीं ।

14 एस.टी.आर. मानिकम कौन थे?

उत्तर :– एस.टी.आर. मानिकम उग्र राष्ट्रवादी थे।

15 कलाम जी के चचेरे भाई का नाम क्या था?

उत्तर :– कलाम जी के चचेरे भाई का नाम शम्सुद्दीन था।

16 अब्दुल कलाम के पक्के दोस्त कौन थे?

उत्तर :– रामानंद शास्त्री, अरविंदन और शिवप्रकाश अब्दुल कलाम के पक्के दोस्त थे।

17 अब्दुल कलाम बचपन में किस घर में रहते थे?

उत्तर :– अब्दुल कलाम बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

18 अब्दुल कलाम किस नाम से भारतीयों के हृदय में बसे है?

उत्तर :–: अब्दुल कलाम जनवादी राष्ट्रपति के नाम से भारतीयों के हृदय में बसे है।

19 ए.पी.जे. का विस्तृत रूप क्या है?

उत्तर :– अउल फकीर जैनुलाबदीन है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

01 अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए ।

उत्तर :– अब्दुल कलामजी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी ऐशो आरामवाली चीज़ों से दूर रहते थे। पर घर में सभी आवश्यक चीज़े समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं । इस प्रकार अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता ।

02 आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या–क्या देती थी ?

उत्तर :– आशियम्माजी अब्दुल कलामजी के सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित स्वादिष्ट सांबार डालती , साथ में घर में बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी होती ।

02 जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?

उत्तर :– जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते है कि "जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांडका एक हिस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म–पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।"

03 जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया ?

उत्तर :– अब्दुल कलामजी के पिताजी जैनुलाबदीन स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए:-

01 कलाम जी को अपने जीवन में किन–किन से प्रेरणा मिलती है ? कैसे ?

उत्तर :– अब्दुल कलाम जी ने अपनी जीवनी में हर एक का नाम लिया गया है , जिनसे वे प्रभावित हुए हैं । पहले अपने पिता जैनुलाबदीन और माँ आशियम्मा से सादगी की प्रेरणा मिलती है ।

अहमद जलालुद्दीन और कलाम जी के बीच उम्र में काफी फर्क होने पर भी वे दोनों अंतरंग मित्र बन गये थे । वे इनसे अत्यंत प्रभावित हुए थे। वे इनको एक सीमित दायरे से बाहर निकालकर नई दुनिया का बोध कराया । जलालुद्दीन अंग्रेज़ी जानते थे। वे कलाम जी के साथ शिक्षित व्यक्तियों, वैज्ञानिक खोजों, समकालीन साहित्य और चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बारे में बताया करते थे । एक पूर्व क्रांतिकारी एस.टी.आर .मानिकम द्वारा पुस्तक पढ़ना , अपने चचेरे भाई शम्सुद्दीन के साथ समाचार पत्रों को बेचना तथा पढ़ना और अपने दोस्त रामानंद शास्त्री, अरविंदन और शिवप्रकाश से धर्म सहिष्णुता सीखते हैं ।

02 शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?

उत्तर :– शम्सुद्दीन कलाम जी के चचेरे भाई थे । वह रामेश्वरम् में अखबारों के एकमात्र वितरक थे। अखबार रामेश्वरम् स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी । इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे। रामेश्वरम् में अखबारों की जुमला एक हज़ार प्रतियाँ बिकती थीं।

03 "मेरा बचपन" पाठ का आशय क्या है?

उत्तर :– भारत के राष्ट्रपति कलाम जी का जीवन सादगी का मिसाल था। उनके माता-पिता का परिश्रम, आडंबरहीन जीवन सबके लिए आदर्शप्राय है। उनका परिवार अतिथियों की सेवा से संतृप्त था। उनका परिवार धार्मिक एकता को मानता था। चैतन्यशील, बहुमुखी व्यक्तित्व निर्माण के लिए ऐसे आदर्श व्यक्तियों की जीवनी एक आदर्श बनी है।

****

पाठ - 6. बसंत की सच्चाई (एकांकी) : विष्णु प्रभाकर

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

01 बसंत की सच्चाई कैसी रचना है?

उत्तर :– बसंत की सच्चाई एकांकी है।

02 डाक्टर का नाम क्या था?

उत्तर :– डाक्टर का नाम वर्मा था।

03 अमर सिंह कौन था?

उत्तर :– अमर सिंह राजकिशोर का नौकर था।

04 प्रताप कौन था?

उत्तर :– प्रताप बसंत का भाई था।

05 पंडित राजकिशोर कौन थे?

उत्तर: पंडित राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

06 छलनी का दाम क्या था?

उत्तर :– छलनी का दाम दो आना था।

07 पंडित राजकिशोर कहाँ रहते थे?

उत्तर :– पंडित राजकिशोर किशनगंज में रहते थे।

08 प्रताप और बसंत कहाँ रहते थे?

उत्तर :– प्रताप और बसंत भीखू अहीर के घर में रहते थे।

09 भीखू अहीर का घर कहाँ था?

उत्तर :– भीखू अहीर का घर अहीर टीले में था।

10 मजदूरों के नेता कौन थे?

उत्तर :– पं राजकिशोर मजदूरों के नेता थे।

11 बसंत में निहित दुर्लभ गुण कौन-सा था?

उत्तर :– बसंत में निहित दुर्लभ गुण ईमानदारी था।

12 बसंत की आयु कितनी थी?

उत्तर :– बसंत की आयु बारह वर्ष थी।

13 बसंत के घर पर डाक्टर को कौन लाता है?

उत्तर :– पं.राजकिशोर का नौकर अमर सिंह लाता है।

14 "बसंत की सच्चाई" एकांकी में कितने दृश्य हैं?

उत्तर :– "बसंत की सच्चाई" एकांकी में तीन दृश्य हैं।

15 एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है?

उत्तर :– बाज़ार में एकांकी का प्रथम दृश्य घटता है।

16 एकांकी का दूसरा दृश्य कहाँ घटता है?

उत्तर :– एकांकी का दूसरा दृश्य किशनगंज में घटता है।

17 बसंत क्या–क्या बेचा करता था?

उत्तर :– बसंत बटन, छलनी, दियासलाई आदि बेचा करता था।

18 बसंत राजकिशोर से दिये गये दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

उत्तर :– भीख समझकर बसंत राजकिशोर से दिये गये दो पैसे लेने से इनकार करता है।

19 बसंत की सच्चाई पाठ से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर :– बसंत की सच्चाई पाठ से हमें ईमानदारी की सीख मिलती है।

20 बसंत पं.राजकिशोर जी के पैसे क्यों नहीं लौटा सका?

उत्तर :– मोटर दुर्घटना के कारण बसंत पं.राजकिशोर जी के पैसे नहीं लौटा सका।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

01 छलनी से क्या–क्या कर सकते हैं?

उत्तर :– छलनी से दूध, चाय, कॉफी छान सकते हैं।

02 बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता हैं?

उत्तर :– बसंत राजकिशोर से यह विनती करता है कि "साहब! छलनी लीजिए, बटन देशी है और दियासलाई लीजिए। साहब! एक तो ले लीजिए।"

03 बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

उत्तर :– बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार इसलिए करता है कि वह उसे भीख समझता था,भीख माँगकर जीने की आशा नहीं थी।

04 बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा?

उत्तर :– बसंत राजकिशोर के पास इसलिए नहीं लौटा कि भुना लाते समय मोटर के नीचे उसके दोनों पैर कुचले गए।

05 प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया?

उत्तर :– प्रताप राजकिशोर के घर इसलिए आया कि उसका भाई बसंत ने उन्हें छलनी बेची थी। वह बसंत के कहने पर राजकिशोरजी के साढ़े चौदह आने लौटाने आया था।

06 बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया?

उत्तर :– बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए इस तरह प्रेरित किया– "साहब! सुबह से कुछ नहीं बिका, आपसे आशा थी। साहब एक तो लीजिए।"

07 बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा?

उत्तर :– बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने कहा–ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है। स्क्रीन करके देखना होगा। दूसरा पैर ठीक है। इसे अभी अस्पताल ले जाना होगा।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए:-

01 बसंत एक ईमानदार लड़का है । कैसे ?

उत्तर :– बसंत एक गरीब शरणार्थी लड़का है । उम्र मात्र बारह साल । पर वह परिश्रम से पैसा कमाना चाहता था । एक शहरी बाज़ार में वह छलनी, बटन, दियासलाई बेचकर जीवन बिताता था ।

बसंत पं.राजकिशोर जी को सौदा करने के लिए बहुत विनती करने पर मुफ़्त में दो पैसे देते हैं। इसे भीख मानकर लेने से इनकार करता है। मोटर दुर्घटना के कारण घायल होकर घर में पड़े रहने पर भी, अपना भाई द्वारा साढ़े चौदह आने लौटाना चाहता है। इन घटनाओं में बसंत की ईमानदार दिखती है ।

02 बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में क्यों रहते हैं ?

उत्तर :– बसंत और प्रताप के माता – पिता दंगों के दिनों में मारे गये थे। उनके अपने कोई न होने के कारण वे अनाथ थे । पर ईमानदारी के साथ जीना चाहते थे। इसलिए वे दोनों भीखू अहीर के घर में रहते थे।

03 पं.राजकिशोर जी के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए ।

उत्तर :– पं.राजकिशोर जी किशनगंज में रहने वाले एक मजदूरों के नेता थे । दिखने में तो खद्दरधारी थे पर वे दयालू थे । बसंत अपने साथ सौदा करने के लिए विनती करने पर मुफ़्त में २ पैसे देना चाहते हैं। उसे भीख मानकर इनकार करने से इस गुण से प्रभावित होकर बसंत से एक छलनी खरीदते हैं । प्रताप से बसंत के घायल होने के बारे में सुनते ही तुरंत डाक्टर जी को लेकर अहीर टीले में जाते हैं । बसंत को किसी भी हालत में

बचाने के लिए पूरी कोशिश करते हैं। इससे पं. राजकिशोर जी की मानवीयता और निःस्वार्थ भाव का परिचय मिलता है ।

04 बसंत के बारे में आप क्या जानते हैं ? अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर :– बसंत एक ईमानदार तथा गरीब शरणार्थी लड़का है । बिन माँ-बाप का, बेघर होने पर भी अपने भाई के साथ ईमानदारी के साथ रहना चाहता है । फटे कपड़े पहने बाज़ार में फेरेवाले जैसा छलनी, बटन, दियासलाई बेचकर जीना चाहता है। अपनी वाक कुशलता से लोगों के साथ व्यापार करता है|

पं.राजकिशोरजी बसंत को मुफ्त में 2 पैसे देते हैं तो उसे भीख मानकर इनकार करता है । दुर्घटना में आहत होकर घर में पड़ने पर भी अपने भाई प्रताप से भुने पैसे को लौटाना, अपनी दर्द की परवाह किए बिना राजकिशोर जी के बारे में सोचना इन सब गुणों से उसकी नेक तथा ईमानदार गुण दिखता है ।

05 "बसंत की सच्चाई" एकांकी का आशय क्या है?

उत्तर :– प्रस्तुत एकांकी में स्वाभिमान, परदुःखकातरता, जैसी मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण हुआ है। गरीब होकर भी स्वाभिमानी और परिश्रम की कमाई से जीनेवाले बसंत और प्रताप एक ओर हैं तो दूसरी ओर कंगालों के प्रति हमदर्दी दिखाते हुए आदर के साथ व्यवहार करनेवाले राजकिशोर जैसे पात्र अनुसरणीय हैं। ईमानदारी से जीने की प्रेरणा मिलती है।

****

पाठ -7 तुलसी के दोहे (दोहा) : गोस्वामी तुलसीदास

1 तुलसी दास के माता -पिता कौन थे?

उत्तर:- तुलसी दास के माता हुलसी और पिता आत्माराम दुबे थे।

2 तुलसीदासजी का महा काव्य कौनसा है?

उत्तर:- तुलसीदास जी का महा काव्य रामचरित मानस है।

3 तुलसीदास जी का पहला नाम क्या था?

उत्तर:- तुलसीदास जी का पहला राम रामबोला था।

4 तुलसीदासजी का आराध्य दैव कौन थे?

उत्तर:- तुलसीदास जी का आराध्य दैव भगवान श्री राम थे।

5 तुलसीदास किस शाखा के कवि थे?

उत्तर:- तुलसीदास भक्ति काल के राम भक्ति शाखा के कवि थे।

6 मुखिया को किसके समान होना चाहिए?

मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए।

7 शरीर का पालन-पोषण कौन करता है?

उत्तर:- शरीर का पालन-पोषण मुँह करता है।

8 मुँह सारे शरीर का पालन-पोषण कैसे करता है ?

उत्तर:- मुँह सारे शरीर का पालन-पोषण एक सामान करता है |

9 मुखिया को किसके समान विवेकवान होना चाहिए?

उत्तर:- मुखिया को मुँह के समान विवेकवान होना चाहिए।

10 कर्तार ने जग को कैसे बनाया है?

उत्तर:- सृष्टिकर्ता (कर्तार) ने जग को गुण-दोष, जड-चेतन से बनाया है।

11 हंस का गुण कैसा होता है ?

उत्तर:-हंस का गुण दूध रूपी अच्छाई को ग्रहण करके पानी रूपी बुराई को छोड देना होता है।

12 संत को किसके समान होना चाहिए ?

उत्तर:- संत को हंस के समान होना चाहिए ।

13 दया किसका मूल क्या है ?

उत्तर:- दया धर्म का मूल है |

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 मुखिया को मुख के समान होना चाहिए कैसे ?

उत्तर:- मुखिया को मुख के समान होना चाहिए। मुँह खाने–पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता–पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण एक सामान करता है। तुलसी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होकर सभी को एक सामान देखना चाहिए |

2 मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

उत्तर:- हंस को दूध और पानी को मिलाकर देने से वह केवल दूध को ही ग्रहण कर लेता है, उसी प्रकार मनुष्य को इस संसार में समाहित पानी रूपी विकारों(दोष) को छोड़कर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3 मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश कब फैलता है?

उत्तर : जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर और आँगन में प्रकाश फैलता है ठीक उसी प्रकार राम नाम जपने से मानव की आतंरिक और बाह्य शुद्दी होती है जिससे मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश फैलता है |

दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए ।

1 (मुखिया का लक्षण किस प्रकार होना चाहिए ?)

मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक । ।

भावार्थ :– गोस्वामी तुलसी दास जी अपनी दोहे में मुख अर्थात मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए । मुँह खाने–पीने का काम अकेला करता है, लेकित वह जो खाता–पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन–पोषण करता है । तुलसी दास की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए जो कि संसार के सभी को एक सामान देखना चाहिए किसी को भेद-भाव नही करना चाहिए |

2 (मनुष को हंस की तरह क्या करना चाहिए ?)

जड चेतन, गुण–दोष मय, विस्व कीन्ह करतार ।
संत–हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार । ।

भावार्थ :– प्रस्तुत दोहे में संत कवि गोस्वामी तुलसीदास जी हंस पक्षी के साथ संत की तुलना करते हुए उसके स्वभाव का परिचय देते हैं – सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़–चेतन और गुण–दोष मिलाकर बनाया है । अर्थात, इस संसार में अच्छे और बुरे गुण भरे हैं, लेकिन हंस रूपी साधु लोग विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाते हैं ।

3 (तुलसी दास जी दया और पाप के बारे में अपने दोहे में क्या कहा है ?)

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।

तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण । ।

भावार्थ :– प्रस्तुत दोहे में तुलसीदास जी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि दया धर्म का मूल है और अभिमान पाप का । इसलिए कवि कहते हैं कि जब तक शरीर में प्राण हैं, तब तक मानव को अपना अभिमान छोड़कर दयालू बने रहना चाहिए ।

4 (तुलसीदास जी के अनुसार विपत्ति के समय हम क्या करना चाहिए ?)

तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक ।

साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक । ।

भावार्थ :– तुलसी दास जी अपने दोहे में कहते हैं कि मनुष्य पर जब भी विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विवेक ही उसका साथ निभाते हैं । जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यव्रती और सुकृतवान बनता है ।

5 मनुष्य के जीवन में प्रकाश कब फैलता है ? या इस दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए ।

राम नाम मनि दीप धरु, जीह देहरी द्वार ।

तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार । ।

भावार्थ :– प्रस्तुत दोहे के द्वारा तुलसीदास जि कहते हैं कि जिस तरह देरही पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम–नाम रुपी जप मणी को मुँह में (जपने से) रखने से मानव की आंतरिक और बाह्य में प्रकाश फैलती है तथा आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है |

पाठ - 8. इंटरनॅट क्रांति (निबंध)

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1 आज कौन-सा युग है?

उत्तर :– आज का युग इंटरनेट का युग है।

2 इंटरनेट का अर्थ क्या है?

उत्तर: अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल ही इंटरनेट है।

3 इंटरनेट से कौन-सा दायरा बढ़ गया है?

उत्तर :– इंटरनेट के उपयोग से इनसानी सोच का दायरा बढ़ गया है।

4 आज इन्सान के लिए इंटरनेट कितना आवश्यक हो गया है?

उत्तर :– आज इन्सान के लिए खान–पान जितना ज़रूरी है, इंटरनेट भी उतना ही आवश्यक बन गया है।

5 कुछ साल के पहले रिश्तेदारों को खबर कैसे भेजते थे?

उत्तर :– चिट्ठी दूरभाष आदि के द्वारा खबर भेजते थे।

6 इंटरनेट किसका महत्वपूर्ण अंग बन गया है?

उत्तर :– इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

7 इंटरनेट की वजह से कौन-सॅ क्षेत्र टप पड़ जातॅ हैं?

उत्तर :– इंटरनेट की वजह से संचार व सूचना क्षेत्र टप पड़ जाते हैं।

8 हम दुनिया के किसी भी जगह रकम कैसे भेज सकते हैं?

उत्तर :– इंटर्नॅट बैंकिंग द्वारा हम दुनिया के किसी भी जगह चाहॅ जितनी भी रकम भेज सकते हैं।

9 आजकल खरीदारी कैसे आसान बन गया है?

उत्तर :– इंटरनेट के द्वारा आजकल खरीदारी आसान बन गया है।

10 आई.टी. का विस्तृत रूप क्या है?

उत्तर :– इनफारमेशन टैक्नोलाजी है।

11 आई.टी.ई.एस का विस्तृत रूप क्या है?

उत्तर: इनफारमेशन टैक्नोलाजी एनेबल्ड सर्विसेस है।

12 क्रांतिकारी खोज कौन-सा है?

उत्तर :– सोशियल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है।

13 सोशल नेटवर्किंग के साइट्स कौन-कौन से हैं?

उत्तर :– फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर लिंकडइन आदि।

14 प्रशासन पारदर्शी कैसे बन सकता है?

उत्तर :– ई-प्रशासन से प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

15 बच्चे किसके बाहों में फँसे हैं?

उत्तर :– बच्चे इंटरनेट की कबंध बाहों में फँसे हैं।

16 हमें किससे सचेत रहना चाहिए?

उत्तर :– हमें इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए।

17 इंटरनेट का उपयोग किन - किन क्षेत्रों में हो रहा है?

उत्तर :– चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, रक्षणा आदि क्षेत्रों में इंटरनेट का उपयोग हो रहा है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1 इंटरनेट का मतलब क्या है?

उत्तर :– इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2 व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

उत्तर :– इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। समय बच जाता है। इंटरनेट इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया के किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है।

3 ई–गवर्नेंस क्या है?

उत्तर :– ई–गरर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

4 संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

उत्तर :– संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट द्वारा पल भर में, बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो,वीडियो चित्र हो, दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है। यह आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

5 'वर्चुअल मीटिंग रूम' के बारे में लिखिए ।

उत्तर :– 'वर्चुअल मीटिंग रूम' एक काल्पनिक सभागार है, जिसमें कई लोगों के साथ 8–10 टी.वी. के परदे पर एक साथ चर्चा होती है।

6 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है। कैसे?

उत्तर :– 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। इसके कई साइट्स हैं। इन साइटों के कारण देश–विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव श्शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

7 इंटरनेट से कौन–सी हानियाँ हो सकती हैं?

उत्तर :– इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बड़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बडे भी इंटरनेट की कबंध बाहों के पाश में फँसे हुए हैं। वक्त का दुरुपयोग होता है। बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

8 इंटरनेट का उपयोग किन क्षेत्रों में हो रहा है?

उत्तर :– इंटरनेट का उपयोग चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि क्षेत्रों में हो रहा है।

9) इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। कैसे?

उत्तर :– इंटरनेट सचमुच एक वरदान है। उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है। जैसे–चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा आदि। यहाँ तक कि देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

10) संचार माध्यम कौन–से हैं, उनका उपयोग कैसे होता है?

उत्तर :– संचार माध्यम हैं–समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, दूरभाष, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि साधन जिनका उपयोग सूचनाओं के संदेशवहन के लिए किया जाता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए:-

1 संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

उत्तर :– समाचार पत्र–पत्रिकाएँ, दूरभाषा, दूरदर्शन आदी संचार व सूचना के क्षेत्र कहलाते हैं । संदेशवाहन के लिए इन ही का उपयोग होता है । इंटरनेट के बिना यह क्षेत्र ठप जाते हैं । इंटरनेट के बिना संवहन ही मुश्किल हो जाता है । ऐसा लगता है कि सारा संसार ही रुक गया हो । साथा ही यह सब क्षेत्र एक से एक जुडे हुए काम करते हैं । इसलिए इंटरनेट अत्यंत आवशक है ।

2 वीड़ियो कान्फरेन्स' के बारे में लिखिए ।

उत्तर :– वीडियो कान्फरेन्स एक प्रकार का काल्पनिक सभागार है । इसके द्वारा एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं । एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों मे रहनेवाले लोगों के साथ विचार–विनिमय कर सकते हैं ।आज कल यह काम मोबाईल में वीडियो कालिंग (कान्फरेन्स) द्वारा भी हो सकता है ।

3 सोशल नेटवर्किंग ' एक क्रांतिकारी खोज है । कैसे? या

सोशल नेटवर्किंग कौन–कौन से हैं ? इनके उपयोग क्या हैं ?

उत्तर :– 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है । सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे – वाट्स अप, फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन इन्स्टाग्राम आदि । इन साइटों के कारण देश – विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है ।

4 इंटरनेट से कौन–सी हानियाँ हो सकति हैं ?

उत्तर :– इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है । इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग (सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ़ रही हैं । मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं । इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे

अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं । इसलिए आप लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए ।

5 इंटरनेत आधुनिक जीवन शैली का एक अंग बन गया है । कैसे ?

उत्तर :– इंटरनेट से इन्सानी सोच का दायरा बढ़ गया है । हर क्षेत्र इंटरनेट से प्रभावित हैं । घर में खाना बनाने से लेकर दफ्तर में काम करने तक, बच्चों के खेल से लेकर हवाई जहाज़ उड़ाने तक इंटरनॅट की उपयोगिता है । एक न एक "याप" हर दिन आते हैं इससे काम और आसान हो गये हैं । उबर, क्याब जैसे "याप" के ज़रिए महिलाएँ रात हो या दिन निश्चिंत घूम सकती हैं । ज़ोम्याटो, स्विग्गी, के द्वारा घर में खाना बनना कम हो गया है ।

घर में बैठे – बैठे ही हम सबकुछ कर सकते हैं । जो एक मोबाईल करता है वह सारा काम अब स्मार्ट फोन करता है। इन सबसे लोगों कॅ सोचने ,रहन–सहन, आचार–विचार में काफी बदलाव आया है।

****

पाठ - 9. ईमानदारों के सम्मेलन मे (व्यंग्य रचना) : हरिशंकर परसाई

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

1 ईमानदार्पों के सम्मेलन के लेखक कौन हैं?

उत्तर :– हरिशंकर परसाई जी हैं।

2 ईमानदारों के सम्मेलन में कैसी रचना है?

उत्तर :– व्यंग्य रचना है।

3 शहर में कौन-सा सम्मेलन हॊ रहा था?

उत्तर :– ईमानदारों का सम्मेलन हो रहा था।

4 लेखक के आगमन से किनको प्रेरणा मिलेगी?

उत्तर :– लेखक के आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बडी प्रेरणा मिलेगी।

5 लेखक दूसरे दर्जे में सफर करके कितना पैसा बचाना चाहते थे?

उत्तर :– एक सौ पचास रूपया बचाना चाहते थे।

6 स्टेशन पर लेखक का स्वागत कैसे हुआ?

उत्तर :– स्टेशन पर लॅखक का खूब स्वागत हुआ।

7 लेखक स्टेशन पर किसे डूँढने लगे?

उत्तर :– स्टेशन पर लेखक फूल–मालाएँ बेचने के लिए माली को डूँढने लगे।

8 लेखक को कहाँ ठहराया गया?

उत्तर :– लेखक को होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया।

9 सम्मॅलन का उद्घाटन कैसे हुआ?

उत्तर :– सम्मेलन का उद्घाटन शानदार हुआ।

10 पहले दिन लेखक का कौन-सा चीज़ गायब था।

उत्तर :– चप्पले गायब थे।

11 लेखक के चप्पल कौन पहने थे?

उत्तर :– एक डेलिगेट ने लेखक के चप्पल पहने थे।

12 लेखक धूप का चश्मा कहाँ रखे थे?

उत्तर :– टेबुल पर लेखक धूप का चश्मा रखे थे।

13 ब्रीफकेस में क्या थे?

उत्तर :– ब्रीफकेस में कुछ कागज़ात थे।

14 लेखक का चश्मा कौन पहने थे?

उत्तर :– एक सज्जन लेखक का चश्मा पहने थे।

15 मंत्री किसे डाँटने लगे?

उत्तर :– कार्यकर्ताओं को मंत्री डाँटने लगे।

16 मंत्री ने गुस्से में किसे बुलाने की बात कही?

उत्तर :– मंत्री ने गुस्से में पुलिस को बुलाने की बात कही।

17 ईमानदारों के सम्मेलन में अशोभनीय बात क्या है?

उत्तर :– पुलिस को बुलाकर ईमानदारों की तलाशी लेना सम्मेलन के लिए अशोभनीय बात है।

18 लेखक पहनने के कपड़े कहाँ छिपाकर सो गये?

उत्तर :– लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने दबाकर सो गये।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1 लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

उत्तर :– लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में इस तरह लिखा गया था कि हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं। आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं। हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें। हम आपको आने–जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

2 फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे?

उत्तर :– फूल मालाएँ मिलने पर लेखक सोचने लगे कि आस–पास कोई माली होता तो फूल–मालाएँ बेच लेता।

3 लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

उत्तर :– लेखक ने मंत्री को समझाया कि "ऐसा हरगिज़ मत करिये। ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी लें, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी। फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

4 चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया?

उत्तर :– चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने सुझाव दिया कि चप्पलें एक जगह नहीं उतारनी चाहिए। एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर। तब चप्पलें चोरी नहीं होती। एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा।

5 लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

उत्तर :– लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय इसलिए लिया कि ईमानदारों के सम्मेलन में भाग लेने पर उनकी चप्पलें, चादर, कंबल और चश्मा चुराये गये थे।

6 मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है?

उत्तर :– लेखक जी को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया जाता है तो वे पहले दर्जे का किराया लेकर दूसरे दर्जे में सफर करते हैं, इस तरह एक सौ पचास रुपये बचाते हैं। लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ मिलने पर सोचते हैं कि आस-पास कोई माली होता तो बेच लेता। इन सब घटनाओं में मुख्य अतिथि की बेईमानी दिखाई देती है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए:-

1 लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :– लेखक जी को राष्ट्रीय स्तर के ईमानदारों के सम्मेलन में उद्घाटन के लिए बुलाया गया था । उनको एक बड़े होटल के कमरे में ठहराया गया था । पर यहाँ तो हर दिन एक न एक चोरी होती ही रही। वे अपना धूप का चश्मा टेबुल पर रखे थे पर सुबह तक वह गायब था । यह बात सम्मेलन में फैली तो सब सहानुभूति प्रकट करने लगे । एक सज्जन धूप का चशमा पहने बड़े इतमीनान से बैठे लेखक जी से बातें कर रहे थे कि "बड़ी चोरियाँ हो रही हैं । देखिए, आपका धूप का चश्मा ही चला गया।"

लेखक जी को पता चल जाता है कि यह सज्जन कल धूप का चश्मा नहीं पहने थे । आज पहने हैं ; करीब से देखने से पूरा यकीन हो जाता है कि वह चश्मा लेखक का ही है ।

2 मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ ?

उत्तर :– ईमानदारों के सम्मेलन में आए लेखक जी को एक होटल में ठहराया गया था । यहाँ हर दिन कुछ न कुछ चोरियाँ होती रही । जब लेखक जी का कंबल की चोरी हुई तो हल्ला हुआ । स्वागत समिति के मंत्री कई कार्यकर्ता आये । मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे, "तुम लोग क्या करते हो ? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ है । तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही हैं । यह ईमानदारों का सम्मेलन है । बाहर यह चोरी की बात फैली, तो कितनी बदनामी होगी ?"

मंत्री की बातें सुनकर कार्यकर्ताओं ने कहा, "हम क्या करें ? अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ –वहाँ जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं ?"

3 सम्मेलन में लेखक को कौन – से अनुभव हुए ? संक्षेप में लिखिए ।

उत्तर :– ईमानदारों के सम्मेलन में लेखक परसाई जी को कुछ अच्छा और कुछ बुरा अनुभव होते हैं । उन्हें राष्ट्रीय स्तर का ईमानदार मानना, उनको स्टेशन पर खूब स्वागत करना, बड़े आदर के साथ उन्हें होटल के बड़े कमरे में ठहराना, अच्छे पैसे देना, आदि उत्तम अनुभव थे ।

पहले दिन ही उनकी चप्पलों की चोरी होना । कमरे में तीन चादर और एक कंबल की चोरी होना । अपना धूप का चश्मे का खो जाना। यहाँ तक की कमरे के ताले की चोरी हो जाना, ये सब लेखक जी के बुरे अनुभव थे।

4 "ईमानदारों के सम्मेलन में" पाठ का आशय क्या है?

उत्तर :– प्रस्तुत व्यंग्य रचना में एक सामाजिक असंगति की ओर संकेत किया गया है। ईमानदार कहलानेवाले लोगों की बेईमानी का पर्दाफाश किया गया है। जगत के अच्छाई-बुराइयों में से हमें हंस-क्षीर न्याय की तरह अच्छाई को ही अपनाना चाहिए। बेईमानी जैसे अवगुणों से दूर रहना चाहिए।

****

पाठ - 10. दुनिया में पहला मकान (लेख) : डा विहाया गुप्त

निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक - एक वाकया में लिखिए :

1) दुनिया में सबसे पहला मकान पाठ के लेखक कौन है?

उत्तर : डॉ विजय गुप्ता।

2) सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे?

उत्तर : पूर्वोत्तर भारत में रहते थे।

3) मनुष्य सबसे पहले मकान बनाना किससे सीखा?

उत्तर : मनुष्य सबसे पहले मकान बनाना बहुत से पशु–पक्षियों से सीखा।

4) पहले मनुष्य कहाँ रहता था?

उत्तर : पहले मनुष्य(आदिवासी) गुफाओं में और पेड़ के नीचे रहता था।

5) किन दोस्तों ने मकान बनाने का निश्चय किया?

उत्तर : किंन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम दोस्तों ने मकान बनाने का निश्चय किया।

6) पहले दोस्तों की मुलाकात किससे हुई?

उत्तर : हाथी से हुई।

7) हाथी के पैर कैसे होते है?

उत्तर : हाथी के पैर मोटे और मजबूत होते है।

8) हाथी से मिलने के बाद दोस्तों की मुलाकात किससे हुई?

उत्तर : हाथी से मिलने के बाद दोस्तों की मुलाकात साँप से हुई।

9) साँप ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया?

उत्तर : साँप ने उत्तर दिया कि लकडी को उसकी जैसी पतली और लंबी काट लो।

10) भैंस क्यों दुःखी थी?

उत्तर : भैंस का भैंसा मर गया था इसलिए वह दुःखी थी।

11) भैस ने दोस्तों को क्या दिखाया?

उत्तर : भैंस ने दोस्तों को भैंसे का पंजर दिखाया।

12) मछली कहाँ तैर रही थी?

उत्तर : मछली तालाब में तैर रही थी।

13) मछली ने दोस्तों को क्या दिखाया?

उत्तर : मछली ने दोस्तों को अपनी पीठ की पट्टियाँ दिखायी।

14) मछली की बात सुनकर दोस्त क्या समझ गये?

उत्तर : मछली की बात सुनकर दोस्त मकान बनाने का तरीका समझ गये।

15) दोनों दोस्त जंगल की ओर क्यों चल पड़े?

उत्तर : पशुओं से पूछ–ताछ करके मकान बनाने के लिए दोनों दोस्त जंगल की ओर चल पड़े।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :

1). किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े ?

उत्तर : किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम दोनों दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे । मुश्किल यह थी कि वे नही जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते है, इसलिए वे पशुओं से पूछ–ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े ।

2) दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की ?

उत्तर : दोस्तों ने हाथी के साथ मकान बनाने के बारे में चर्चा की । वे हाथी से जानना चाहते थे कि मकान कैस`बनाए जाते हैं ।

3) हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया ?

उत्तर : हाथी ने दोस्तों को उत्तर दिया कि "आगे की बात तो मैं नही जानता । मुझे रत्ती – भर भी पता नही ।"

4) दोस्तों ने किन–किन जानवरों से मुलाकात की ?

उत्तर : दोस्तों ने हाथी, साँप, भैंस, और मछली से मुलाकात की ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए :

1) साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया ?

उत्तर : किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्त साँप से पूछते हैं कि "साँप भाई हम लोग एक घर बनाना चाहते हैं । आप बता सकते हैं कि कैसे बनाया जाए ?"

साँप ने सुझाव दिया कि " ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो , जैसा मैं हूँ । आगे की बात मैं नहीं जानता । मुझे रत्ती-भर पता नहीं ।"

2) भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली ?

उत्तर : किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्त मकान बनाने के लिए जंगल में पशुओं से पूछ–ताछ करने के लिए गये । ऐसे रास्ते में भैंस से मकान बनाने के बारे में पूछते हैं तो भैंस अपने भैंसे का पंजर दिखाती है। दोस्तों को पता चलता है कि जैसे पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी हैं, उसी तरह हाथी के पाँव जैसे चार मोटे गोले ज़मीन में गाड़कर उन पर साँप की तरह पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बनाने से मकान बना सकते हैं ।

3) मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया ?

उत्तर : किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्त मकान बनाने के बारे में मछली से प्रश्न पूछने पर मछली ने जवाब दिया कि " आप लोग ज़रा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो । फिर पेड़ों से बहुत –सी पत्तियाँ तोड़ लो । इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ हैं"

4) दोनों दोस्त मकान बनाने के लिए किन–किन से सलाह माँगते हैं ? वे सलाह क्या थे ?

उत्तर : किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्त मकान बनाने के लिए जंगल में पशुओं से पूछ–ताछ करने के लिए जाते हैं । पहले हाथी से पैरों जैसे लकड़ी के मोटे और मजबूत गोले काटने के बारे में, साँप के सलहानुसार उसके जैसे पतली और लंबी लकड़ियों को काटने के बारे में जानते हैं। भैंस से पूछने पर वह भैंसे का पंजर दिखाकर कहती है कि " पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी हैं, उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लो।" अंत में मछली से मिलने से पता चलता है कि पत्तियों को तोड़कर ठीक उसी प्रकार लगायें जैसे मछली की पीठ पर पट्टियाँ हैं। उसी प्रकार दोनों दोस्त मकान बना लेते हैं।

****

पाठ-11 समय की पहचान (कविता) : सियारामशरण गुप्त

1 'समय की पहचान' कविता के कवि कौन है ?

उत्तर:- 'समय की पहचान' कविता के कवि सियारामशरण गुप्त जी है।

2 बहुत अनमोल क्या है ?

उत्तर:- समय बहुत अनमोल है।

3 समय का महत्व किससे ज्यादा है ?

उत्तर:- समय का महत्व धन से भी ज्यादा है।

4 मनुष्य को कब सुख नही मिलता?

उत्तर:- समय नष्ट करनेवाले मनुषय को कभी सुख नही मिलता।

5 खोया हुआ समय किस को लौटकर नही मिलती ?

उत्तर:- चक्रवर्ति को भी खोया हुआ समय लौटकर नही मिलती।

6 मनुषय को किस की चिंत नही है ?

उत्तर:- मनुष्य को समय के महत्व का चिंता नही है।

7 समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?

उत्तर:- समय ईश्वर का दिया हुआ अनुपम धन है।

8 जीवन कैसे बना हुआ है?

उत्तर:- पल-पल से जीवन बना हुआ है।

9 हमे किसे तुच्छ नही मानना चाहिए?

उत्तर:- हमें एक फल को भी तुच्छ नही मानना चाहिए |

10 हमें किस पर चित्त लगाना चाहिए?

उत्तर:- हमें जो काम करना है उस पर हमारा चित्त लगाना चाहिए।

11 हमें किस पर विश्वास रखना चाहिए?

उत्तर:- हमे आत्म पर विश्वास रखना चाहिए।

12 हमें किसे भगाना चाहिए?

उत्तर:- हमें संदेह को भगाना चाहिए।

13 किसे खोकर मानव पछताएगा ?

उत्तर:- समय को खोकर मनुषय पछताएगा।

14 कवि के अनुसार किसे सुसमय मिल जाता है?

उत्तर:- कवि के अनुसार उद्योगी को सुसमय मिल जात है।

15 सौख्य कौन नही पाता है?

उत्तर:- समय नष्ट करनेवाला सौख्य नही पाता है।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 समय की पहचान पद्य क आशय क्या है ?

उत्तर:- कवि सियारामशरण गुप्त जी अपनी कविता समय की पहचान में समय की सदुपयोग के बारे में लिखते हैं कि 'समय' अधिक महत्वपूर्ण तथा उपयोगी होता है । समय को जो अपना सच्चा साथी बना लेगा, वह अपने काम में सफल होगा । हमें काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए ।

हम समय के साथ–साथ आगे बढ़ना चाहिए । हर एक पल अमूल्य होता है। बीते क्षणों के लिए सिर्फ पछताना पड़ता है । इसलिए ईश्वर से दिया यह अनुपम धन को बड़ी सावधानी से परिश्रम के साथ बिताना चाहिए ।

2 समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?

उत्तर:- कवि सियारामशरण गुप्त जी अपनी कविता समय की पहचान में समय की सदुपयोग के बारे में लिखते हैं कि समय अनमोल है इसलिए हमें पल-पल समय का सदुपयोग करना चाहिए | हमें जो काम आज

करना है, उसे अभी करने का प्रयत्न करना चाहिए | अपने म्कर्तव्य का पालन करने में देर नही करना चाहिए |

****

पाठ - 12 रोबोट (कहानी) : डा प्रदीप मुख्योपध्याय 'आलोक'

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

1 साधोराम कौन था?

उत्तर :– सक्सेना परिवार का नौकर था।

2 साधोराम अस्पताल में क्यों भर्ती हुआ था?

उत्तर :– अचानक चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गयी थी, इसलिए वह अस्पताल में भर्ती हुआ था।

3 धीरज सक्सेना परिवारवालों को क्यों दुःख हुआ?

उत्तर :– साधोराम के अस्पताल पहुँच जाने से सक्सेना परिवार की तकलीफ बढ़ गई इस लिए उनको दुःख हुआ।

4 सक्सेना परिवार के मुखिया किस कार्यालय पहुँचे?

उत्तर :– "रोबोटोनिक्स कॉर्पोरेश्न" कार्यालय पहुँचे।

5 रोबोनिल कौन था?

उत्तर :–सक्सेना परिवार में काम करने के लिए खरीदा गया बुद्धिमान रोबोट का नाम रोबोनिल था।

6 सक्सेना परिवार के कुत्ते का नाम क्या था?

उत्तर :– शेरू सक्सेना परिवार का कुत्ता था।

7 रोबोदीप किस परिवार में काम करनेवाला रोबोट था?

उत्तर :– शर्मा परिवार में काम करनेवाले रोबोट का नाम रोबोदीप था।

8 रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई?

उत्तर :– रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई।

9 शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम क्या था?

उत्तर :– शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम झबरू था।

10 रोबोनिल और रोबोदीप कौन थे?

उत्तर :– दोनों बुद्धिमान रोबोट थे।

11 सक्सेना परिवार के मुखिया कौन थे?

उत्तर :– धीरज सक्सेना थे।

12 वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए।

उत्तर :– आइज़क आसिमोव।

13 रोबोटोनिक्स कार्पोरेशन के मालिक कौन थे?

उत्तर :– रोबोजीत थे।

14 किस संघ को रोबोनिल ने सक्सेना परिवार के बारे में बताया?

उत्तर :– रोबोनिल ने रोबोटिक संघ से संपर्क साधकर सक्सेना परिवार की सारी बातें अवगत कराया।

15 एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या साफ़ कर रहा था?

उत्तर :– दफ्तर के फर्श को साफ कर रहा था।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1 साधोराम को क्या हुआ था ?

उत्तर :– साधोराम अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई । उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा ।

2 धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत क्यों थी ?

उत्तर :– धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत इस लिए थी कि, उनके नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए भी ।

3 रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?

उत्तर :– रोबोदीप ने रोबोनिल से कहा कि "तुम्हारे आने से पहले साधोराम नाम का सेवक सक्सेना परिवार में काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम की छुट्टी करनेवाले है।"

4 रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की ?

उत्तर :– रोबोनिल ने रोबोजीत को समझाने लगा कि धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम को थोड़ा मुआवज़ा देकर उनकी छुट्टी करनेवाले है ।

5 कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ ?

उत्तर :– कहानी टाइप करके रोबोनिल की धात्विक और तारों भरे परिपंथवाली खोपड़ी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1 धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?

उत्तर :– वर्षों से सक्सेना परिवार में काम कर रहा था नौकर साधोराम । अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई । उसे अस्पताल में भर्ति कराना पड़ा । सक्सेना परिवार बड़ा था । बेटे–बेटियों, नाती–पोतों से घर में हमेशा रौनक और चहल–पहल बनी रहती । बिना साधोराम के घर में तकलीफें बढ़ गईं । धीरज सक्सेना से परिवारवालों का यह दुःख नहीं देखा गया । तभी परिवार के मुखिया के नाते यह फैसला करते हैं कि घर के कामकाज के लिए रोबोट लाया जाए।

2 धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत क्यों थी ?

उत्तर :– धीरज सस्कसेना का परिवार बड़ा था । घर में बेटे–बेटियाँ, नाती–पोतों से भरा था । इसलिए अपने नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर धीरज सक्सेना जी का काम सँभालनॆ के लिए तथा घर के अन्य कामकाज के लिए उन्हें एक बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत थी ।

3 रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :– रोबोनिल रोज़ शाम को शेरु को टहलाने के लिए ले जाता था । ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई । रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहने वाले शर्मा परिवार का कुत्ता झबरू कॊ घुमानॆ आया था। रोबोनिल की तरह रोबोदीप भी एक बुद्धिमान रोबोट था । ऐसे रोज़ मिलते–मिलते दोनों रॊबॊटों में दोस्ती हो गई ।

4 विज्ञान कथा का सार लिखिए ।

उत्तर :– विज्ञान कथा का सार इस प्रकार था – एक घर में नौकर को, जो किसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित था, निकालकर उसकी जगह पर एक रोबोट को रख दिया जाता है । किसी तरह रोबोट को इस बात की जानकारी मिल जाती है तो वह 'रोबोटिक संघ' से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत कराता है । संघ रोबोटों की हड़ताल की घोषणा कर देता है । अंततः समझौता इस बात पर होता है कि उस नौकर को घर में फिर से रख लिया जाएगा ।

5 रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई ?

उत्तर :– धीरज सक्सेना के परिवार में साधोराम नौकर की जगह रोबोनिल नामक एक बुद्धिमान रोबोट लाते हैं । पर साधोराम को वे हमेशा के लिए छुट्टी कराना चाहते थे । पर यह रोबोटिकी नियम के खिलाफ था । रोबोटिक कंपनी के मालिक को समझाने पर भी वह नहीं माना । तो रोबोदीप और रोबोनिल दोनों संघ के कार्यालय जा पहुँचे । सब बातें सुनकर अध्यक्ष ने संघ की कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक बुलाई । बैठक में तय हुआ कि सभी रोबोटिक कंपनियों के काम करनेवाले रोबोटों की हड़ताल का आह्वान कर दिया जाए। इस आह्वान से कंपनी के मालिकों के बीच हल–चल मच गई ।

6 रोबोट पाठ का आशय क्या है ?

उत्तर :– कोई भी रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण न बनें। मानवीय नज़रिये से भी यह गलत है कि रोबोट के कारण किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा पहुँचे। सक्सेना परिवार नौकर साधोराम को निकालकर रोबोनिल को नियुक्त करते हैं । उसे पता चलता है कि साधोराम की अब छुट्टी कर दी जाएगी । उसकी नौकरी चली जायेगी । रोबोनिल और रोबोदीप अपने संघर्ष के द्वारा धीरज सक्सेना को मज़बूर करते हैं कि साधोराम को दोबारा नौकरी पर रखी जाए । अंत में रोबोदीप खुश होता है कि उनसे इंसानों को कोई नुकसान नहीं झेलना होगा ।

7 रोबोनिल, साधोराम के बारे में क्यों चिंतित था ?

उत्तर :– रोबोनिल शर्मा साहब के घर में काम करनेवाला एक बुद्धिमान रोबोट था । धीरज सक्सेना जी के परिवार में साधोराम नामक नौकर बहुत दिनों से काम करता आ रहा था । दुर्घटना से उसके अस्पताल में भर्ती होने के कारण उसकी जगह रोबोदीप नामक एक बुद्धिमान रोबोट को घर में रखा गया । जब रोबोनिल को पता चलता है कि साधोराम की हमेशा–हमेशा के लिए छुट्टी करनेवाले हैं तो रोबोनिल बहुत चिंतित हो जाता है । क्योंकि यह रोबोटिकी नियम के खिलाफ है । एक रोबोट के कारण किसी भी इन्सान को नुकसान नहीं पहुँचना चाहिए ।

****

पाठ - 13 महिला की साहसगाथा (व्यक्ति परिचय)

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

1 बिछेंद्रीपाल को कौन–सा गौरव प्राप्त हुआ है?

उत्तर :– एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त है।

2 बिछेंद्री के माता–पिता कौन थे?

उत्तर :– उनके पिता किशनपाल सिंह और माता हंसादेई नेगी थे।

3 बिछेंद्री अपने माता–पिता की कितनी संतानों में से एक थी?

उत्तर :– पाँच संतानों मे से एक थी।

4 बिछेंद्री के भाई को क्या अच्छा लगता था?

उत्तर :– बिछेंद्री के भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था।

5 बिछेंद्री ने किससे प्रेरित होकर पहाड़ पर चढ़ने का निश्चय किया?

उत्तर :– अपने भाई से प्रेरित होकर बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने का निश्चय किया।

6 बिछेंद्री को स्कूल कैसे जाना पड़ता था?

उत्तर :– बिछेंद्री को रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पड़ता था।

7 बिछेंद्री की शिक्षा के बारे में लिखिए।

उत्तर :– बिछेंद्री ने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की है।

8 बिछेंद्री ने किस ग्लेशियर की चढाई की?

उत्तर :– बिछेंद्री ने गंगोत्री ग्लेशियर की चढाई की।

9 1983 मे दिल्ली में कौन-सा सम्मेलन हुआ?

उत्तर :– हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ।

10 एवरेस्ट पर चढ़नेवाले प्रथम भारतीय पुरुष कौन थे?

उत्तर :– तेनसिंग नोर्गे थे।

11 एवरेस्ट पर चढनेवाली प्रथम महिला कौन थी?

उत्तर :– जुंकेताबी ।

12 कर्नल का नाम क्या था?

उत्तर :– खुल्लर था।

13 बर्फ की चट्टानें किस चादर की तरह बिछी थीं?

उत्तर :– बर्फ की चट्टानें इतनी सख्त और भुरभुरी थीं, मानो शीशे की चादर बिछी हो।

14 एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय बिछेंद्री पाल के साथ कौन थे?

उत्तर :–एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय बिछेंद्री पाल के साथ पर्वतारोही अंग दोरजी थे।

15 बर्फ काटने के लिए पर्वतारोहियाँ क्या इस्तेमाल करते हैं?

उत्तर :– बर्फ काटने के लिए पर्वतारोहियाँ फावडे का इस्तेमाल करते हैं।

16 ल्हाटू कौन - सी रस्सी लाया था?

उत्तर :– ल्हाटू नायलान की रस्सी लाया था।

17 हवा की गति कहाँ बढ़ गई थी?

उत्तर :– हवा की गति दक्षिण शिखर के ऊपर बढ़ गई थी।

18 बिछेंद्री एवरेस्ट पर कब पहुँची?

उत्तर :– 23 मई 1984 के दिन दोपहर को बिछेंद्री एवरेस्ट पहुँची।

19 बिछेंद्री ने थैले से कौन - सा चित्र निकाला?

उत्तर :– दुर्गा माँ का चित्र निकाला।

20 बिछेंद्री एवरेस्ट चढ़ने पर फोटो कहाँ पर लिए?

उत्तर :– सोनम पुलजर में बिछेंद्री ने फोटो लिए।

21 कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा?

उत्तर :– कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से कहा "देश को तुम पर गर्व है" ।

22 साउथ कोल पर अंग दोरजी और बिछेंद्री कब लौटे?

उत्तर :– शाम पाँच बजे तक दोनों साउथ कोल लौटे।

23 मेजर का नाम क्या था?

उत्तर :– मेजर का नाम कुमार था।

24 किस संघ के स्वर्ण पदक से बिछेंद्री सम्मानित हैं?

उत्तर :– भारतीय पर्वतारोहण संघ के स्वर्ण पदक से बिछेंद्री सम्मानित हैं।

25 प्रस्तुत पाठ से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर :– साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना, आदि गुण सीख सकते हैं।

26 बिछेंद्री द्वारा लिखित पुस्तक कौन-सी है?

उत्तर :– बिछेंद्री द्वारा लिखित पुस्तक का नाम है "एवरेस्ट-मेरी शिखर यात्रा"।

27 महिला की साहसगाथा पाठ किस किताब पर आधारित है?

उत्तर :– महिला की साहसगाथा पाठ "एवरेस्ट-मेरी शिखर यात्रा" किताब पर आधारित है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए:-

1 बिछेन्द्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए ।

उत्तर :– बिछेन्द्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था । उनकी माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था । वे अपने माता पिता के पाँच संतानों में तीसरी संतान थी । बिछेन्द्री के बड़े भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था ।

2 बिछेन्द्री का बचपन कैसे बीता ?

उत्तर :– बिछेन्द्री का बचपन बहुत मुश्किल में बीता । बचपन में बिछेन्द्री को रोज़ 5 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था । उसने सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी । इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की ।

3 बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए किन–किन चीज़ों का उपयोग किया ?

उत्तर:–बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए 'नायलॉन की रस्सी,ऑक्सीजन और फावड़े' का उपयोग किया था

4) एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने क्या किया ?

उत्तर :– एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने फावड़े से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया । इसकेबाद अपने घुटनों के बल बैठी । बर्फ पर अपने माथे को लगाकर उन्होंने सागरमाथे के ताज का चुंबन किया । बिना उठे ही हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकालकर लाल कपड़े में लपेटा और छोटी – सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए:-

1 बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

उत्तर :– कर्नल खुल्लर ने साउथ कोल तक की चढ़ाई के लिए तीन शिखर दलों के दो समूह बना दिए।बिछेंद्री सुबह चार बजे उठ गई, बर्फ पिघलाई और चाय बनाई। कुछ बिस्कुट और आधी चाकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी।

2 दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए ।

उत्तर :– दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी । उस ऊँचाई पर तेज़ हवा के झोंके भुर – भुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे । जिससे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था । बिछेंद्री ने देखा कि थोड़ी दूर तक कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है । ढ़लान एकदम सीधी नीची चली गई है । तब बिछेंद्री की साँस मानो एकदम रुक

गई थी । उनको लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है । जब एवरेस्ट की चोटी पर खड़ी थी तब वह उस चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला बन गई थीं ।

3 महिला की साहसगाथा पाठ से बच्चों को क्या सीख मिलती है ? या इस पाठ का आशय क्या है ?

उत्तर :– इस पाठ से बच्चे साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं । इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते हैं । यह पाठ सिद्ध करता है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है ।

पाठ - 14 - सूर श्याम - सूरदास

एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1 सूर श्याम कविता के कवि कौन है?

उत्तर:- सूर श्याम कविता के कवि सूरदासजी है।

2 सूरदास किस काल के कवि है?

उत्तर:- सूरदास भाक्तिकाल के कवि है।

3 सूरदास को किस शाखा के प्रवर्तक माना जाता है?

उत्तर:- सूरदास को कृष्ण भक्ति शाका के प्रवर्तक माना जाता है।

4 सूरदास के कविताओ में किस भाव का संगम है?

उत्तर:-सूरदास के कविताओ में वात्सल्य, शृंगार तथा भाक्ति भाव का त्रिवेणी संगम हुआ है।

5 कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है ?

उत्तर:- कृष्ण की शिकायत बलराम के प्रति है।

6 यशोदा और नंद का रंग कैसा था ?

उत्तर:- यशोदा और नंद का रंग गोरा था।

7 चुटकी दे-देकर हँसनेवाले कौन थे ?

उत्तर:- कृष्ण के ग्वाले मित्र चुटकी दे-देकर हँसते थे।

8 यशोधा किसकी कसम खाती है ?

उत्तर:- यशोदा गोधन की कसम खाती है।

9 बालकृष्ण किससे शिकायत कर रहा है ?

उत्तर:- बालकृष्ण माता यशोदा से शिकायत कर रहा है।

10 बालकृषण का रंग कैसा था?

उत्तर:- बालकृष्ण का रंग काला (श्याम) था।

11 कृष्ण को कौन खिझा रहा है?

उत्तर:- कृष्ण को दाऊ (बलबीर, बलभद्र) खिझा रहा है।

15 जसुमति कौन है ?

उत्तर:- जसुमति कृष्ण की माँ है।

16 कृष्ण दाऊ के साथ क्यों नही खेलना चाहता है ?

उत्तर:- दाऊ (बलराम) कृष्ण को चिढाता है इसलिए उसके साथ नही खेलना चाहता है।

17 दाऊ पुनि - पुनि क्या कहत है?

उत्तर:- दाऊ कृष्ण से पुनि-पुनि कहता है कि तुम्हारे माता-तात कौन है?

18 बलबीर कौन है?

उत्तर:- बलबीर बलराम का दूसरा नाम है।

19 कृष्ण के अनुसार यशोदा हमेशा किसे मारती है?

उत्तर:- कृष्ण के अनुसार यशोदा हमेशा कृष्न को ही मारति है।

20 जन्म से ही धूत कौन है?

उत्तर:- बलराम जन्म से ही धूत है।

21 सूर - श्याम पद मे सूर ने क्या वर्णन किया है?

उत्तर:- बालकृष्ण के भोलेपन और यशोदा के वात्सल्य का वर्णन किया है।

22 यशोदा किस पर गुस्सा नही करती है?

उत्तर:- यशोदा बलराम पर गोस्सा नही करती है।

23 कृष्ण का भाई कौन है?

उत्तर:- कृष्ण का भाई बलराम है।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?

उत्तर:- बलराम कृष्ण को चिढ़ाता है और कहता है यशोदा माँ ने तुम्हें जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है। इसी क्रध के कारण कृषण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता।

2 बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में क्या कहता है?

उत्तर:- बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में इस तरह कहता है कि तुम्हारे माता–पिता कौन हैं? नंद और यशोदा गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों इतना काला है? जसोदा माँ ने तुम्हें मोल लिया है।

3 कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?

उत्तर:- कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति इसलिए नाराज़ है कि माँ तुमने केवल मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती।

4 यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?

उत्तर:- यशोदा कृष्ण के क्रोध को इस तरह कहकर शांत करती है– हे कृष्ण! सुनो। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है। मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ, मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए तीन - चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 सूर – श्याम पद का भावार्थ अपने शब्दों लिखिए ।

उत्तर:- सूरदास जी अपनी पद में श्रीकृष्ण के भोलेपन और माँ यशोदा के वात्सल्य को दर्शाते हैं । प्रस्तुत पद में भाई बलराम के प्रति कृष्ण की शिकायत का मोहक वर्णन किया गया है । कृष्ण अपनी माँ यशोदा से शिकायत करता है कि भाई मुझे बहुत चिढ़ाता है । बह मुझसे कहता है कि तुम्हें यशोदा माँ ने जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है । इसी गुस्से के कारण उसके साथ मैं खेलते नहीं जाता । वह मुझसे बार–बार पूछता है कि तुम्हारे माता–पिता कौन हैं ? वह यह भी कहता है कि नंद और यशोदा गोरे हैं, लेकिन तुम्हारा शरीर क्यों काला है ? उसकी ऐसी हँसी–मज़ाक सुनकर मेरे सब ग्वाल मित्र चुटकी बजा–बजाकर हँसते हैं । उन्हें बलराम ने ही ऐसा करना सिखाया है । माँ, तूने केवल मुझे ही मारना सीखा है और भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती । (अपने भाई के प्रति क्रोधित और सखाओं द्वारा अपमानित) कृष्ण के क्रोधयुत मुख को देखकर और

उसकी बातों को सुनकर यशोदा खुश हो जाती हैं। वह कहती है – हे कृष्ण ! सुनो । बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूँ कि मैं ही तेरी माता हूँ और तुम मेरे पुत्र हो ।

2 सूरश्याम पद्य का आशय क्या है ?

उत्तर:- बच्चे स्वभाव से भोले होते हैं । वे हमेशा अपने माता–पिता से अपने भाई, बहन और मित्रों की कुछ–न–कुछ शिकायत करते रहते हैं । उनका बाल सहज स्वभाव देखकर बड़ों को हँसी आती है और उन्हें पुचकारकर सांत्वाना देते हैं । माँ और बेटे के ऐसे सहज संबंध की कल्पना कर सूरदास जी ने अपने इस पद में उसका मार्मिक चित्रण किया है ।

****

पाठ - 15 कर्नाटक संपदा (निबंध)

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

1 पश्चिमी घाट किसे कहते हैं?

उत्तर :– कर्नाटक के अरबी समुद्र प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।

2 कर्नाटक में कौन-कौन-से जलप्रपात हैं?

उत्तर :– कर्नाटक में जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि जलप्रपात हैं।

3 श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है?

उत्तर :– श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई ५७ फुट है।

4 किस नगर को सिलिकॉन सिटि कहा जाता है?

उत्तर :– बेंगलूरु नगर को सिलिकॉन सिटि कहा जाता है।

5 भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए।

उत्तर :– कागज़, लोहे और इस्पात- भद्रावती के दो प्रमुख कारखानें हैं।

6 सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?

उत्तर :– सेंट फिलोमिना चर्च मैसूरु नगर में है।

7 विजयपुरा नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन-सा है?

उत्तर :– विजयपुरा नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी है।

8 अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है?

उत्तर :– अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिम दिशा में है।

9 कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन-सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं?

उत्तर :– कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं।

10 कर्नाटक को "चंदन का आगार" क्यों कहते हैं?

उत्तर:–कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं। इसलिए इसे "चंदन का आगार" कहते हैं।

11 जगनमोहन राजमहल(आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय कहाँ है?

उत्तर :– जगनमोहन राजमहल(आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय मैसूरु नगर में है।

12 नारायण मूर्ति ने किस क्षेत्र में कर्नाटक को विश्व पटल पर अंकित किया है?

उत्तर:–नारायण मूर्ति ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर्नाटक को विश्व पटल पर अंकित किया है।

13 कर्नाटक की आबादी कितनी है?

उत्तर :– लगभग छः करोड़ से ऊपर है।

14 नीलगिरी पर्वतावलियाँ कहाँ है?

उत्तर :– कर्नाटक के दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ है।

15 कर्नाटक में कौन-सी भाषा बोली जाती है।

उत्तर :– कर्नाटक मे कन्नड भाषा बोली जाती है।

16 कर्नाटक की राजधानी कौन–सी है?

उत्तर :– बेंगलूरु है।

17 बेंगलूरु किसका केंद्र है?

उत्तर :– बेंगलूर शिक्षा और उद्योग -धंधों का केंद्र है।

18 भरत का सर्वोच्च पुरस्कार कौन-सा है?

उत्तर :– भारत रत्न पुरस्कार है।

19 2013 मे भारत रत्न पुरस्कार किसे प्राप्त है?

उत्तर :– डॉ सी ,एन,आर, राव जी को प्राप्त है।

20 कर्नाटक को किसका आगार कहते हैं?

उत्तर :– चंदन का आगार कहतॆ हैं।

21 कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ कौन– कौन सी हैं?

उत्तर :– कावेरी, कृष्णा, तुंग–भद्रा आदि हैं।

22 श्रवण बेलगोल में क्या है?

उत्तर :– 57 फुट ऊँची गोमटॆश्वर की मूर्ति है।

23 वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण कौन-सा है?

उत्तर :– गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है।

24 कर्नाटक के वैभव का प्रतीक कौन-सा है?

उत्तर :– मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।

25 क्रांतिकारी वचनकार कौन थे?

उत्तर :– क्रांतिकारी वचनकार बसवण्णा थे।

26 दास साहित्य कॆ कवियों ने कैसे गीत गाये हैं?

उत्तर :– भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं।

27 अनमोल वचन द्वारा हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर :– प्रेम, दया और धर्म की सीख मिलती है।

28 अब तक कन्नड भाषा के कितने कवियों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है?

उत्तर :– आठ कवियों कॊ।

विस्तृत रूप :

एच.ए.एल - हिंदुस्तान एरॊनाटिकल लिमिटॆड

एच.एम.टी - हिंदुस्तान मशीन टूल्स

आइ.टी.आइ - इंडियन टॆलीफोन इंडस्ट्रीस

बी.ई.एल - भारत इलॆक्ट्रानिक्स लिमिटॆड

बी.एच.ई.एल - भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

1 कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन-कौन-से हैं?

उत्तर :– कावेरी, कृष्णा, तुंग-भद्रा आदि कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ हैं और जोग, अब्बी, गोकाक, शिवन समुद्र आदि प्रमुख जलप्रपात हैं।

2 कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है?

उत्तर :– कर्नाटक के कुवेम्पु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ.गोकाक, यू.आर.अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चंद्रशेखर कंबार को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है।

3 बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं?

उत्तर :– बाँधों से हज़ारों एकड़ ज़मीन सींची जाती है। नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा-उत्पादन केंद्र स्थापित किये गये हैं।

4 कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

उत्तर :–गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होय्सल, ओडेयर, आदि कर्नाटक के प्रमुख राजवंश हैं।

5 बेंगलूरु में कौन-कौन-सी बृहत संस्थाएँ हैं?

उत्तर :– बेंगलूरु में भारतीय विज्ञान संस्थान,एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ, बी.एच.ई.एल, बी.ई.एल, आदि बृहत संस्थाएँ हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए:-

1 कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :– प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है । कर्नाटक की प्राकृतिक सुषमा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं । इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्री कहलाता है । दक्षिण में नीलगिरि की पर्वतावलियाँ शोभायमान हैं ।

2 कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ।

उत्तर :– कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है । बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लू में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है । बेलूर, हलेबीडु, सोमनाथपुर के मंदिरों में पत्थर की जो मूर्तियाँ हैं, वे सजीव लगती हैं । ये सुंदर मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत, पुराणों की कहानियाँ सुनाती हैं । श्रवणबेलगोला में 57 फुट ऊँची गोमटेशवर की एकशिला प्रतिमा है, जो दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है । विजयपुरा के गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी वास्तुकला का अद्‌वितीय दृष्टांत है । मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है । प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च, जगनमोहन राजमहल (आर्ट गैलरी) का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय हैं ।

3 कन्नड भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है ?

उत्तर :– कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है । वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल 'वचनों' द्‌वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है । पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं । पंपा, रन्ना, पोन्ना, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड़ साहित्य को समृद्ध बनाया है ।

4 कर्नाटक की विशेषताएँ क्या हैं ?

उत्तर :– कर्नाटक खूबियों से भरा राज्य है । बेंगलूरु सारे विश्व में प्रौधोगिकी और तक्नीकी के क्षेत्र में नाम बनाया है । यहाँ भारत के बड़े–बड़े संस्थाओं के केंद्र हैं, जैसे कि भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी., आइ.टी.आइ. बी.एच.ई.एल. आदि । इन सब खूबी के कारण इसे 'सिलिकान सिटी' भी कहा जाता है।

सर.सी.वी.रामन, सर.एम.विश्वेश्वरय्या आदि दिग्गजों ने वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नारायण मूर्ति ने कर्नाटक का नाम रोशन किए हैं ।

यहाँ हर प्रकार के खनिजों का भंड़ार हैं । सोना, ताँबा, लोहा युरेनियम आदि मिलती हैं । चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में होने के कारण कर्नाटक को 'चंदन का आगार ' कहते हैं ।

****

पाठ - 16 बाल - शक्ति (लघु नाटिका) : जगत राम आर्य

एक वाक्य में उत्तर लिखिए:-

1 कौन-कौन कंचे खेल रहे थे?

उत्तर :– रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे।

2 खेल में कौन सदा बेईमानी करता है?

उत्तर :– खेल में रामू सदा बेईमानी करता है।

3 रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है?

उत्तर :– रामू को स्कूल जने के लिए मोहन कहता है।

4 रामू ने किस विषय का गृह-कार्य नहीं किया था?

उत्तर :– रामू ने गणित विषय का गृह-कार्य नहीं किया था।

5 हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है?

उत्तर :– हमें छोटी उम्र में अच्छी आदतें डालनी है।

6 रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली?

उत्तर :– रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी संजय ने ली।

7 टोली का मुखिया कौन बना?

उत्तर :– टोली का मुखिया मोहन बना।

8 बच्चों की तारीफ किसने की?

उत्तर :– बच्चों की तारीफ कलेक्टर साहब ने की।

9 बाल शक्ति कैसी रचना है?

उत्तर :– लघु नाटिका है।

10 रामू स्कूल की छुट्टी कब करता है?

उत्तर :– जब वह गृह काय नही करता है तब स्कूल की छुट्टी करता है।

11 एक झूठ छिपाने के लिए क्या करना पडता है?

उत्तर :– एक झूठ छिपाने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं।

12 मनोज के अनुसार बच्चों को पाप कब तक नहीं लगता?

उत्तर :– बारह साल से नीचे की उम्र के बच्चों को पाप नहीं लगता।

13 टोली का नाम क्या था?

उत्तर :– बाल-शक्ति ।

14 रामू किस विषय का गृहकार्य नहीं किया था?

उत्तर :– गणित का ।

15 कलेक्टर क्यों प्रसन्न हुए?

उत्तर :– गाँव को साफ–सुथरा देखकर कलेक्टर प्रसन्न हुए।

16 गाँव को एक नया जीवन प्रदान करनेवाले कौन थे?

उत्तर :– बाल-शक्ति टोली।

17 कलेक्टर ने टोली को कितने पैसे दिये?

उत्तर :– पाँच हज़ार रूपये ।

18 मोहन ने पुरस्कार की धन राशी को किसे सौंपा?

उत्तर :– प्रधानाध्यापक को ।

19 पुरस्कार धन को किसमें व्यय करने का निर्णय किया गया।

उत्तर :– पुरस्कार के धन को पुस्तकालय पर व्यय करने का निर्णय किया गया |

दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

1 रामू में कौन-कौन-सी बुरी आदतें थीं?

उत्तर :– रामू में बहुत सारी बुरी आदतें थीं। जैसे खेल में बेईमानी करना, झूठ बोलना, आलस्य जिसके कारण वह गृह-कार्य भी नहीं करता था।

2 गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं?

उत्तर :– गाँव की सफाई के लिए बालकों ने रोज़ एक घंटा सफाई का काम करने का निश्चय किया। गाँव के गड्ढों को मिट्टी से ढाँपना चाहा। गाँव का कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाकर, सभी लोगों से उसी जगह पर कूड़ा डलाने का निश्चय किया।

3 कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में क्या कहा?

उत्तर :– कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में कहा कि "इस गाँव को साफ-सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है। गाँव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है। इन बच्चों की बड़ाई की जाए उतनी ही थोड़ी है। इन सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है। बाल-शक्ति के कारण आपका गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है। सरकार की तरफ से "बाल-शक्ति" टोली को पाँच हज़ार रुपये दिए गए हैं।"

4 पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है?

उत्तर :– पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन सोचता है कि "ये रुपये हम प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे। स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए हम पुस्तकों का प्रबंध करेंगे।"

तीन-चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :-

1 गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है?

उत्तर :– गाँव को साफ-सुथरा रखने से, गाँव के गड्ढों को मिट्टी से ढाँपने से गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है। गाँव को हरा-भरा रखने के लिए चारों तरफ पेड़-पौधे लगाने से और अपने घरों में भी फलदार पेड़ लगाने से, गाँव के वातावरण को स्वच्छ रखने से गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है।

2 बाल शक्ति पाठ का आशय क्या है ?

उत्तर :– इस पाठ में पाँच–छः लड़के संगठित होकर अपनी बाल–शक्ति को प्रकट कर रहे हैं । कुछ लड़के एक साथ रहकर अच्छी आदतों को अपनाने का प्रयत्न करते हैं । इतना ही नहीं सब बच्चे मिलकर अपने गाँव को एक नया जीवन प्रदान करते हैं । इस पाठ द्वारा बाल–शक्ति का महत्व बताया जा रहा है। क्योंकि आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं।

****

पाठ -17 कोशिश करनेवालों की कभी हार नही होती (कविता)

: सोहनलाल द्विवेदी

निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक - एक वाकय में लिखिए :

1 कोशिश करनेवालों की कभी हार नही होती कवित के कवि कौन है ?

उत्तर:- कोशिश करनेवालों की कभी हार नही होती कवित के कवि सोहनलाल द्विवेदी जी है

2 प्रस्तुत कवित मे कवि ने क्या संदेशा दिया है ?

उत्तर:- इस कविता में कवि यह संदेश दिया है कि प्रयत्नशील व्यक्ति की निश्चित रूप से जीत होती है ।

3 किससे डरकर नौका पार नही होती ?

उत्तर:- लहरों से डरकर नौका पार नही होती ।

4 किसको कभी हार नही होती है ?

उत्तर:- कोशिश करनेवालों की कभी हार नही होती ।

5 दाना ले कर चलनेवाले कौन है ?

उत्तर:- नन्ही चींटी दाना लेकर चलता है।

6 नन्ही चींटी दाना लेकर कहाँ चढती है ?

उत्तर:- नन्ही चींटी दाना लेकर दीवार पर चढती है ।

7 दीवार पर से चींटी कितनी बार फिसलती है ?

उत्तर:- सौ बार फिसलती है ।

8 चींटं मन मे क्या भरता है ?

उत्तर:- चींटी मन मे विश्वास और रगों मे साहस भरता है।

9 किसकी मेहनत बेखार नही होता है?

उत्तर:- चींटी की मेहनत बेखार नही होता है ।

10 सिंधु मे डुबकियाँ कौन लगाता है ?

उत्तर:- गोताखोर सिंधु मे डुबकियाँ लगता है ।

11 मोति कहाँ होती है ?

उत्तर:- मोति गहरे पानी मे होती है ।

12 कुछ किये बिना ही क्या नही होती ?

उत्तर:- कुछ किये बिना ही जय-जयकार नही होती ।

13 किसको मैदान छोडकर भागना नही चाहिए ?

उत्तर:- कोशिश करनेवालों कि संघर्ष का मैदान छोडकर नही भागना चाहिए ।

13 किसकी मुट्ठी खाली नही होती ?

उत्तर:- कोशिश करनेवालों की मुट्ठी कभी खाली नही होती ।

14 हमे क्या स्वीकार करना चाहिए ?

उत्तर:- असफलता एक चुनौती है हमे इसे स्वीकार करना चाहिए ।

15 हमें क्या सुधारना चाहिए ?

उत्तर:- हमे अपनी गलतियों को सुधारना चाहिए ।

16 हमे कब तक नींद को त्यागना चाहिए ?

उत्तर:- जब तक कार्य मे सफल न हो तब तक चैन के नींद को त्यागना चाहिए ।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

उत्तर:- कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना लेकर जाते समय जब दीवारों पर चडती है तब सौ बार पिसलती है । मन का विश्वास रगों में भरती है । चढ़कर गिरनाा और गिरकर चढ़ने केलिए नहीं डरती है । अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है ।

2 गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या हैं ?

उत्तर:- गोताखोर के बारे में कवि कहते है कि, गोताखोर सागर में डुबकियाँ लगातार लगाकर खाली हाथ वापस लौटकर आता है । सहज पानी में मोती नहीं मिलते है, उसके लिए गहरे पानी में जाना पडता है । इससे उसकी उत्साह दुगना बढता रहता है । अंत में उसकी हाथ खाली नहीं रहती है |

3 असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते है ?

उत्तर:- असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि संदेश देते हुए कहते है कि, असफलता एक चुनौती है, हम इसे स्वीकार करना चाहिए । असफलता क्यों हो रही है, क्यों होरही है इसे पहचानकर गलतियों को सुधारना चाहिए । जब तक हम हमारे काम में सफल नहीं होते तब तक नींद और चैन को त्याग देना चाहिए । संघर्ष का मैदान छोड़कर हम भागना नहीं चाहिए । हम कुछ किये बिना हमारी जय–जयकार नहीं होती है ।

निम्न लिखित प्रश्नों के लिए तीन - चार वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1 कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती पद्य की आशय क्या है ?

उत्तर:- कवि सोहनलाल द्विवेदी जी अपनी कविता "कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती" में कोशिश करने से सफलता प्राप्त करने का संदेश मिलता है । कवि कहते हैं कि जीवन की प्रतियोगिता में असफलता से विमुख न होते हुए अपनी कमियों को खुद पहचानकर स्वप्रयत्न से लगातार आगे बढ़ने से हार कभी नहीं होती है । नौका, चींटी, गोताखोर आदि उदाहरण द्वारा यह स्पष्ट कराते हैं कि सफलता इतनी आसानी से मिलने वाला चीज़ नहीं है । उसे पाने के लिए लगातार प्रयत्न के साथ दृढ़ता और ढ़ेर सारे आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए ।

2 भावार्थ लिखिए :

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है ।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,

चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है ।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ।

भावार्थ :- कवि सोहनलाल द्विवेदी ने अपनी कविता कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती पद्य में सफलता का राज़ बताते हुए लिखते हैं कि प्रकृति में ऐसा कोई जीव नहीं है कि नन्हीं चींटी दाना लेकर दीवारों पर चढ़ती है तो हर बार गिरती है । पर कभि हार नहीं मानती । हर बार एक नयी जोश से दुगना उत्साह के साथ चढ़ने लगती है । जितनी बार गिरने पर भी वह चींटी को बुरा नहीं लगता । अंत में वह तब तक नहीं रुकती जब तक चींटी पूरी नहीं चढ़ती । चींटी की इस कोशिशों से हमें यही पता लगता है कि कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ।

****

-: पूरक वाचन :-

01 - शनि : सबसे सुन्दर ग्रह

1 सौर मंडल का सबसे बढ़ा ग्रह कौन- सा है ?

उत्तर : सौर मंडल का सबसे बढ़ा ग्रह शनि ग्रह है |

2 सौर मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ?

उत्तर : सौर मंडल में शनि ग्रह का स्थान दूसरा बढ़ा ग्रह है |

3 पृथ्वी और सूर्या में कितना फासला है ?

उत्तर : पृथ्वी और सूर्या में करीब 15 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है |

4 शनि किसका पुत्र है ?

उत्तर : शनि सूर्य का पुत्र है |

5 शनैःचार का क्या अर्थ है ?

उत्तर : शनैःचार का अर्थ है धीमी गाती से चलनेवाला |

6 सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है ?

उत्तर :सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को करीब तीस वर्ष (29.5) लगता है |

7 शनि एक राशि में कितने साल तक रहता है ?

उत्तर : शनि एक राशि में करीब ढाई (2,25) साल तक रहता है |

8 बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है ?

उत्तर : बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है |

9 शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

उत्तर : शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन, एमोनिया गैस से हुआ है |

10 सौरमंडल का सबसे बढ़ा उपग्रह कौन - सा है ?

उत्तर : सौरमंडल का सबसे बढ़ा उपग्रह गेनीमेड है |

11 प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में क्या ढाला है ?

उत्तर :प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में खूब सुन्दर माला ढाला है |

12 शनि ग्रह का तापमा कितना है ?

उत्तर : शनि ग्रह का तापमा शून्य से 180 डिग्री सेल्सियससे कम है | इसीलिए इस ग्रह को ठंडा ग्रह कहा जाता है |

02 - सत्य की महिमा

निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :

1 सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसा होता है?

उत्तर :सत्य बहुत भोला - भाला, बहुत ही सीधा-साधा है | जो कुछ भी अपनी आँखों से देखा,बिना मिर्च लगाए बोल दिया यही तो सत्य है |

2 झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या-क्या सहना पड़ता है ?

उत्तर :झूठ का सहारा लेते है तो एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते हैं |

3 शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

उत्तर :शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका इस प्रकार है - 'सत्यं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम' अर्थात सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो |

4 संसार में महान व्यक्रियों ने सत्य का सहारा लिया है | - सोदाहरण समझाइए |

उत्तर :संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है -

उदाहरण :- रजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठता है | उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पडा , लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नही है | राजा दशरथ ने सत्यवचन के लिए अपने प्राण त्याग दिये |

5 झूठ बोलनेवालों की हाल कैसी होती है ?

उत्तर :झूठ बोलनेवालों की हालत,कभी - कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर उसमें अधिक हानि ही होती है | क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है | व्यक्तित्व कुंठित होता है | झूठ बोलनेवालों से लोगों का विशवास उठ जाता है| उसकी उन्नती के द्वार बंद हो जाते हैं |

6 महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कहना है ?

उत्तर :महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में कथन है - महात्मा गाँधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर किया | उनका कथन है 'सत्य एक विशाल वृक्ष है |' उसका जितना आदार किया जाता है , उतना ही फल उसमें लगते हैं | उसका अंत नही होता |'

7 हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए ?

उत्तर :सत्य एक चिंगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है | अतः हमें हर स्थिति में सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास करना चाहिए |

8 सत्य दृष्ठी का प्रतिबिंब है , ज्ञान की क्या है ?

उत्तर :सत्य दृष्ठ का प्रतिबिंब है , ज्ञान की प्रतिलिपि है |

'सत्य मेव जयते , नानृतम' का अर्थ क्या है ?

उत्तर :'सत्य मेव जयते , नानृतम' का अर्थ है - सत्य की ही विजय होता है, असत्य की नही

०३ ागरीक के कर्तव्य

1 मीना मैडम कार्य शिबिर में कौनसा कार्यक्रम आयोजन किए ?

उत्तर :हिन्दी मीना मैडम ने समुदाय भवन में १५ दिवसीय एक कार्यशिबिर आयोजित किये थे । कविता –वाचन, कविता – रचना, नाटक –प्रदर्शन, संभाषण – कौशल, टेराकोट गुड़िया बनाना, इत्यादि कार्यक्रम यहाँआयोजित किया गय था । शुक्रवार का विषय था 'नागरिक के मूल कर्तव्य' ।

2 अकुल के इसाब से नागरिक के कर्तव्य क्या है ?

उत्तर :अकुल कहता है कि एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहारआदि का आदर करना चाहिए ।

3 नागरिक के कर्तव्य के बारे में सलमा का राय क्या है ?

उत्तर :नागरिक के कर्तव्य के बारे में सलमा कहती है कि, प्रकृति हमारी माता है । इसलिए हमें प्राकृतिकसंसाधनों का अपव्यय करना नही चाहिए । अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है ।

4 नीलिमा का अनुसार नागरिक कर्तव्य क्या है ?

उत्तर :नीलिमा अनुसार देश के प्रति गौरव का भाव रखना एवं देश की एकता और अखंडता को कायम रखनाहमारा कर्तव्य है ।

5 अन्वर नागरिक के कर्तव्य के बारे में क्या कहता है ?उत्तर :समस्त देशवासियों के प्रति भाई चारे का भाव रखना और जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारितसभी भेद – भावों से दूर रहना चाहिए । यह अन्वर के अनुसार नागरिक के कर्तव्य है

6 जार्ज के अनुसार नागरिक के कर्तव्य क्या है ?

उत्तर :जार्ज कहता है कि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुधार की भावना का विकास करना भी नागरिक का कर्तव्यहोता है ।

7 स्टेला नागरिक के कर्तव्य के बारे में क्या कहती है ?

उत्तर :स्टेला के अनुसार हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि अपनी संस्कृति और गौरवशाली का सम्मान करनाचाहिए । संविधान के नियमों का पालन भी करना चाहिए ।

-: कन्नड़ में अनुवाद करें :-

1 गाजर भी पहले ग़रीबों के पेठ भरने की चीज थी |
ಗಜ್ಜರಿ / ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಕೂಡ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

2 दूकानदार ने कहा - बड़े मजेदार सेब आये हैं |
ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ – 'ತುಂಬಾ ಅದ್ಬುತವಾದ ಸೇಬು ಬಂದಿದೆ'.

3 एक सेb भी खाने लायक नहीं |
ಒಂದೂ ಸೇಬು ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.

4 दूकानदार ने मुझसे क्षमा मांगी |
ಅಂಗಡಿಯವನು ನನ್ನ ಬಳಿ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

5 कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका |
ಹಲವು ಘಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ(ಬಳಿಕ) ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲು ಸಾಧ್ಯವಾಯಿತು.

6 बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठाना सिखाया |
ತುಂಬಾ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕೂರುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

7 गिल्लू मेरे पास रखे सुराही पर लेट जता था |
ಗಿಲ್ಲೂ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ಗಡಿಗೆಯ / ಹೂಜಿಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.

8 दिनभर गिल्लू ने कुछ खाया न वह बाहर गया |
ದಿನವಿಡೀ ಗಿಲ್ಲು ಏನೂ ತಿನ್ನಲೂ ಇಲ್ಲ ಹೊರಗೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

9 उसकी आयू लगभग 12 वर्ष की थी |
ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸುಮಾರು 12 ವರ್ಷದ್ದು.

10 सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका |
ಮುಂಜಾನೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೆ ಏನೂ ಮಾರಾಟವಾಗಿಲ್ಲ.

11 मै भीख नही लूंगा |
ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.

12 बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए |
ತುಂಬಾ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.

13 बसंत ओंठ भींचकर आह खींचता है |

ಬಸಂತ ತುಟಿ ಕಚ್ಚಿ ಹಿಡಿದು ಅಳು/ನೋವು ಸಹಿಸಿಕೊಂಡನು.

14 यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है |
ಇವನು ಬಡವನಾದರೂ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ದುರ್ಲಭ (ಅಲಭ್ಯ) ಗುಣವಿದೆ.

15 इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बनगया है |
ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನ ಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಆಂಗವಾಗಿದೆ.

16 इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं |
ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೋಂಡೇ ಖರೀದಿಸಬಹುದು.

17 इंटरनेट की साहयता से बेरोजगारी को मीठा सकते हैं |
ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಹೋಗಲಾಡಿಸಬಹುದು (ನಿವಾರಿಸಬಹುದು).

18 हम आपको आने-जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे |
ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು–ಹೋಗುವ ಮೊದಲನೇ ದರ್ಜೆಯ ಖರ್ಚು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

19 स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ |
ಸ್ಟೇಷನ್ನಿನಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.

20 देखिए, चप्पलें एक जगह नही उतारनी चाहिए |
ನೋಡಿ ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಕಡೆ ಬಿಡಬಾರದು.

21 अब मै बचा हूँ | अगर रुका तो मै ही चुरालिया जाऊँगा |
ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದಿದ್ದೇನೆ, ಒಂದು ವೇಳೆ ಉಳಿದುಕೊಂಡರೆ ನಾನೇ ಕಳುವಾಗುತ್ತೇನೆ.

22 भैस ने दोस्तों को पंजरा दिखाया |

ಎಮ್ಮೆಯು ಸ್ನೇಹಿತರಿಗೆ ಪಂಜರ (ಅಸ್ತಪಂಜರ) ತೋರಿಸಿತು.

23 सांप ने कहा, 'आगे की बात मै नहीं जानता' |
ಹಾವು ಹೇಳಿತು, – 'ಮುಂದಿನದು ನನಗೆ ತಿಳಿದಿಲ್ಲ'.

24 हाथी बोला, 'इसमें क्या कठिनाई है' |
ಆನೆ ಹೇಳಿತು, – 'ಇದರಲ್ಲಿ ಕಷ್ಟವೇನಿದೆ ?'.

25 तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी |
ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದ ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತ್ತತ್ತು.

26 बिछेन्द्री का जन्म एक सादारण परिवार में सुआ था |
ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನನ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.

27 बिछेन्दरी को रोज पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था |
ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ದಿನನಿತ್ಯ ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಲ್ಲೇ ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬಾಕಾಗಿತ್ತು.

28 दक्षिण शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी |
ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.

29 हुझे लगा] की सफलता बहुत नज़दीक है |
ನನಗನಿಸಿತು ಸಫಲತೆ ತುಂಬಾ ಹತ್ತಿರವಿದೆ.

30 मै एवेरेस्ट की चोटी पर पहुंचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी |
ನಾನು ಎವೆರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಪ್ರಥಮ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದೆ.

31 कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूरू है |
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು.

32 कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं |
ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೇರಳವಾವಿವೆ.

33 जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वास्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है |
ಜಗನ್ಮೋಹನ ಅರಮನೆಯ ಪುರಾತತ್ವ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.

34 वाचनकार बसवण्णा क्रान्तिकारी समाज सुधारक थे |
ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

****

-: अनुरूपता शब्द :-

01	वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : उपन्यास
02	शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : शब्द-युग्म
03	बायें हाथमें : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में : ज्ञान दीप
04	हस्त : हाथ :: पताका : ध्वज
05	भगवतीचरण वर्मा का जन्म : 1903 :: भगवतीचरण वर्मा का जन्म : 1981
06	केला : पीला रंग :: सेब : लाल तंग / गुलाबी रंग
07	सेब : फल :: गाजर : सब्जी
08	नागपुर : संतरा :: कश्मीर : सेब
09	कपड़ा : नापमा :: तोमोटर : तोलना
10	महादेवी वर्मा जी का जन्म : 1907 :: महादेवी वर्मा जी का मरण :1987

11	सोनजुही : लता :: गुलाब : पौधा
12	हँस : सफेद : कौआ : काला
13	बिल्ली : म्याऊं - म्याऊं : गिल्लू : चिक-चिक
14	कोयल : मधुर स्वर : कौआ : कर्कशा स्वर
15	गिरी : पहाड़ :: वारी : जल
16	पवन : वायू :: सिंधु : सागर
17	झमीन ; आसमान :: आकाश : पृथ्वी / भूमी
18	ट्रेन : भूयान :: नौका : जलयान
19	नर : आदमी :: उर : ह्रुदय
20	हिंदु : मंदिर :: इस्लाम : मस्जीद
21	पं राजकिशोर : किशनगंज :: बसंत : आहीर टीला
22	पं राजकिशोर : मालिक :: अमरसिंह : नौकर
23	प्रताप : छोटा भाई : वर्मा : डॉक्टर
24	पंडित राजकिशोर : मजदूरों के नेता :: बसंत : गरीब शरणार्थी बालक
25	प्रश्नार्थक चिन्ह : ? :: भावसूचक / विस्मयादिबोधक चिन्ह : !
26	दया : धर्म का मूल :: अभिमान : पाप का मूल
27	परिहरि : त्यागना :: करतार : सृष्टिकर्ता
28	जीह : जीभ :: देहरी : दहलीज
29	कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : अंतर्जाल
30	IT : इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी :: ITES : इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेस
31	फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : अभिशाप
32	वीडियो कानफरेन्स : विचार विनिमय :: ई- प्रशासन : पारदर्शी प्रशासन
33	पहला दिन : चप्पलें गायब :: दूसरे दिन : धुप का चश्मा
34	तीसरे दिन : कंबल गायब :: चौथे दिन : टाला गायब
35	रिक्षा : तीन पहियाँ :: साईकल : दो पहियाँ
36	रेलगाड़ी : पटरी :: हवाई जहाज : आसमान
37	हाथी जंगली जानवर :: भैंस : पालतू जानवार
38	मछली : पानी :: सांप : धरती
39	मछाली : तैरना :: सांप : रेंगना
40	हाथी : सूंड : भैंस : सिंग
41	आलस : परिश्रम :: लाभ : नष्ट
42	जानो : मानो :: लगा दो : जोड़ दो
43	धन : निर्धन :: दिया : लिया
44	जीवन : मरण :: खोना : पाना
45	शेरू को टहलाना : रोबोनिल ::झबरू को टहलाना : रोबोदीप
46	मुखिया : धीरज सक्सेना :: सेवक : साधोराम

47	टस से मस होना : अटल रहना : फूल न समाना : अत्यंत खुश होना
48	पहाड़ : गिरी :: छोटी : शिखर
49	कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : ग्लेशियर
50	कर्नल : खुल्लर :: मेजर : कुमार
51	चाय : गरम :: बर्फ : ठंडा
52	बलभद्र : बलराम :: कान्ह : कृष्ण
53	जसोदा : माता :: नंद : पिता
54	रीझना : मोहित होना :: खिजाना : चिढाना
55	बलबीर : बलराम :: जसोदा : जसुमति / यशोधा
56	सी.वी.रामन : नोबेल पुरस्कार :: सर एम् विश्वेश्वरय्या : भारत रत्न
57	कर्नाटका : चंदन का आगार :: बेंगलूरू : सिलिकॉन सिटी
58	भद्रावती : लोहे और इस्पात :: मैसूरू : राजमहल और आर्ट गैलरी
59	कावेरी : नदी :: जोग : जलप्रपात
60	बेलूरू : शिल्प कला :: बीजापुर(विजयपुर) वास्तुकला (विस्परिंग गैलरी)
61	कृष्णदेवराय : शासक : राष्ट्रकूट : राजवंश
62	पम्पा : प्राचीन कवि :: कंबार : आधुनिक साहित्यकार
63	मेहनत : परिश्रम : कोशिश : प्रयत्न / प्रयास
64	चडना : उतरना :: हारना : जीतना
65	स्वीकार : इन्कार :: चैन : आराम / सुख
66	सिंधु : समुद्र :: हाथ : हस्त
67	दक्षिण से उत्तर के चोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट :: दक्षिण की पर्वतावालियाँ : नीलगिरी
68	पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनसिंग नोगें :: पहले एवेरेस्ट पर्वतारोही महिला : बिछेन्दरी पाल
69	मैया : माँ :: माहि : मुझे
70	तुलसीदास : राजापुर :: सूरदास रुनकता

-: व्याकरण भाग :-

-: लिंग :-

-: अन्य लिंग शब्द :-

क्र. सं	पुल्लिंग - स्त्रीलिंग		क्र. सं	पुल्लिंग - स्त्रीलिंग
01	छात्र - छात्रा		33	कुत्ता - कुतिया
02	आचार्य - आचार्या		34	बूढ़ा - बुढ़िया
03	महान - महती		353	कुत्ता - कुतिया
04	श्रीमान - श्रीमती		36	चूहा - चुहिया
05	भाग्यवान - भाग्यवती		37	बालक - बालिका
06	स्वामी - स्वामिनी		38	सेवक - सेविका
07	एकाकी - एकाकिनी		39	लेखिक - लेखिका
08	दाता - दात्री		40	लड़का - लड़की

-:

09	विधाता - विधात्री		41	बच्चा - बच्ची
10	भाई - बहन		42	दुबला - दुबली
11	नर - मादा		43	पतला - पतली
12	भैंसा - भैंस		44	थैला - थैली
13	भेड़ा - भेड़		45	नर - नारी
14	सम्राट - सम्राज्ञी		46	नाना - नानी
15	वर - वधू		47	बेटा - बेटी (बिटिया)
16	कवि - कवयित्री		48	सेठ - सेठानी
17	बाप - माँ		49	नौकार - नौकरानी
18	पुरुष - स्त्री		50	शेर - शेरनी
19	आदमी - औरत		51	साहेब -साहिबा
20	देव - देवी		52	पंड़ित -पंड़िताइन
21	लम्बा - लम्बी		53	पाठक - पाठिका
22	काला - काली		54	बाबू - बबुआइन
23	पीला - पीली		55	साधु - सधुआइन (साध्वि
24	घोड़ा - घोड़ी		56	मेहतर - मेहतरानी
25	मोर - मोरनी		57	सेठ -सेठानी
26	मयूर - मयूरी		58	जेठ - जेठानी
27	शेर - शेरनी		59	शिव - शिवानी
28	ऊँट - ऊँटनी		60	हलवाई - हलवाइन
29	ब्राहम्ण - ब्राह्मणी		61	सुनार - सुनारिन
30	अकेला - अकेली		62	ठाकुर - ठकुराइन
31	पुतला - पुतली		63	शिष्य - शिष्या
32	माली - मालिन		64	पुत्र - पुत्री

वचन :-

-: अन्य वशन शब्द :-

क्र. सं	एक वचन - बहुवचन	क्र. सं	एक वचन - बहुवचन	क्र. सं	एक वचन - बहुवचन
01	चीज़ - चीजें	28	रास्ता - रास्ते	55	बच्चा - बच्चे
02	शाखा - शाखाएँ	29	दुकान - दुकानें	56	गली - गलियाँ
03	माता - माताएँ	30	रेवड़ी - रेवड़ियाँ	57	केला - केले
04	लता - लताएँ	31	नारी - नारियाँ	58	नौका - नौकाएँ
05	महिला - महिलाएँ	32	पहेली - पहेलियाँ	59	पुस्तक - पुस्तकें
06	गाय - गायें	33	सहेली - सहेलियाँ	60	पैसा - पैसे

07	बात - बातें	34	नदी - नदियाँ	61	पत्ता - पत्ते
08	याद - यादें	35	घड़ी - घड़ियाँ	62	परदा - परदे
09	रात - रातें	36	छड़ी - छड़ियाँ	63	कमरा - कमरे
10	आँख - आँखें	37	बुढिया - बुढियाँ	64	दायरा - दायरे
11	लात - लातें	38	गुडिया - गुडियाँ	65	जगह - जगहें
12	फल - फल	39	दुनिया - दुनियाँ	66	कोशिश - कोशिशें
13	घर - घर	40	चिड़िया - चिड़ियाँ	67	युग - युग
14	रुपया - रुपये	41	डिबिया - डबियाँ	68	दोस्त - दोस्त
15	आँख - आँखें	42	साड़ी - साडियाँ	69	कंप्यूटर - कंप्यूटर
16	कर्मचारी - कर्मचारियाँ	43	वस्तु - वस्तुएँ	70	रिश्तेदार - रिश्तेदार
17	व्यापारी - व्यापारियाँ	44	ऋतु - ऋतुएँ	71	चिट्ठी - चिट्ठियाँ
18	जीवनशैली-जीवन्शैलियाँ	45	जानकारी-जानकारियाँ	72	कपड़ा - कपड़े
19	चादर - चादरें	46	बात - बातें	73	डिब्बा - डिब्बे
20	चीज़ - चीज़ें	47	कहानी - कहानियाँ	74	गुफा - गुफाएँ
21	पेड़ - पेड़	48	पत्ती - पत्तियाँ	75	हड्डी - हड्डियाँ
22	मछली - मछलियाँ	49	लकडी - लकडियाँ	76	पट्टी - पट्टियाँ
23	लोग - लोग	50	बेटा - बेटे	77	नाती - नातियाँ
24	कुत्ता - कुतिया	51	छुट्टी - छुट्टियाँ	78	बेटी - बेटियाँ
25	पोता - पोते	52	कंपनी - कंपनियाँ	79	नौकरी - नौकरियाँ
26	चट्टान - चट्टानें	53	रस्सी - रस्सियाँ	80	शीशा - शीशाएँ
27	चोटी - चोटियाँ	54	पहेली - पहेलियाँ	81	सौरमंडल - सौरमंडल

-: प्रेरणार्थक क्रिया रूप :-

क्र सं	क्रिया शब्द	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
01	करना	कराना	करवाना
02	चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
03	लिखना	लिखाना	लिखवाना
04	मिलना	मिलाना	मिलवाना
05	चलना	चलाना	चलावाना
06	देखना	दिखाना	दिखवाना
07	भेजना	भिजाना	भिजवाना
08	खेलना	खिलाना	खिलवाना
09	देना	दिलाना	दिलवाना
10	सोना	सुलाना	सुलवाना

11	रोना	रूलाना	रूलवाना
12	धोना	धुलाना	धुलवाना
13	खोलना	खुलाना	खुलवाना
14	पीना	पिलाना	पिलवामा
15	सीना	सिलाना	सिलवाना
16	सीखना	सिखाना	सिखवाना
17	माँगना	मँगाना	मँगवाना
18	बाँटना	बँटाना	बँटवाना
19	जाँचना	जँचाना	जँचवाना
20	माँझना	मँझाना	मँझवाना
21	रोना	रूलाना	रूलवाना
22	बैठना	बिठाना	बिठवाना
23	जगना	जगाना	जगवाना
24	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
25	धोना	धुलाना	धुलवाना
26	लौटना	लौटाना	लौटवाना
27	देखना	दिखाना	दिखवाना
28	उतरना	उतराना	उतरवाना
29	पहनना	पहनाना	पहनवाना
30	हँसना	हँसाना	हँसवाना
31	उडना	उडाना	उडवाना
32	पढना	पढाना	पढवाना
33	उठना	उठाना	उठवाना
34	करना	कराना	करवाना
35	चलना	चलाना	चलवाना
36	दौडना	दौडाना	दौड्वाना
37	ओढना	ओढाना	ओढवाना
38	जीतना	जिताना	जीतवाना

-: विलोम शब्द :-

01	शाम x सुभाह		02	खरीदना x बेचना
03	बहुत x कम		04	अच्छा x बुरा
05	शिक्षित x अशिक्षित		06	आवश्यक x अनावश्यक
07	गरीब x अमीर		08	रात x दिन
09	संदेह x निस्संदेह		10	साफ x गंदा
11	बेईमान x ईमान		12	विशवास x अविश्वास

13	सहयोग x असयोग		14	हानी x लाभ
15	पास x दूर		16	गम x खुशी
17	निकट x दूर		18	उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण
19	दिन x रात		20	भीतर x बाहर
21	उपस्थिति x अनुपस्थिति		22	चढ़ाना x उतरना
23	उचित x बउचित / अनुचित		24	विशवास x अविश्वास
25	प्रिय x अप्रिय		26	ईमान x बेईमान
27	होश x बेहोश		28	संतोष x दुःख
29	खबर x बेखबर		30	स्वस्थ x अस्वस्स्थ
31	चैन x बेचैन		32	बलवान x बलहीन
33	धन x निर्धन		34	बुद्दिमान x अकल्मन्द
35	जान x अनजान		36	शक्तिवान x शक्तिहीन
37	बल x दुर्बल / निर्बल		38	दयावान x दयाहीन
39	गुण x अवगुण / निर्गुण		40	आज x कल
41	प्राचीन x आधिनिक / नवीन		42	पुरुष x स्त्री
43	नारी x नर		44	चढ़ता x उतरता
45	सामान x असमान		46	अज्ञान x ज्ञान
47	जीत x हार		48	सीमित x असीमित
49	तोडा x ज्यादा		50	पीछे x आगे
51	खरीदना x बेचना		52	लेना x देना
53	आना x जाना		54	शांति x अशांति
55	गरीब x अमीर		56	बढ़ना x घटना
57	स्थिर x अस्थिर		58	मुमकिन x नामुमकिन
59	वरदान x अभिशाप		60	दुरुपयोग x सदुपयोग
61	अनुपयुक्त x उपयुक्त		62	आगमन x निर्गमन
63	रात x दिन		64	जवाब x सवाल
65	बेचना x खरीदना		66	सज्जन x दुर्जन
67	बहुत x कम		68	दिन x रात
69	नीचे x ऊपर		70	मुश्किल x आसान
71	आगे x पीछे		72	मजबूत x कमजोर
73	लंबी x चौड़ी		74	पास x दूर
75	दोस्त x दुश्मन		76	काटना x बोना / जोड़ना
77	आरोहण x अवरोहण		78	चढ़ाना x उतरना
79	ठंडा x गरम		80	परिश्रम x आलस्य
81	सामने x पीछे		82	सुन्दर x असुंदर / कुरूप
83	विदेश x स्वदेश		84	आदि x अनादी / अंत

85	सजीव x निर्जीव		86	सदाचार x दुराचार
87	आयात x निर्यात		88	आय x व्यय
89	उल्टा x सीधा		90	हानी x लाभ
91	तोड़ x जोढ़		92	थोड़ा x बहुत / ज्यादा
93	उतार x चढ़ाव		94	आदी x अंत / अनादी

-: संधि :-

दीर्घ संधि (आ, ई, ऊ)	गुण संधि (ए, ओ, अर)	वृद्धि संधि (ऐ, औ)
संग्रह+आलय=संग्रहालय	गज+इंद्र=गजेंद्र	एक+एक=एकैक
धर्म+आत्मा=धर्मात्मा	परम+ईश्वर=परमेश्वर	मत+ऐक्य=मतैक्य
गिरि+ईश=गिरीश	महा+उत्सव=महोत्सव	सदा+एव=सदैव
रजनी+ईश=रजनीश	जल+ऊर्मि=जलोर्मि	वन+औषध=वनौषध
लघु+उत्तर=लघूत्तर	सप्त+ऋषि=सप्तर्षि	महा+औषधि=महौषधि
वधू+उत्सव=वधूत्सव	महा+ऋषि=महर्षि	महा+ओजस्वी=महौजस्वी

यण संधि (य, व, र)	अयादि संधि (अय,आय,अव,आव)	व्यंजन संधि	विसर्ग संधि
अति+अधिक=अत्यधिक	नॅ+अन=नयन	दिक+गज=दिग्गज	निः+चय=निश्चय
इति+आदि=इत्यादि	गै+अक=गायक	सत+वाणि=सद्वाणी	निः+कपट=निष्कपट
सु+आगत=स्वागत	नै+इका=नायिका	अच+अंत=अजंत	निः+रस=नीरस
मनु+अंतर=मन्वंतर	भॅ+अन=भवन	षट+दर्शन=षड्दर्शन	दुः+गंध=दुर्गंध
पितृ+आज्ञा=पित्राज्ञा	पौ+अन=पवन	वाक+जाल=वाग्जाल	मनः+रथ=मनोरथ
पितृ+उपदेश=पित्रुपदेश	नौ+इक=नाविक	तत+रूप=तद्रूप	पुरः+हित=पुरोहित

-: समास :-

<u>दो स्वतंत्र शब्दों के मेल को समास कहते हैं |</u>

समास में दो स्वतंत्र शब्दों का योग होता है | कम से कम शब्दों के प्रयोग से अधिक से अधिक अर्थ बताने की संक्षिप्त विधि को समास कहते है | दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनानेवाला शब्द समस्त पद कहलाता है | समास के विभिन्न पदों को अलग - अलग करने की प्रक्रिया को समास - विग्रह कहते हैं |

समास के छः प्रकार के होते हैं :- 1. अव्ययीभाव समास 2. कर्मधारय समास

3. तत्पुरुष समास 4. द्विगु समास

5. द्वंद्व समास 6. बहुर्वीही समास

1. अव्ययीभाव समास :-

<u>इस समास में पहला पद प्रधान होता है |</u>

अव्ययीभाव समास में फ्पहला पद अव्यय होता है और उसके समस्त पद भी अव्यय बन जाता है |

क्र सं	विग्रह	सामासिक शब्द	पहला पद		क्र सं	विग्रह	सामासिक शब्द	पहला पद
01	जन्म से लेकर	आजन्म	आ		04	जैसा संभव हो	यथा संभव	यथा
02	खटक के बिना	बेखटक	बे		05	बिना जाने	अनजाने	अन
03	पेट भर	भरपेट	भर		06	होश जिसमे न हो	बेहोश	बे

2. कर्मधारय समास :-

<u>कर्मधारय समास में उत्तर पद प्रधान होता है |</u>

इस समास में विशेषण - विशेष्य (एक शब्द विशेषण, दूसरा विशेष्य) होता है | अथवा उपमेय - उपमान का संबंध होता है |

पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह	पहला पद	दूसरा पद	समस्त पद	विग्रह
पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य				पहला पद उपमान तथा दूसरा पद विशेष्य			
सत्	धर्म	सद्धर्म / सद्धधर्म	सत् है जो धर्म	कनक	लता	कनकलता	कनक के सामान लता
पीत्	अंबर	पीतांबर	पीला है जो अंबर	चंद्र	मुख	चंद्रमुख	चंद्र के सामान मुख
नील	कंठ	नीलकंठ	नीला है जो कंठ	**पहला पद उपमेय तथा दूसरा पद उपमान**			
				मुख	चंद	मुखचंद्र	चंद्रमा रुपी मुख
				कर	कमल	करकमल	कमल रुपी कर

3. तत्पुरुष समास :-

<u>तत्पुरुष समास में दूसरा पद प्रधान होता है |</u>

इस समास में दोनों शब्दों के बीच आनेवाले परसर्गों (को, के, द्वारा, के लिए, से, का, की, के, में, पर) का लोप होजाता है|

जैसे:- जन्म की शती - जन्मशती (यहाँ परसर्ग 'की' का लोप होगया है| और समस्त पद बना है - "जन्मशती" |

उदाहरण :-

क) कर्म तत्पुरुष - कर्ता कारक की विभक्ति 'को' का लोप होता है |

स्वर्ग को प्राप्त - स्वर्गप्राप्ति
ग्रंथ को लिखनेवाला - ग्रन्थकार
गगन को चूमने वाला गगन चुम्बी
चिड़िया को मारनेवाला चिढ़ीयामार
परलोक को गमन परलोकागमन

ख) करण तत्पुरुष _ करण कारक की विभक्ति 'से', 'के द्वारा, का लोप होता है |

अकाल से पीड़ित - अकालपीडित

सूर के द्वारा कृत - सूरकृत
शक्ति से संपन्न - शक्तिसंपन्न
रेखा के द्वारा अंकित - रेखांकित
आश्रु से पूर्ण - अश्रुपूर्ण

ग) संप्रदान तत्पुरुष _ संप्रदान कारक की विभ्बक्ति 'के लिए'का लोप होता है |

सत के लिए आग्रह - सत्याग्रह
राह के लिए खर्च - राहखर्च
सभा के लिए भवन - सभाभवन
देश के लिए भक्ति - देशभक्ति
देश के लिए प्रेम - देशप्रेम
गुरु के लिए दक्षिणा - गुरुदाक्षिणा

घ) अपादान तत्पुरुष - अपादान कारक की विभक्ति 'से' का लोप होता है |

धन से हींन - धनहीन
जन्म से अँधा - जन्मांध
पथ से भ्रष्ट - पथभ्रष्ट
बंधन से मुक्त - बंधनमुक्त
धर्म से विमुख - धर्मविमुख

च) संबंध तत्पुरुष - संबंध कारक की विभक्ति 'का, की, के,' का लोप होता है |

प्रेम का सागर - प्रेमसागर
भू का दान - भूदान
देश का वासी - देशवासी
राजा की सभा - राजसभा
जल की धरा - जलधारा
राजा का पुत्र - राजपुत्र
जल का प्रपात - जल प्रपात
राजा का वंश - राज वंश
राजा का महल - राज महल

छ) अधिकरण तत्पुरुष - अधिकरण कारक की विभक्ति 'में' 'पर' का लोप होता है |

आप पर बीती - आपत्ती
कार्य में कुशल - कार्यकुशल
दान में वीर - दानवीर
शरण में आगत - शरणागत
नर से श्रेष्ट - नरश्रेष्ठ

4. द्विगु समास :-

<u>इस समास में पहला पद संख्यावाचक होता है | यह समस्त शब्द समूहवाची भी होता है |</u>

सात सौ का समूह	-	सतसई
तीन ध्गारायें	-	त्रिधारा
पाच वातों का समूह	-	पंचवटी
तीन वेणियों का समूह	-	त्रिवेणी
सौ वर्षों का	-	शताब्दी
चार राष्ट्रों का समूह	-	चौराष्ट्र
बारह साँसों का समूह	-	बारामास

5. द्वंद्व समास:-

जिस समास में दोनों पद प्रधान होते है, कोई गौण पद नही होता , उसे द्वंद्व समास कहते हैं | (इस में दो शब्दों को मिलानेवाले समुच्छाय बोधकोण का (और, तथा, या, अथवा एवं) का प्रयोग होता है |

सीता और राम	-	राम-सीता
पाप अथवा पूण्य	-	पाप-पुण्य
सुबह और शाम	-	सुबह- शाम
सुख य दुःख	-	सुख - दुःख
दाल और रोटि	-	दाल- रोटी
इधर और उधर	-	इधर-उधर
दो और चार	-	दोचार
भला या बुरा	-	भला - पूरा
देश उर विदेश	-	देश - विदेश

6. बहुर्वीही समास :-

बहुर्वीही समास में समस्तपद में कोई भी पद प्रधान न होकर अन्य कोई पद प्रधान होता है |

इस समास में विग्रह करने पर अंत में **जिसका, जिसके, जिसकी, वाला, वाले,** आते हैं |

उदहारण :

घन के सामन स्याम है जो	(कृष्ण)	-	घनश्याम
श्वेत अंबर (वस्त्र) वाली	(सरस्वती)	-	श्वेतांबरी
लम्बा है उदारजिसका	(गणेश)	-	लंबोदर
चक्रम है पाणी (हाथ) में जिसके	(विष्णु)	-	चक्रपानी
तीन है नेत्र जिसके	(शिव)	-	त्रिनेत्र
दस है आनन् जिसके	(रावण)	-	दशानन
नील है कंठ जिसके	(शिव)	-	नीलकंठ
नीले रंगवाला परदा	(परदा)	-	नीला परदा
टूटे है पैर जिसके	(लंगड़ा)	-	टूटे पैर

-: कारक :-

क्र सं	चिन्ह / व्हिभाक्तियाँ	अर्थ	कारक
01	ने	जो काम करे	कर्ता
02	को	जिस पर काम का प्रभाव पड़े	कर्म
03	से	जिसके द्वारा काम हो	करण
04	के लिए	जिसके लिए काम हो	संप्रदान
05	से	जिससे कोई वास्तु अलग हो	अपादान
06	का, के, की	जो किसी से संबंध बताए	संबंब्ध
07	में, पर	जो काम करने का आधार या स्थान हो	अधिकरण
08	हे - अरे	जिसे संबोधन क्रिया कहते हैं ।	संबोधन

-: कारकों का नाम पहचानिए :-

1 गमले के चारों ओर : सबंध कारक
2 मुँह में एक बूँद पानी : अधिकरण
3 जीवन का प्रथम वसंत : संबंध
4 खिड़की की खुली जाली : संबध
5 मैंने कीलें लिकाल कर : कर्ता
6 झूले से उतारकर ; अपादान
7 सुराही पर लेट जाता : अधिकरण
8 कुछ पाने के लिए : संबध
9 गिल्लू को पकड़कर : कर्ता
10 रमेश के पिटा मुम्बई में रहते हैं : अधिकरण
11 संगोल्ली रायान्ना का जन्म : संबंध
12 मोहन ने संगीता को एक किताब दी : कर्ता
13 लोगों ने चोर को पकड़ा : कर्म
14 रमेश कलाम से पत्र लिख रहा है :
15 नेहा शोभा के लिए पुस्तक लायी : संप्रदान
16 अरे ! यह क्या होगया : संबोधन

-: विराम चिन्ह :-

01	अल्प विराम	,
02	अर्ध विराम	;
03	पूर्ण विराम	।
04	प्रश्न चिन्ह	?
05	भावसूचक / विस्मयादिबोधक चिन्ह	!
06	योजक चिन्ह	-
07	उद्धरण	(“ ”) (‘ ’)
08	कोष्टक	( )
09	विवरण व्हिंह	(:-) (:)

-: मुहावरे :-

क्र सं	मुहावरे	अर्थ
01	पौ पटना	प्रभात होना
02	काम आना	काम मे आना, इस्तेमाल करना

03	आँखे चुराना	अपने आप को छिपाना
04	आँखे दिखाना	धमकाना, डराना, गुस्सा करना
05	अक्ल का अंधा	मूर्ख
06	आस्तीन का साँप	कपटी मित्र
07	कान भरना	चुगली करना
08	अंगूठा दिखाना	साफ इनकार करना
09	नौ दो ग्यारह होना	भाग जाना
10	आँख खुलना	होश मे आना, ज्ञानोदय होना
11	ईद का चाँद होना	बहुत दिनों के बाद मिलना
12	कान खडे होना	सावधान होना
13	हवा से बात करना	बहुत तेज दौडना
14	बात का धनी	वचन का पक्का
15	राहत की साँस लेना	चैन की साँस लेना \ तसल्ली करना
16	पेट कर लात मारना	हानी पहुँचाना
17	टस से मस न होना	विचलित न होना
18	फूला न समाना	बहुत खुश होना
19	आँच आना	नौकरी या सहूलियत छीनना
20	हलचल मचाना	शोर मचाना
21	हाथों के तोते उडाना	आश्चर्य चकित होना
22	अंगारे उगालना	क्रोध मे कठोर वचन बोलना
23	अपना उल्लू सीधा करना	काम निकालना, स्वार्थ पूरा करना
24	आगबबूला होना	अत्यंत क्रोधित होना
25	आसमान सिर पर उठाना	शोर करना
26	कमर कसना	तैयार होना
27	खून पसीना एक करना	बहुत मेहनत करना
28	छक्के छुडाना	बुरी तरह हराना
29	दाल न गलना	सफल न होना

-: पर्यायवाची शब्द (समानार्थक शब्द) :-

क्र.सं	शब्द	समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)	क्र.सं	शब्द	समानार्थक शब्द (पर्यायवाची शब्द)
01	उपचार	चिकित्सा, इलाज	22	शाम	सांझ, संध्या
02	गात	शरीर, देह	23	दोस्त	मित्र, सखा
03	आहार	भोजन , खाना	24	पहाड़	गिरि, पर्वत, अद्रि
04	विस्मय	अचरज, आश्चर्य	25	चोटी	शिखर, शिखा
05	हिम्मत	साहस, धैर्य	26	सुबह	प्रभात, सबेरे, प्रातः

06	दुनिया	जगत, संसार, विश्व	27	महिला	औरत, स्त्री, नारी
07	विचित्र	अजीब, गजब	28	नज़दीक	पास, निकट, समीप
08	खोज	तलाश, ढूंड शोध	29	सागर	समुद्र, जलधि, सिन्धु
09	नवीन	नया , आधुनिक, नव	30	आकाश	आसमान, गगन, नभ, अंबर
10	नर	मनुष्य, मानव , आदनी	31	मैया	माँ, माता
11	वारि	जल, पानी	32	मोही	मुझे
12	कर	हाथ, हस्त	33	मोसो	मुझसे
13	आगार	घर, मकान, गृह, भवन	34	रिस	क्रोध
14	बुनियाद	नींव,	35	सरीर	शरीर
15	सीखै	सिखाना	36	जसुमति	यशोधा
16	धूत	दुष्ट	37	पूत	पुत्र
17	उपचार	चिकित्सा, इलाज	38	खोज	ढूँढ, तलाश
18	मकान	घर, गृह	39	भेंट	मुलाकात, उपहार
19	पेड	वट, वृक्ष	40	गिरी	पर्वत, पहाड
20	आगर	खजाना, घर , आलय	41	जल	पानी वारि, नीर
21	पर्वत	पहाड , गिरि	42	प्रभात	सुबह, सबेरे, प्रातः

-: कि और की का प्रयोग :-

1 'कि' का प्रयोग :-

*** 'कि' कारण बोधक अव्यय है | कार्य कारण वाचक अव्यय के रूप में उपवाक्यों के आरंभ में प्रयोग होता है |**

जैसे : 1 राम ने कहा **कि** उसके पिताजी का नाम दशरथ है |

2 पुलीस से चोर को इतना पीता **कि** वह बेहोश होगया |

3 बस रुकी भी नही थी **कि** लोग उसकी ओर दौड पड़े |

4 पिताजी मुझे पैसे देनेवाले ही थे **कि** चाचाजी ने कहा "उसे पैसे मत दो"

*** 'कि' अव्यय के प्रयोग से वाक्यार्थ में विकल्प का बोध होता है |**

जैसे : 1 "तुम चाय पिओगे **कि** काफी"

2 राम आया **कि** कृष्ण |

2 'की' का प्रयोगन :-

जैसे : 1 भारत की राजधानी

2 शहर **की** लड़कियां

3 बेटे **की** लड़की |

***. क्रिया के रूप में भी 'की' जा प्रयोग होता है |**

जैसे : 1 राम ने परीक्षा पास की |

2 मै ने दिल्ली की यात्रा की |

***. संबंधबोधक अव्यय के एक अंग के रूप में 'की' का प्रयोग होता |**

जैसे : 1 राम **की** ओर

2 **उसकी** तरफ

3 पढ़ **की** भांति

****

-: एकल शब्द :--

-: एक शब्द में लिखिए :-

क्र सं	वाक्य	एक शब्द
01	सभी जगह में	सर्वत्र
02	आसन पर बैठा हुआ	आसीन
03	बचा हुआ	संचित
04	मनु की संतान	मनुह / मानव
05	विशेष ज्ञान	विज्ञान
06	अधिक विद्या प्राप्त	विद्वान
07	जहाँ पहुंचा न जा साके	दुर्गम
10	मास में एक बार आनेवाला	मासिक
11	अच्छे चरित्रवान	सच्चरित्र
12	जो आँखों के सामने हो	सम्मुख
13	जो कभी न मरे	अमर
14	जो स्थिर रहे	अस्थिर
15	जिसे क्षमा न कियाँ जा सके	अक्षम्य
16	जो वन में घूमता हो	वनचर
16	जिसका संबंध अश्चिम से हो	पाश्च्यात्य
17	जो उपकार मानता हो	कृतज्ञ

-: रचना भाग - निबंध लेखन :-

1 इंटरनेट

ववषय प्रवेश :-

आज का युग इंटरनेट का युग है | बड़े बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इन्टरनेट का असर पढ़ा है |

इंटरनेट का अर्म :-

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों (साईट्स) को एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है |

इंटरनेट का महत्व एवं लाभ -

इंटरनेट जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है | चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान , विज्ञान , शिक्षा, और यहां तक की देश की रक्षा दलों की कार्यवाही में भी इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है|

इंटरनेट का लाभ :

- इंटरनेट द्वारा घर बैठे - बैठे खरीदारी कर सकते हैं |
- कोई भी विचार हो जैसे : चित्र, वीडियो, आडियो आदी को कम समय में विश्व के कोई भी कोने को भेज सकते है |
- इंटरनेट द्वारा कोई भी बिल भर सकते हैं |
- इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनियाँ के कोई भी बैंक को चाहे जितिनी भी पैसे भेज सकते हैं |
- संचार और सूचना ने क्षेत्र में प्रगति हुई है |

इंटरनेट के दुष्परिणाम :

- इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग, आदी बढ़ रही है |
- मुक्त वेबसाइट्स के कारण अनावश्यक जानकारी पाना, चैटिंग, आदी से युवा पीडी बिगड़ रही है
- बच्चे अनावश्यक एवं अनुपयुक्त जानकारी हासिल कर रहे हैं |

उपसंहार :

ऊपर्युक्त विषय को देखते कुए हम कहा सकते है कि इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर अभिशाप भी है | हमें इंटरनेट का उपयोग केवल अच्छे ज्ञान को या जरूरतों को हासिल करने के लिए करना चाहिए ना कि अनावश्यक या अनुपयुक्त जानकारी के लिए | बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट का उपयोग करने देना चाहिए | अगर ऐसा करेंगे तो इंटरनेट वरदान साबित होगा |

2 बेटी बचाओ, बेटी पढाओ

विषय प्रवेश :

देश की बेटियों की रक्षा और उन्नती के साथ बेटियों की सामाजिक स्थिति में सुधार एवं सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमारा घन सरकार “बेटी बचाओ, बेटी पढाओ” नाम से एक नया योजना शुभारंभ किया गया है |

परिवार और समाज में बेटियों का स्थान :

हमारे भारतीय परिवार और समाज में पौराणिक संस्कृती के साथ साथ महिलाओं का आदर भी किया जाता था, लेकिन बदलते समय के अनुसार हमारे देश के लोगों की सोच में बदलाव आगया है | जिसके कारण आज परिवार और समाज में महिलाओं के साथ एक जैसा व्यवहार कियाँ नही जा रहा है |

बेटियों की दुर्दशा का कारण :

- लैंगिक भेद भाव
- शिक्षा की कमी
- भ्रष्ट मानसिकता
- दहेज़ प्रथा
- असुरक्षा का भय इत्यादि

बेटियों की रक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए एक दृढ़ कदम / योजना : बेटियों को बचाने और शिक्षित करने के लिए सरकार ने इस योजना का आरंभ किया है | भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रमोदी जी ने 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" सरकारी सामाजिक योजना का आरंभ किया था |

योजना का उद्देश्य :

- घटते लिंगानुपात को रोकना
- बेटियों के प्रति रूढिवादी मानसिकता को बदलना
- लिंग आधारित भ्रूण हत्या रोकना
- लड़कियों के प्रति भेद भाव रोकना
- बालिकाओं की शिक्षा को आगे बढ़ाना
- लिंग जाँच को रोकना
- स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देना
- लड़कियों की सुरक्षा के प्रति सख्त कानून बनाना इत्यादी

उपसंहार :

इस योजना को ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता हि कि आने वाले दिनों में सामाजिक आर्थिक कारणों की वजह से किसी भी लड़की को गर्भ में नही मारा जाएगा | बेटियाँ अशिक्षित नही रहेंगे, लैंगिक भेद भाव को मिठाने के लिए सरकार द्वारा **"बेटी बचाओ, बेटी पढाओ"** की जो योजना का लक्ष लड़कियों को आर्थिक और सामाजिक दोनों क्षेत्र में स्वतंत्र बनाने का है यह जरूर सफल होगा |

****

3 स्वच्छ भारत अभियान

विषय प्रवेश:-

"स्वच्छ भारत" महात्मा गांधीजी का सपना था। स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रव्यापी सफाई अभियान है। यह अभियान स्वच्छता कॆ प्रति जागरूक करनॆ कॆ लिए भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा बड़ा आंदॊलन है।

अभियान का आरंभ:- स्वच्छ भारत अभियान का आरंभ नई दिल्ली कॆ राजघाट पर 2 अक्तूबर 2014 कॊ भारत कॆ प्रधान मंत्री श्रीमान नरॆंद्रमॊदी जी सॆ किया गया। इसलिए "स्वच्छता अपनाऒ, दॆश कॊ विकास कॆ पथ पर लाऒ।" यही हमारा लक्ष्य हॊना चाहिए।

अभियान का उद्देश्य :-

- भारत में खुलॆ मैदानों में मल विसर्जन की व्यवस्था क जड़ सॆ उन्मूलन करना।
- व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण कराना।

- स्वच्छता के लिए लोगों में जागरूकता लाना।
- व्यवहारिक बदलाव को बढ़ावा देना।
- शहरों और गाँवों को स्वच्छ रखना।
- साफ-सफाई से संबंधित जन-जागृति कार्यक्रमों का आयोजन करना। ….. आदि।

स्वच्छ भारत अभियान में छात्रों का पात्र:-

इस अभियान में छात्र अपना बड़ा महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। छात्र अपने परिवार और स्कूल में इस अभियान के आशय को तन-मन से अपनाएँगे और कार्यगत करेंगे तो स्वस्थ और स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकते हैं ।

उपसंहार:- स्वच्छ भारत अभियान हमारे देश को स्वच्छ करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा एक अर्थपूर्ण कार्यक्रम है । इस अभियान से जुड़ने के लिए हमें हमारे आस-पास के जगहों को साफ-सफाई रखनी होगी और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा।

"स्वच्छता का रखिए ध्यान, स्वच्छता से देश बनेगा महान।"

"बापू का एक ही सपना, स्वच्छ और सुंदर हो भारत अपना।"

****

4 पर्यावरण प्रदूषण

प्रस्तावना :-

पर्यावरण का अर्थ है कि हमारे चारों ओर का परिसर । हमारे आसपास का वातावरण । पर्यावरण के अंतर्गत पेड़-पौधें, नदियाँ, पहाड़, भवन आदि आते हैं। लेकिन आधुनिक युग में इस पर्यावरण का प्रदूषण हो रहा है। पर्यावरण का गहरा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। मानव ही अपने चारों ओर के वातावरण को शुद्ध रख सकता है। लेकिन प्रकृति की गोद में पला मानव आज प्रकृति पर ही अत्याचार कर रहा है और पर्यावरण को दूषित कर रहा है।

अर्थ एवं प्रकार :-

पर्यावरण प्रदूषण का अर्थ है विशेष रूप से दोषयुक्त वातावरण । मुख्य रूप से प्रदूषण तीन प्रकार से होता है। हवा के दूषित हो जाने से , जल के गंदे हो जाने से और ध्वनि की अधिकता से। संक्षेप में इनको वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, और ध्वनि प्रदूषण कहा जाता है ।

प्रदूषण के कारण :-

- पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य कारण है हमारी बढ़ती हुई जनसंख्या, वाहनों की संख्या और कारखानों की संख्या ।
- वन विनाश भी पर्यावरण प्रदूषण का कारण है ।
- वाहनों और कारखानों से निकलने वाली कार्बन डाईआक्साइड और अन्य विषैली गैसों से भी पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है।
- कारखानों के रासायनिकों से और मानव के हानिकारक कार्यों से नदी-नालें प्रदूषित हो रहे हैं।

- ध्वनिवर्धकों का अनावश्यक प्रयोग और वहनों का भोंपू अनावश्यक बजाना,आदि से ध्वनि प्रदूषण होता है।

प्रदूषण रोकने के क्रम :-

पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए आस-पास के वातावरण को हमेशा शुद्ध रखना चाहिए। कूड़ा, कचरा, और गंदगी को साफ करते रहाना चाहिए । प्रदूषण के प्रति जागरूक रहना चाहिए। पेड़-पौधों को लगाना और बढ़ाना चाहिए।

उपसंहार:-

पर्यावरण प्रदूषण को रोकना हर एक नागरिक का कर्तव्य है। हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए। सरकार को भी माध्यमों द्वारा पर्यावरण के महत्व के बारे में और स्वच्छता के बारे में प्रचार करना चाहिए। इस तरह हर एक नागरिक को जागरूक कर सकते हैं।

5 जनसंख्या की समस्या

प्रस्तावना :-

बढ़ती जनसंख्या की समस्या सामान्य रूप से विश्व की समस्या है | भारत को बढ़ती हुई जनसंख्या का सामना करना पड़ रहा है | दुनिया की 17% आबादी भारत में रहती है | जनसंख्या की दृष्टी से भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है |

जनसंख्या में वृद्दि के कारण :-

- विश्व की उन्नती के साथ चिकित्सा एवं स्वास्थ की सुविधाओं में उन्नती हुई है |
- विभिन्न बीमारियों के लिए इलाज और उपचार शोध कियाँ गया है | फलतः जन्म लेने वाले शिशुओं और रोगियों की मृत्यु दर में कमी हुई है , तथा औसत आयु में वृद्दी हुई है|
- अशिक्षा और गरीब वर्ग के लोगों के अज्ञान के कारण जनसंख्या में वृद्दी |
- धार्मिक श्रद्दा के करण जन्म नियंत्रण और परिवार नियोजन विधेयों को नही अपनाना |

जनसंख्या विस्पोट के दुष्परिणाम :-

- बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण देश की प्रगति कुंठित होती है |
- वस्तुओं के मूल्य में वृद्दि और दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ रही है |
- बेकारी और बेरोजगारी की वजह से अपराधों में वृद्दि हुई है |
- पर्यावरण प्रदूषण की समस्या उत्पन्न हुई है |

भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम :

- सरकार ने पुरुषों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य आयु 21 वर्ष और महिलाओं के लिए 18 वर्ष तक की है |
- दत्तक ग्रहण को बढ़ावा दिया गया है |
- सरकार तथा सामाजिक संस्थाओं ने सभाओं, गोष्टियाँ, संचार माध्यमों द्वारा छोटे परिवार से होने वाले फायदों का प्रचार किया जाय |

उपसंहार:-

भारत में बढ़ती हुई जनासंख्य्सा गंभीर चिंता का विषय है | हालाकि सरकार ने जिस पर नियंत्रण रखने के लिए बहुत सरे कदम उठाए हैं, लेकिन यह नियंत्रण पर्याप्त प्राभावी नहीं हैं | इस समस्या को रोकने के लिए भी अन्य उपाय किए जाने का आवश्यकता है |

"सुखमय जीवन का यह सार |
दो बच्चों का हो पररवार |"

****

6 नागरिक के कर्तव्य

विषय प्रवेश :

भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां नारिक पूरी स्वतंत्रता के साथ रहते हैं | हर नागरिक को अपने देशपर अधिकार के साथ साथ देश के प्रति उसके उत्तरदायित्व भी होते हैं |

नागरिक का अर्थ और अच्छे नागरिक के लक्षण :

- देश के किसी भी स्थान शहर या गाँव में रहनेवाले व्यक्तियों को नागरिक कहते हैं |
- देश के नियमों तथा कानूनों का पालन करना चाहिए |
- देश को सदृढ़, समृद्द एअवं खुशहाल बनाए रखने के लिए अपनी मत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहिए
- अच्छे नागरिक का व्यवहार देश और देशवासियों के हित में हो और देश के विकास के प्रति चिंतित रहकर अपना योगदान देना चाहिए |

नागरिक के कर्तव्य :

- संविधान के नियमों का पालन करना |
- देश्नके प्रति गौरव भाव अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्यौहार, आदी का आदर करना
- देश की एकता और अखण्डता कायम रखना |
- देश नकी धरोहर की रक्षा करना और सार्वजनिक संपत्ती को सुरक्षित रखना |
- जाती, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित भेद भाव से दूर रहना |
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुधार की भावना का विकास करना |
- देश की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा का सम्मान करना |

उपसंहार

समाज उन लोगों का सम्मान देता है, जो अपने कर्तव्यों को सही तरीके से निर्वाहन करते हैं.|
देश का कल्याण होगा, अपाने कर्तव्यों और नियमों का उल्लंघन करनेवाला नागरिक दंड का भागीदार होगा |

7.महिला सशक्तीकरण / सबलीकरण

विषय प्रवेश :

जीवन की कला को अपने काल को अपने हाथों से साकार कर नारी ने सभ्यता और संस्कृति का रूप निखारा है | नारी का अस्तित्व सुन्दर जीवन का आधार है | कोई भी देश यश के शिखर पर तब तक नही पहुँच सकता जब तक उस देश की महिलाएं पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर ण चले |

महिला सशक्तिकरण / सबलीकरण :

महिला सशक्तीकरण से तात्पर्य यह है जहां महिलाएं परिवार और समाज के बंधनों से मुक्त होकर अपने निर्णय कि निर्माता खुद हो | अपनी निजी स्वतंत्रता और स्वयं के फैसले लेने के लिए महिलाओं को अधिकार देना ही महिला सशक्तीकरण |

आवश्यकता :

- देश, समाज, और परिवार के उज्वल भविष्य के लिए महिला सशक्तीकरण बहुत जरूर है|
- विकास की मुख्या धारा में महिलाओं को लाने के लिए इसकी आवश्यकता है |
- सभी क्षेत्र में पुरुषों की तरह महिलाओं को भी सामान अधिकार दिलाने के लिए |
- महिलाओं के समर्थ बनाने के लिए महिला सशक्तीकरण बेहद जरूरी है |

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए एक कदम / योजनाएँ :

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र में उन्हें स्वतंत्रता दी जारही है | बारात सरकार द्वारा कई योजाओं को जारी कियाँ गया है जैसे :

- बेटी बचाओ बेटी पढाओ |
- प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना |
- प्रधानमंत्री महिला शक्ति केंद्र योजना |
- राष्ट्रीय महिला कोष |
- स्वाधार
- उज्वला
- निर्भया
- राजीवगांधी योजना सबला |
- इंदिरा गांधी मातृसहयोग योजना |
- कस्तूरबा गांधी बालिका विध्यालय योजना |

उपसंहार :

भारत सरकार द्वारा शरूआत की गई महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए राष्ट्रीय मिशन के अनुसार २०११ की गणना में इस कदम की वजह से कुछ सुधार आया है | इससे महिला लिंगानुपात और महिला शिक्षा दोनों क्षेत्र में बढ़ती हुई है | आर्थिक, भागीदारी, उच्चा शिक्षा, और स्वास्थ्य के द्वारा समाज में महिलाओं की स्थिति में सुधार लेन के लिए भारत सरकार को कुछ और ठोस कदम उठाने की जरूरत है |

****

8 स्वछता का महत्व

प्रस्तावना :

"स्वच्छता में निर्मलता, सफाई में खुदाई होती है |" साफ सफाई एक अच्छी आदत है, जो स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जीवन शैली के लिए हर एक के पास होनी चाहिए |

महत्त्व एवं आवश्यकता :

- स्वच्छता हमें मानसिक और बौद्दिक हर तरीके से स्वास्थ बनाती है |
- हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिए ताकि किसी प्रकार की बीमारी ना फैले

सरकार द्वारा स्वच्छता के लिए उठाए गए कदम :

स्वच्छ भारत अभियान:

स्वच्छ भारत महात्मा गांधी का सपना था | स्वच्छ भारत अभियान राष्ट्रीय सफाई अभियान है | यस अभियान स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाए जाने वाला आंदोलन है |

अभियान का आरंभ :

स्वच्छा भरत अभियान का आरंभ नई दिल्ली के राजघाट पर 2अक्टूबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया था |

अभियान का उद्देश्य :

- भारत में खुले सेम मॉल त्याग, की व्यवस्था का जड़ से उन्मूलन करना |
- व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण की व्यवस्था |
- स्वच्छता के लिए लोगों में जागरूकता लाना |
- व्यावहारिक बदलाव को बढ़ावा देना |
- शहर और गाँव कोस्वच्छ रखना |
- साफ सफाई से संबंधित जन जागृति कार्यक्रंम का आयोजन करना |

स्वच्छ भारत अभियान में छात्रों की भूमिका :

इस अभियान में छात्र अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं | छात्र अपने परिवार और स्कूल में इस अभियान के आशय को तन - मन से अपन्नाएँ और कार्य करेंगे तो स्वच्छ भार और स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकते हैं |

उपसंहार / निष्कर्ष :

निष्कर्षतः हम यह कहा सकते हैं की मानव के जीवन में स्वच्छता का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है | स्वच्छ विध्यालय , स्वच्छ भोजन, स्वयं की स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, बच्चों की सुरक्षा, स्वच्छा पेयजल और स्वच्छ शौचालय इन सब का होना बहुत ही महत्वपूर्ण है | इसलिए देश के हर नागरिक को अपने घर के आस - पास के वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए | और छात्रों के भी स्वच्छता के प्रति सचे करना आवाश्यकता है |

“स्वच्छता का रखे ध्यान स्वच्छता से देश बनेगा महान”

-: रचना भाग - पत्र लेखन :-

01 छुट्टी पत्र

भाई की शादी में शामिल होने के लिए तीन दिन की छुट्टी माँगते हुए अपने प्रधानाध्यापक को एक पत्र लिखिए।

प्रेषक,

गगन
दसवीं कक्षा,
सरकारी हाईस्कूल,
गदग.

दिनांक:- 11-09-2019

सेवा में,
प्रधानाध्यापक,
सरकारी हाईस्कूल,
गदग.

महोदय,

विषय:- तीन दिन की छुट्टी के लिए विनती।

आपसे सविनय निवेदन है कि मैं अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए बेंगलूरु जा रहा हूँ। इसलिए मुझे दिनांक:-12-09-2019 से 14-09-2019 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धान्यवाद सहित

अभिभावक के हस्ताक्षर,
नवीन

आपका आज्ञाकारी छात्र,
गग

02 पिता के नाम पत्र

अपनी पढाई और परीक्षा तैयारी के बारे में अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए।

दिनांक:-09-09-2019

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

मैं यहाँ सकुशल हूँ। आशा है कि आप साभी भी सकुशल होंगे। मेरी पढ़ाई अच्छी तरह चल रही है। हमारे शिक्षक भी बडी अच्छी तरह पढ़ा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इस साल मैं अधिक अंक पाकर अत्युत्तम श्रेणि में उत्तीर्ण हो जाऊँगा। माताजी को प्रणाम। छोटी बहन को ढ़ेर सारा प्यार।

आपका प्रिय पुत्र,

पवन

सेवा में,

श्री महेश,

घर नं.124

विवेक नगर,

गदग.

03 प्रमाण पत्र के लिए पत्र

अपना उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र तथा चरित्र प्रमाण पत्र माँगते हुए अपने स्कूल के प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए।

प्रेषक,
गगन,
दसवी कक्षा,
सरकारी हाईस्कूल,
गदग.

दिनांक:-05-06-2019

सेवा में,
प्रधानाध्यापक,
सरकारी हाईस्कूल,
गदग.

महोदय,

विषय:- प्रमाण पत्र हेतु।

आपसे निवेदन है कि मेरे पिताजी का तबादला हासन में हो गया है। उनके साथ मुझे भी जाना होगा।
इसलिए मुझे नौवीं कक्षा उत्तीर्ण होने का प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र और चरित्र प्रमाण पत्र देने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित

आपका आज्ञाकारी छात्र,
गगन.

-: अपठित गद्य :-

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

01 आजकल बहुत से पदार्थ प्लास्टिक द्वारा बनाए जाते हैं। तुम्हारा फाउंटेन पेन भी प्लास्टिक का बना हुआ है। अब तो प्लास्टिक का इतना व्यवहार होने लगा है कि कुछ लोग वर्तमान युग कोप्लास्टिक युग कहने लगे हैं। जीवन के लिए प्लास्टिक अनिवार्य बन गया है। प्लास्टिक बनाने का प्रयत्न नकली हाथी–दांत बनाने के प्रयत्न से ही प्रारंभ हुआ है। प्लास्टिक पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

a. बहुत से पदार्थ किससे बनाए जाते हैं? b. प्लास्टिक बनाने का प्रयत्न कैसे प्रारंभ हुआ?

c. वर्तमान युग को प्लास्टिक युग क्यों कहने लगे हैं? d. प्लास्टिक किसके लिए हानिकारक है?

02. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

सारे विश्व में भारत ही एक देश है जहाँ वर्ष भर त्योहारों को मनाते हैं। जैसे मकर संक्रांति, बैसाखी, युगादि, ओणम, क्रिसमस, रमजान आदि। संक्रांति को फसल ई कटाई का पर्व कहते हैं। पंजाब में बैसाखी पर्व मनाते हैं। क्रिसमस त्योहार पर गिरजाघर प्रार्थना होतीहैं। रमजान मुसलमानों का पवित्र त्योहार है। दीपावली दीपों का त्योहार है।

a दीपावली कैसा त्योहार है? b. बैसाखी त्योहार कहाँ मनाया जाता है?

c क्रिसमस में लोग कहाँ प्रार्थना करते हैं? d. रमज़ान त्योहार को कौन मनाते हैं?

03. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

अनुशासन मानव जीवन का आभूषण है, शृंगार है। विद्यार्थी जीवन के लिए तो यह बहुत आवश्यक है। अनुशासन की भावना ही स्वतंत्रता का मूल्य है।विद्यार्थी जीवन भावी जीवन की नींव है। अनुशासन में रहने की आदत पड़ जाए तो भविष्य में प्रगति के द्वार खुल जाते हैं।

a मानव जीवन का आभूषण कौन–सा है? b. विद्यार्थी जीवन किसकी नींव है?

c. प्रगति के द्वार कैसे खुल जाते हैं? d. अनुशासन की भावना किसका मूल्य है?

04. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

संसार साहसी लोगों के लिए है। कायर हमेशा सोचते रहते हैं, बैठे–बैठे सपना देखा करते हैं। पर साहसी लोग मैदान मार लेते हैं। साहस के बिना योग्यता व्यर्थ है। जिसने साहस खो दिया उसने सफलता से हाथ को धो लिया। कायर भय के सामने काँपने लगता है।

a. साहस के बिना क्या व्यर्थ है? b. कौन भय के सामने काँपने लगता है?

c. कौन मैदान मार लेते हैं? d. साहस खो देनेवाले किससे हाथ धो लेते हैं?

05. निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म उडीसा प्रांत के कटक नगर में हुआ। इनके पिता जानकीनाथ बोस प्रसिद्ध वकील थे। बालक सुभाष पर माता के व्यक्तित्व का अधिक प्रभाव पडा। बालक सुभाषचंद्र बहुत होशियार थे। उन्होंने आज़ाद हिन्द फौज का गठन किया था।

a नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म कहाँ हुआ?

b बालक सुभाष पर किसके व्यक्तित्व का अधिक प्रभाव पडा?

c नेताजी के पिता क्या काम करते थे?

d सुभाषचंद्र बोस ने किसका गठन किया था?

कर्नाट्क माध्यमिक शिक्षा परीक्षा मंडल

Karnataka Secondary Education Board

2019-20 MODEL QUESTION PAPER – 1 उत्तर के साथ

REGULAR FRESH

-: नमूने का उत्तर पत्रिका :-

I निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार - चार विकल्प सुझाए गए हैं, उनमें से सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए :- **1x8=8**

1 'लेखक' शब्द का अन्यलिंग है -

A. लेखिका B. लेखन C. लेखकी D. कवि उत्तर : A. लेखिका

2. निम्नलिखित शबदों में से एकवचन है -

A. डंडे B. आँख C. लेखकी D. कवि उत्तर : B. आँख

3. 'रात' शब्द का विलोम रूप है -

A. सुबह B. प्रातःकाल C.शाम D. दिन उत्तर : D. दिन

4. 'सुनना' शब्द का प्रथम-प्रेरणार्थक क्रिया रूप है -

A. सुना B. सुन C. सुनवाना D. सुनाना उत्तर : D. सुनाना

5. 'मन्वंतर' शब्द में संधि है -

A. गुण B. दीर्घ C. यण D. अयादि उत्तर : C. यण

6. 'दोपहर' शब्द इस समास का उदाहरण है -

A. कर्मधारय B. द्वंद्व C. द्विगु D. तत्पुरुष उत्तर : C. द्विगु

7. शशि - - माता खुश थी । रिक्त स्थान में निम्न कारक आता है -

A. के B. की C.को D. का उत्तर : B. की

8. मोहन एक अच्छा लड़का है इस वाक्य के लिए उपयुक्त विराम चिह्न है -

A. ? B. । C.! D. ; उत्तर : B. ।

II. निम्नलिखित प्रथम दो शब्दों के सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए 1x4=4

9. कश्मीरी सेब : कहानी :: मेरा बचपन :..... उत्तर : आत्म कथा

10. रोबोट : प्रदीप मुखोपाध्याय :: दुनिया में पहला मकान :..... उत्तर : डॅ ॥ विजया गुप्ता

11. मातृभूमि : देश प्रेम की सीख ::कश्मीरी सेब :..... उत्तर : खरीदारी में सावधानी बरतने की सीख

12. नंद और यशोदा : गोरे :: बालकृष्ण : ..... उत्तर : काला (श्याम)

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :- 1x4=4

13. बिछेंद्री पाल को कौन - सा गौरव प्राप्त है ?

उत्तर : बिछेंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिल।आ होने का गौरव प्राप्त है ।

14. दोनों दोस्तों ने हाथी से किसके बारे में चर्चा की ?

उत्तर : दोनों दोस्तों ने हाथी से मकान बनाने के तरीके के बारे में चर्चा की ।

15. कवि भारत माता से क्या निवेदन कर रहे हैं ?

उत्तर :कवि भारत माता से न्याय और ज्ञान के द्वारा जग को बदलने के लिए निवेदन करते हैं।

16. तुलसीदास के अनुसार आंतरिक और बाह्य शुद्धि कैसी होती है ?

उत्तर : संत तुलसीदास जी के अनुसार राम नाम का जप करने से हर एक का आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है ।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : 8x2=16

17. बेईमानी के बारे में लेखक प्रेमचंद जी की राय क्या है ?

उत्तर : प्रेमचंद जी कहते हैं कि कोई आदमी बेईमानी तभी करता है जब उसे अवसर मिलता है । बेईमानी का अवसर देना, चाहे वह अपने ढीलेपन से हो या सहज विश्वास से, बेईमानी में सहयोग देना है ।

18. जलालुद्दीन, कलाम को किन-किन विषयों के बारे में बताते रहते थे ?

उत्तर :जलालुद्दीन ,कलाम जी कोआध्यात्मिक विषयों के साथ -साथ शिक्षित व्यक्तियों, वैज्ञानिक खोजों, समकालीन साहित्य और चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बारे में बताते रहते थे।

19. लेखक परसाई जी का स्वागत कैसे किया गया ?

उत्तर : लेखक जी को राष्ट्रीय स्तर के ईमानदार मानने के कारण समिती के लोग स्टेशन पर उनका खूब स्वागत किया । लगभग दस बड़ी फूल-मालाएँ पहनायी गयीं ।

20. बिछेंद्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने की पूर्व तैयारी कैसे की ?

उत्तर : बिछेंद्री पाल ने बचपन में अपने भाई से प्रेरित होकर पहाड़ चढ़ने का निश्चय की थी । पढ़ाई के साथ-साथ बिछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष्य को भी हमेशा अपने सामने रखा । इसी दौरान उन्होंने ने 'कालानाग' पर्वत की चढ़ाई की । उसके बाद 'गंगोत्री ग्लेशियर तथा 'रूड़ गेरो' की चढ़ाई की जिससे उनमें आत्मविश्वास और बढ़ा । इस तरह अपनी लक्ष्य पर सदा ध्यान रखते हुए आगे बढ़ती हैं ।

21. मातृभूमि कविता की अंतिम पंक्तियों में कवि की अभिलाषा क्या है ?

उत्तर : कवि भगवतीचरण वर्मा जी अपनी कविता मातृभूमि में भारतमाता का स्वरूप दर्शाते हुए लिखते हैं । वे भारत माता से विनती करते हैं कि आप अपने हाथों में ज्ञान दीप और न्याय पताका लिए जग को बदल दो माँ । इस काम के लिए हर एक भारतवासी आपके साथ खड़ा रहेगा । साथ ही भारत के कोने-कोने में (शहर और ग्राम) जय - हिंद का नाद गूँजेगा । हे मातृ भू तुम्हें शत-शत बार प्रणाम है ।

22. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है ?

उत्तर : सूरदास जी कृष्ण की बाल लीला का वर्णन करने कहते हैं कि कृष्ण को भाई बलराम हमेशा सताता है और चिढ़ाता भी है। अपने दोस्तों से मिलकर तुम काले हो, नंद यशोदा तुम्हारे माता-पिता नहीं आदी कहते गुस्सा दिलाते हैं । जब भी अपनी माँ के पास आकर बलराम के बारे में शिकायन करें तो यशोदा बलराम को न कुछ गालियाँ देती न मारती । उलटे क्रोधित कृष्ण पर हँसती हैं । इससे अपनी माँ के प्रति नाराज़ है ।

23. 'शनि एक सुंदर ग्रह है ।' कैसे ?

उत्तर : शनि को यदि दूरबीन से देखा जाये, तो इस ग्रह के चहुँ ओर वलय (गोल) दिखाई देते हैं । प्रकृति ने इस ग्रह के गले में खूबसूरत हार डाल दिये हैं । शनि के इद वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर-मंडल का सबसे सुंदर एवं मनोहर ग्रह बनाया है ।

24 हमे सत्य बोलने और पालन करने का अभ्यास क्यों करना चाहिए ?

उत्तर : क्यों कि कभी-कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर उससे अधिक हानि ही होती है । क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है । व्यक्तित्व कुंठित होता है । झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है । उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं

*.मीना मेडम के अनुसार देश का कल्याण कैसे संभव है ?

उत्तर : कार्यशिविर में आये सब बच्चों से मीना मेडम कहती हैं कि आज के बच्चे कल के नागरिक हैं । आज से, नहीं ; अब से ही आप इन कर्तव्यों का पालन करना शुरू करो । इससे आपका हित तो होगा ही, देश का कल्याण भी होगा ।

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन - चार वाक्यों में लिखिए : 3x9=27

25. भाषा तथा संस्कृति के लिए कन्नड साहित्यकारों की देन क्या है ?

उत्तर : कन्नड भाषा तथा संस्कृति के लिए कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है । वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल 'वचनों' द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है । पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्त, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं । पंपा, रन्ना, पोन्ना, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड़ साहित्य को समृद्ध बनाया है ।

26. बसंत के बारे में आप क्या जानते हैं ? अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर : बसंत एक ईमानदार तथा गरीब शरणार्थी लड़का है । बिना माता-पिता, बेघर होने पर भी अपने भाई के साथ ईमानदारी के साथ रहना चाहता है । फटे कपड़े पहने बाज़ार में फेरेवाले जैसे छलनी, बटन, दियासलाही बेचकर रोज़ी रोटी कमाना चाहता है । अपनी वाक कुशलता से लोगों के साथ व्यापार करता है ।

पं॥राजकिशोरजी बसंत को मुफ्त में २ पैसे देते हैं तो उसे भीख मानकर इनकार करता है । ताकी वह परिश्रम करके पैसे कमाना चाहता है । यह गुण तो मुझे बहुत अच्छा लगा । जब दुर्घटना में आहत होकर घर में पड़ने पर भी अपने भाई प्रताप से भुने पैसे को लौटाना, अपनी दर्द की परवाह किए बिना राजकिशोर जी के बारे में सोचना इन सब गुणों से उसकी नेक तथा ईमानदारी गुण दिखता है ।

27. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

उत्तर : समाचार पत्र-पत्रिकाएँ, दूरभाषा, दूरदर्शन आदी संचार व सूचना के क्षेत्र कहलाते हैं । संदेशवाहन के लिए इन ही का उपयोग होता है । इंटरनेट के बिना यह क्षेत्र ठप जाते हैं । इंटरनेट के बिना संवाहन ही मुश्किल होजाते हैं । ऐसा लगता है कि सारा संसार ही रुक गया हो । साथा ही यह सब क्षेत्र एक से एक जुडे हुए काम करते हैं । इसलिए इंटरनेट अत्यंत आवशक है ।

28. रोबोनिल, साधोराम के बारे में क्यों चिंतित था ?

उत्तर : रोबोनिल शर्मा साहब के घर में काम करनेवाला एक बुद्धिमान रोबोट था । धीरज सस्केना जी के परिवार में साधोराम नामक नौकर बहोत दिनों से काम करता आ रहा था । दुरघटना से वह अस्पताल में भर्ति होने के कारण उसकी जगह रोबोदीप नामक एक बुद्धिमान रोबोट को घर में रखा गया । जब धीरज सस्केना और शर्मा जी की बात सुनकर रोबोनिल को पता चलता है कि साधोराम को हमेशा-हमेशा के लिए उसे छुट्टि करवारहे हैं । इस से रोबोनिल बहुत चिंतित हो जाता है । क्यों कि यह रोबोटिकि नियम के खिलाफ है । एक रोबोट के कारण किसी भी इनसान को नुकसान नहीं पहुँचना चाहिए ।

29. 'बालशक्ति' पाठ के अनुसार छात्रों की टोली का कर्तव्य क्या था ?

उत्तर : मोहन को मुख्या मानकर सब बच्चे अच्छी आदतों को बनाए रखने के लिए एक टोली बनाते हैं इसे 'बाल-शक्ति' का नाम देते हैं । इस टोली के कुछ नियम तथा कर्तव्य बनाए गयें । पहले तो जो साथियाँ नियमित रूप से स्कूल नहीं जाते और पढ़ाई नहीं करते उन पर ध्यान देना । स्कूल के परिसर को स्वच्छ रखना । गाँव की गंदगी को दूर करना । सब सदस्य मिलकर रोज़ एक घंटा गाँव की सफाई करना । इसके अंतर्गत सब मिलकर गाँव का कूड़ा डालते के लिए एक निश्चित जगह बनाना । गड्ढे को मिट्टी से ढाँफना, गाँव को हरा-भरा रखना । सब कार्य में नियमित रूप से भाग लेना आदी कर्तव्यों को बनाया गया ।

30. कवि दिनकर जी ने आधुनिक मानव की भौतिक साधना को कैसे दर्शाया है ?

उत्तर : कवि रामधारीसिंह जी के अनुसार आधुनिक मानव हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है । प्रकृति के हर तत्व पर विजय पाया है । उसकी भौतिक साधना अद्‌वितीय है । पंच भूत (अग्नी,वायु, जल, भूमि, प्रकाश) मानव के करों में बँधे हैं । इसके हुक्म पर सारी प्रकृति नाचती है । क्षण मात्र में सागर, गिरि-पर्वत पार कर सकता है । व्योम से लेकर पाताल तक सबका ज्ञान हासिल करचुका है । यहाँ तक की परमाणू भी मानव को देखकर कांपते हैं । भौतिक ज्ञान में मानव के आगे कोई नहीं है

31. समय की पहचान कविता का आशय क्या है ?

उत्तर : कवि सियारामशरण गुप्त जी अपनी कविता ' समय की पहचान ' में समय की महत्वपूर्ण तथा उपयोग बताए हैं । इस कविता का आशय यह है कि समय बहुत अनमोल है । उसका महत्व धन से भी ज्यादा है । जो आलसी है वह कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता । जो परिश्रमी है उसी का ज़मान है । हमें समय के पीछे भागना छोड, समय के साथ-साथ आगे बढ़ना चाहिए । जो आज समय को अदर और सम्मान देता है आगे वही समय हमें सम्मान दिलाता है ।

समय भगवान दिया हुआ अनुपम देन है । इसे यों ही जाने नहीं दिया जाय । खुद पर विश्वास रखकर अपने काम पर चित्त लगाके आगे बढना चाहिए । काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए । नहीं तो बाद में सर्वथा पछताना पडेगा ।

32. दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए :-

जड चेतन, गुण-दोष मय, विस्व कीन्ह करतार ।
संत-हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार । ।

उत्तर : प्रस्तुत दोहे में संत कवि गोस्वामी तुलसीदास जी हंस पक्षी के साथ संत की तुलना करते हुए उसके स्वभाव का परिचय देते हैं - सृष्टिकर्ता ने इस संसार को जड़-चेतन और गुण-दोष मिलाकर बनाया है। अर्थात, इस संसार में अच्छे-बुरे (सार-निस्सार), समझ-नासमझ के रूप में अनेक गुण-दोष भरे गुए हैं, लेकिन हंस रूपी साधु लोग विकारों को छोड़कर अच्छे गुणों को अपनाते हैं ।

33. गद्यांश का अनुवाद कन्नड़ या अंग्रेजी में कीजिए :-

ईमानदारों के सम्मेलन के मुख्य अतिथि लिखक हरिशंकर परसाई थे । उन्होंने सम्मेलन का उद्‌घाटन किया । सम्मेलन का उद्‌घाटन बड़ा ही शानदार हुआ ।

ಪ್ರಾಮಾಣಿಕರ ಸಮ್ಮೇಳನದ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿ ಲೇಖಕರಾದ ಹರಿಶಂಕರ್ ಪರಸಾಯೀ ಯಾಗಿದ್ದರು. ಅವರು ಸಮ್ಮೇಳನವನ್ನು ಉದ್ಘಾಟಿಸಿದರು. ಸಮ್ಮೇಳನದ ಉದ್ಘಾಟನೆಯು ತುಂಬಾ ವಿಜೃಂಬಣೆಯಿಂದ ಆಯಿತು.

VI. निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर पाँच - छः वाक्यों में लिखिए :- 4x2=8

34. गिल्लू के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए ।

उत्तर : गिल्लू घर में सबका दुलारा था । उसके हर कार्य के प्रति घर के सब लोग आनंदित होते थे । खास कर लेखिका महादेवी वर्मा जी । गिल्लू भी लेखिका के साथ हमेशा कुछ न कुछ चेस्टा करता ही रहता था ।

लिखिका जब लिखने बैटती तो गिल्लू उनका ध्यान आकर्शित करने के लिए उनके पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । लेखिका उसे पकड़ने के बाद ही वह चुप होता ।

लेखिका के समने एक लंबे लिफ़ाफ़े में अपना सिर और पंजों को बहर कर घंटों तक बैटता । कभी-क्भी लिखिका को चौंकाने के लिए फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में । ऐसे घर में हमेशा कुछ न कुछ करता रहता था ।

गिल्लू और महादेवी वर्मा के संबंध का वर्णन कीजिए :-

उत्तर : लेखिका को यह गिलहरी कबसे मिलता है तब से अपने बच्चे की तरह प्यार करती है । हमेशा उस पर ममता दिखाती है । जब वह घायल स्थिति में मिलता है उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में ले जाकर मरहम करना , उसके लिए घर (घोंसला)बनाना, गिल्लू की हर कार्य कलापों को प्यार से अनुभव करना । गिल्लू को हमेशा अपने पास ही बिठाना, उसको अपने थाली के पास बैटकर खाना सिखाना , उसे अन्य गिलहरियों के साथ खेलते के लिए छोड़ना आदी से गिल्लू और लेखिका के बीच में माँ बच्चे का प्यार दिखता है ।

गिल्लू की अंतिम दिनों में अपने पास ही सुलाना, उसके पंजों को हीटर द्वारा उष्णता देना , वह मरने बाद भी उसे अपने घर में स्थित सोनजुही लता कुंड के नीचे समाधि बनाके उसकी याद को हमेशा के लिए बनाए रखना । कुल पाठ के अंतर्गत लेखिका का ममत्व दिखता है ।

VII. निम्न लिखित कवितांश पूर्ण कीजिए :-

35. असफलता ----------

----------भागो तुम ।

उत्तर :

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत **भागो तुम ।**

VIII. गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 1x4=4

36. साहित्य दो प्रकार में दिखाई देता है । शिष्ट साहित्य और जनपद साहित्य । ज्ञानी और शास्त्रज्ञ जिस साहित्य का सृजन करते हैं । उसे शिष्ट साहित्य कहा जाता है । शिष्ट साहित्य लिखित होता है । जनपद साहित्य अलिखित होता है । इसकी रक्षा मौकिक परंपरा से होती है । ज्यादातर जनपद साहित्य ग्रामों में जन्म लेते हैं ।

a. साहित्य के दो प्रकार कौन-कौन से हैं ?

उत्तर: साहित्य के दो प्रकार शिष्ट साहित्य और जनपद साहित्य है ।

b. शिष्ट साहित्य का सृजन कैसे होता है ?

उत्तर: ज्ञानी और शास्त्रज्ञ ही साहित्य का सृजन करते हैं ।

c. जनपद साहित्य क्या है ?

उत्तर: जनपद साहित्य अलिखित होता है । इसकी रक्षा मौकिक परंपरा से होती है ।

d. जनपद साहित्य का जन्म कहाँ हुआ ?

उत्तर: ज्यादातर जनपद साहित्य ग्रामों में जन्म लेते हैं ।

IX. दिए गये संकेत बिंदुओं के आधार पर 15-20 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए :- 1x4=4

37. a) स्वास्थ्य और स्वच्छता : a. प्रस्तावना

b. महत्व

c. आवश्यकता

d) उपसंहार

प्रस्तावना : स्वच्छता का स्वास्थ्य से घनिष्ट सम्बन्ध है । कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिश्क होता है, । स्वास्थय और स्वच्छता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं ।

महत्व : महात्मा गाँधी जी का कहना है **"स्वच्छता का स्थान ईश्वर के करीब हैं ।"** आरोग्य को नष्ट करने के जितने भी कारण हैं, उनमें गन्दगी प्रमुख है । बीमारियाँ गंदगी में ही पलती हैं । जहाँ कूड़े-कचरे के ढेर जमा रहते हैं, मल-मूत्र सड़ता है, वहीं मक्खी, पिस्सू, खटमल जैसे बीमारियाँ उत्पन्न करने वाले कीड़े उत्पन होते हैं । इससे चेचक, खुजली, रक्त-विकार जैसे रोग आने लगते हैं । इसी लिए हमें स्वच्छता की ओर ध्यान देना चाहिए । जहाँ स्वच्छता है वहाँ स्वास्थ्य है । हम इनसान हैं । प्राणी थोडी हैं जो सफाई का ध्यान न करें ।

आवश्यकता : स्वच्छता के प्रति हम जितना सचेत रहते हैं उतना ही हम आरोग्य पूर्ण जीवन बिता सकते हैं । बीमारी का जड़ गंदगी है । स्वच्छता में शारीरिक स्वच्छता और बाह्य स्वच्छता होती है । शारीरिक स्वच्छता से हम स्वस्थ रह सकते हैं इससे मन भी स्वस्थ रहता है । समाज भी स्वस्थ बनता है । बाह्य स्वच्छता का मतलब है परिसर की स्वच्छता। हमारे घर से लेकर स्कूल, गली, मंदिर, रस्ते, अस्पताल तथा बस स्टैंड आदि स्थानों में हम स्वच्छता बनाए रखने से सबकी फायदा है ।

उपसंहार : भगवान गरीबी दिया है गंदगी नहीं । इससे सब अपने दाइत्व को जानकर स्वच्छता में अपनी-अपनी योगदान देना आवश्क है । स्वच्छ भारत अभियान-एक कदम स्वच्छता की ओर कार्यक्रम हम में स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागृत करता है । हम सब मिलकर स्वच्छता की ओर बढ़ें तो स्वास्थ्य अपने आप हो जाएंगे ।

b) समय अनमोल है| :a). प्रस्तावना b). प्रस्तावना c). महत्व d). आवश्यकता e). उपसंहार

प्रस्तावना : समय को काल, वक्त, बेला, अवसर, मौका अवधि तथा काल चक्र कहा जाता है । अनमोल का अर्थ होता है संसार के किसी भी वस्तु से उसका मोल नहीं लगा सकते । समय तो भगवान से बढ़कर है । भगवान को भक्ति से कभी भी बुला सकते हैं पर समय को नहीं । इसलिए समय अनमोल है ।

महत्व :भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहा है कि " राजा हो या रंक, चक्रवर्ति हो या मैं सबको समय ही पाठ सिखाता है ।" तात्पर्य यही है कि समय से बढ़कर कोई नहीं । संसार में जितने भी महान व्यक्ति या महात्मा बने हैं वे सब समय को आदर से सोच समझकर बिताया है । समय ही हर एक को आगे बढ़ाता है । जो समय के साथ-साथ चलता है वह हमेशा आगे बढ़ता है । समय के पीछे चलनेवाला कभी भी आगे नहीं बढ़ता ।

आवश्यकता : समय के सदुपयोग में ही जीवन की सफलता का रहस्य निहित है जो व्यक्ति समय का चक्र पहचान कर उचित ढ़ंग से कार्य करें तो उसकी उन्नति में चार चाँद लग सकते हैं । समय कभी किसी की प्रतिक्षा नहीं करता । वह निरंतर गतिशील रहता है । हर एक को समय एक समान होता है

सबको २४ घंटे ही होते हैं । जो समय का ठी क उपयोग करता है वह उतना ही सफल व अमीर व्यक्ति बनेगा । नहीं तो वहीं पे सडेगा ।

उपसंहार : लोक जीवन में एक कहावत प्रचलित है कि पलभर का चुका आदमी कोसों पिछड़ जाया करता है । बीता पल कभी हाथ नहीं लगता जो समय है उसे जिनता यादगार बना सकते हो उतना बनाओ । सब समय के कटपुतले हैं । कबीर दास कहते हैं

" काल्ह करे सो आज कर, आज करे सो अब ।
पल में परलै होयगी, बहुरि करोगे कब ।"

c) . जनसंख्या की समस्या a). प्रस्तावना b). वृद्धि के कारण और परिणाम
c). उपचार d). उपसंहार

प्रस्तावना : जनसंख्या वृद्धि का मतलब है एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होना जिसमें लोगों की संख्या ना चाहते हुए भी इतनी ज्यादा हो जाए कि खाने रहे के लिए स्रोतों की कमी पड़ते लगे ।आज विश्व की कुल आबादी ७.५ अरब से ज्यादा है जिनमें सबसे ज्यादा चीन और उस्के बाद भारत का नंबर आता है । बाढ़ती जनसंख्या इतनी बड़ी समस्या है, कि जिसका अंदाज़ा लगा पाना भी मुश्किल होता है ।

वृद्धि के कारण और परिणाम : ७.५ अरब की आबादी वाले विश्व में १.३ अरब आबादी भारत का ही है ।

वृद्धि के कारण :

1.मृत्यु दर के मुकाबले जन्मदर में अधिकता : बढ़ती वैज्ञानि और अनुसंधान के कारण दुनिया में जन्म और मृत्यू में काफी अंतर है । पता नहीं यह खुशी की बात है या दुःख की ।

2. धार्मिक कारण : कुछ धर्मों में बच्चे भगवान का दिया फल है इसलिए वे परिवार नियोजन जैसे काम नहीं कराते ।

3. कम उम्र में शादी : इससे महिलाएँ ज्यादा बच्चे पैदा करने लगते हैं ।

4. शिक्षा की कमी : ज्यादा बच्चे ज्यादा पैसा ऐसे मनोभावों के लोग आज भी हमारे आस-पास हैं । अज्ञानता के कारण सचेत न होने के कारण भी आबादी बढ़ती है ।

अर्थशास्त्रज्ञ कहा करते हैं कि सब समस्या का जड़ आबादी ही है । इससे कुपोशण, अशिक्षा, मिलावट, अपराध, ब्रष्टाचार, बालापराधी, हर वस्तुओं की कीमते बढ़ना, अस्वस्थता, गंदगी बढ़ना, शुद्ध पानी, आहार, वायू न मिलना । शांति भंग आदी होती हैं ।

उपचार :

1. परिवार नियोजन : एक अच्छे समृद्ध राष्ट्र के लिए यह जरूरी है । हम दो हमें दो, आदी नारों से सचेत करना ।

2. विवाह के उम्र बढ़ाना : 18 साल से 24 साल तक रोक लगा दी तो काम बनता है ।

3. संतुलित अनुपात : दो बच्चों के बीच में नियमित सालों का अंतर हो तो अच्छा होगा ।

4. सरकारी नीतियाँ : सरकारी नीतियाँ कागज़ की नीतियाँ ना होकर कठिनता से पालन होना चाहिए | और सरकारी सुविधाएं उन्हीं को मिले जो छोटा परिवार योजना अपनाएँ |

5. सचेत करना : सबको जनसंख्या की समस्या के बारे में सचेत करना । जितना हो सके उतना विज्ञापन, नाटक , बच्चों को शिक्षा आदि करने से आनेवाले समय में आबादी कुछ हद तक कम होगी ।

उपसंहार : ज्यादा होनेपर अमृत भी विष बन जाता है । उसी प्रकार आबादी किसी भी देश के लिए कल्याण कारक नहीं है । पढे-लिखे , समझादार होने पर भी मानव यह स्वयं कृत समस्या कर लिया है । जो आज

की युवा हैं उन्हे देश, प्रगति सुविधा आदी का ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए । देश भला तो हम भला ।

I. 38. निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए :- 1x5=5

अपनी बहन की शादि के कारण दो दिन की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए ।

प्रेषक , दिनांक :10.09.2019

खुशी.होंगल
10 वी कक्षा, A विभाग,
सरकारी हाईस्कूल लोकनाथपुर
कोप्पा ताल्लूक
चिक्कमगलूरु जिल्ला

सेवा में,
मान्य प्रधानाध्याप जी
सरकारी हाईस्कूल, लोकनाथपुर,
कोप्पा ताल्लूक
चिक्कमगलूर जिल्ला ।

मान्य महोदय :

विषय : बहन की शादी के कारण दो दिनों की छुट्टी माँगते हुए निवेदन ।

मैं खुशी.होंगल, आपके पाठशाला में 10वी कक्षा A विभाग में पढ़ने वाली विद्यार्थिनी हूँ । गुरुजी हमारे घर में मेरी बडी बहन की शादी बडी धूम-धाम से प्रथानुसार होने वाली है । घर में डेर सारे काम हैं तथा घर की सजावट मेरी ज़िम्मेदारी है । इसलिए इस शुभ अवसर में भाग लेने के लिए दिनांक : 11.09.2019 और 12.09.2019 तक दो दिनों की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवाद के साथ . . .

आपके विधेय विद्यार्थिनी
Khushi.H

पालक के हस्थाक्षर :@@@@

पढ़ाई के बारे में सलाह देते हुए अपने भाई के नाम पत्र लिखिए ।

नं,123
तिलक नगर
कोप्पा - १
दिनांक : 11.19.2019

प्रिय संजय,

सदा प्रसन्न रहो ।

कल मुझे तुम्हारे प्रधानाचार्य जी का पत्र मिला । मुझे यह जानकर बहुत दुःख हुआ कि तुम पूर्व तैयारी परीक्षाओं में कफी कम अंक पाए हो ! मगर हमसे यह उम्मीद नहीं थी संजु । बडी़ भरोसे के साथ तुम्हे पिता जी पढ़ाने भेजे हैं पर तुम तो आवारे लड़कों के साथ घूमना, दोस्तों के साथ गपशप करना, सारा दिन मोबाईल में समय बिताना कर रहे हो ।

संजू मेरी सलाह मान अभी से तुम नियमित रूप से पढ़ाई-लिखाई करना, परिक्षा पद्धति भी बदल गये हैं इसके अनुसार ही तैयारी करना । उम्मीद नहीं हारना । आनेवाले वार्शिक परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा अंकों के साथ उत्तीर्ण होना । जिनते परिश्रम करोगे उतना ही सफल होगे । आखिर में एक बात कभी अपने माता-पिता के भरोसे मत तोड़ना ।

घर में बहन तुम्हारी याद करती है । दादी माँ टीक हैं ....

पत्र का उत्तर देना ।

तुम्हारा अग्रज

पता
@@@@@
संजय. के
सरकारी छात्रवास
नं.123, शारदा नगर
मैसूर -1

****

~~*~*~* **शुभ हो** *~*~*~*~*